प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 1 (2019–20)

हिन्दी – ब (कोड–85)

कक्षा– 10

निर्धारित समय– 3 घंटे **अधिकतम अंक – 80**

सामान्य निर्देशः–

1. इस प्रश्न–पत्र में चार खंड हैं– क, ख, ग और घ।
2. सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15–20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30–40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60–70 शब्दों में लिखिए।

खण्ड–क (अपठित अंश) 10

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 10

यदि मनुष्य और पशु के बीच कोई अंतर है तो केवल इतना कि मनुष्य के भीतर विवेक है और पशु विवेकहीन है। इसी विवेक के कारण मनुष्य को यह बोध रहता है कि क्या अच्छा है और क्या बुरा। इसी विवेक के कारण मनुष्य यह समझ पाता है कि केवल खाने–पीने और सोने में ही जीवन का अर्थ और इति नहीं। केवल अपना पेट भरने से ही जगत के सभी कार्य सम्पन्न नहीं हो जाते और यदि मनुष्य को जन्म मिला है तो केवल इसी चीज का हिसाब रखने के लिए नहीं कि इस जगत ने उसे क्या दिया है और न ही यह सोचने के लिए कि यदि इस जग ने उसे कुछ नहीं दिया तो वह इस संसार के भले के लिए क्या क्यों करे। मानवता का बोध कराने वाले इस गुण **विवेक** की जननी का नाम शिक्षा है। शिक्षा जिसके अनेक रूप समय के परिवर्तन के साथ इस जगत में बदलते रहते हैं, वह जहाँ कहीं भी विद्यमान रही है सदैव अपना कार्य करती रही है। यह शिक्षा ही है जिसकी धुरी पर यह संसार चलायमान है। विवेक से लेकर विज्ञान और ज्ञान की जन्मदात्री शिक्षा ही तो है। शिक्षा हमारे भीतर विद्यमान वह तत्व है जिसके बल पर हम बात करते हैं, कार्य करते हैं, अपने मित्रों और शत्रुओं की सूची तैयार करते हैं, उलझनों को सुलझनों में बदलते हैं। असल में सीखने और सिखाने की प्रक्रिया को ही शिक्षा कहते हैं। शिक्षा उन तथ्यों का तथा उन तरीकों का ज्ञान कराती है जिन्हें हमारे पूर्वजों ने खोजा था– सभ्य तथा सुखी जीवन बिताने के लिए और आज यदि हम सुखी जीवन बिताना चाहते हैं तो हमें उन तरीकों को सीखना होगा, उन तथ्यों को जानना होगा जिन्हें जानने के लिए हमारे पूर्वजों ने निरंतर सदियों तक शोध किया है जो केवल शिक्षा के द्वारा ही संभव है।

1. मनुष्य और पशु के बीच क्या अंतर है? विवेकशील होने से मनुष्य को क्या लाभ है? 2

 उत्तर : मनुष्य और पशु के बीच मुख्य अंतर यह है कि मनुष्य के भीतर विवेक है, पशु विवेकहीन है। विवेकशील होने के कारण मनुष्य को यह बोध होता है कि क्या अच्छा है और क्या बुरा। इसी कारण मनुष्य समझ पाता है कि केवल खाने–पीने और सोने में ही जीवन का आरंभ और अंत नहीं है।

2. मनुष्य का जन्म किसका हिसाब रखने तथा क्या सोचने के लिए नहीं हुआ है? 2

 उत्तर : मनुष्य का जन्म केवल इस चीज का हिसाब रखने के लिए नहीं हुआ है कि इस संसार ने उसे क्या दिया है और न ही यह सोचने के लिए कि जब इस संसार ने उसे कुछ नहीं दिया तो वह संसार के कल्याण के लिए कार्य क्यों करे।

3. संसार किसकी धुरी पर चलायमान है और कैसे? 2

 उत्तर : संसार शिक्षा की धुरी पर चलायमान है। शिक्षा विवेक की जननी है। विवेक से लेकर ज्ञान विज्ञान की जन्मदात्री शिक्षा ही है। हमारे भीतर शिक्षा के मौजूद होने से ही हम बात करते हैं, कार्य करते हैं, मित्र व शत्रु में अंतर कर पात हैं उलझनों को सुलझाते हैं। इस प्रकार संसार के कार्य–व्यापार में शिक्षा की महती भूमिका है।

4. शिक्षा हमें किन तथ्यों तथा तरीकों का ज्ञान कराती है? ये सुखी जीवन बिताने में किस प्रकार सहायक है? 2

 उत्तर : शिक्षा हमें उन तथ्यों तथा उन तरीकों का ज्ञान कराती है जिन्हें हमारे पूर्वजों ने सभ्य तथा सुखी जीवन बिताने के लिए खोजा था। सुखी जीवन बिताने के लिए हमें उन तरीकों को सीखना होगा, उन तथ्यों को जानना होगा जिन्हें जानने के लिए हमारे पूर्वजों ने निरंतर सदियों तक शोध किया था।

5. मानवता का बोध कराने वाले गुण **विवेक की जननी** का नाम क्या है? 1

 उत्तर : शिक्षा

6. गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। 1

उत्तर : शिक्षा : विवेक की जननी।

खण्ड–ख (व्यावहारिक व्याकरण) 16

2. शब्द और पद के अंतर को उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए। 1

उत्तर : शब्द स्वतंत्र होता है लेकिन जब वह वाक्य में प्रयुक्त होता है तब पद कहलाता है।

जैसे– कमल एक प्रकार का फूल है। इस वाक्य में कमल एक शब्द है। यहाँ कमल व्याकरण के नियमों के अनुसार प्रयुक्त हुआ है। इसलिए यह एक पद है।

3. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए। $1 \times 3 = 3$

1. मैं दिल्ली जाकर पढ़ाई करूँगा। (संयुक्त वाक्य में)

उत्तर : मैं दिल्ली जाऊँगा और पढ़ाई करूँगा।

2. उसने चोरी की बात नहीं कबूली। (मिश्र वाक्य में)

उत्तर : उसने यह नहीं कहा कि उसने चोरी की है।

3. ज्यों ही वह पहुँचा वर्षा होने लगी। (सरल वाक्य में)

उत्तर : उसके पहुँचते ही वर्षा होने लगी।

4.

1. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए– $1 \times 2 = 2$

राजपुत्र, शरणागत

उत्तर : राजपुत्र– राजा का पुत्र (संबंध तत्पुरूष)

शरणागत– शरण में आया हुआ (अधिकरण तत्पुरूष)

2. निम्नलिखित विग्रहों के समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए। $1 \times 2 = 2$

महान है जो आत्मा, माता और पिता

उत्तर : महान है जो आत्मा=महात्मा (कर्मधारय समास)

माता और पिता=माता–पिता (द्वन्द्व समास)

5. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए। $1 \times 4 = 4$

1. महेश ने शहर के चारों ओर परिक्रमा की।

उत्तर : महेश ने शहर की परिक्रमा की।

2. जब पास होगे, तभी पढ़ोगे।

उत्तर : जब पढ़ोगे, तभी पास होगे।

3. सिल बट्टे पर चटनी पीसी जाती है।

उत्तर : सिल बट्टे से चटनी पीसी जाती है।

4. सरिता धीमी स्वर में बोली।

उत्तर : सरिता धीमे स्वर में बोली।

6. उचित मुहावरों द्वारा रिक्त स्थान को पूरा कीजिए। $1 \times 4 = 4$

1. भारत के वीर सिपाहियों का सामना करना लोहे .... है।

उत्तर : के चने चबाने जैसा। (लोहे के चने चबाना)

2. सोहन के कक्षा में प्रथम आने पर उसके पिता फूले ....।

उत्तर : न समाए (फूले न समाना)

3. हमें कठिनाइयों के आगे .... चाहिए।

उत्तर : घुटने नहीं टेकने (घुटने नहीं टेकना)

4. भारत व पाक आपसी समझबूझ से .... हैं।

उत्तर : आग पर पानी डाल रहे (आग पर पानी डालना)

खण्ड–ग 28

(पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक)

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 30–40 शब्दों में लिखिए। $2 \times 3 = 6$

1. वृजलाल गोयनका किस प्रकार पकड़े गए? डायरी का एक पन्ना पाठ के आधार पर बताइए।

उत्तर : जुलूस के लाल बाजार आने पर वृजलाल को एक अंग्रेज घुड़सवार ने लाठी मारी, फिर पकड़कर दूर ले गए और उन्हें छोड़ दिया। वे स्त्रियों के जुलूस में शामिल हो गए। फिर वे दो सौ आदमियों का जुलूस बनवाकर लाल बाजार गए। वहाँ उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

2. सुभाष बाबू के जुलूस में स्त्री समाज की क्या भूमिका थी?

उत्तर : सुभाष बाबू के जुलूस में स्त्री समाज की महत्वपूर्ण भूमिका थी। गुजराती सेविका संघ के जुलूस में शामिल बहुत–सी लड़कियों को गिरफ्तार कर लिया गया। शहर में स्त्रियाँ जगह–जगह से अपना जुलूस निकालने और मोनुमेंट के नीचे आयोजित होने वाली सभा में पहुँचने की कोशिश कर रही थी। जब सुभाष बाबू का जुलूस मोनुमेंट के निकट पहुँचा, उस समय वहाँ स्त्रियाँ भारी संख्या में पहुँच गईं थीं। वे मोनुमेंट की सीढ़ियाँ चढ़कर झंडा फहरा रहीं थीं और घोषण पढ़ रहीं थीं।

3. घुड़सवार ने कर्नल से कारतूस कैसे हासिल किए?

उत्तर : वह घुड़सवार स्वयं वजीर अली था। उसे पता था कि कर्नल कालिंज उसे पकड़ने के लिए अपनी फौज के साथ जंगल में डेरा डाले हुए थे। वजीर अली ने निडर होकर पूरे आत्मविश्वास से एकांत कमरे में कर्नल से बात की और कहा कि वजीर अली को पकड़ने के लिए उसे कारतूस चाहिए। कर्नल से कारतूस लेकर वह वहाँ से चला गया।

4. छोटे भाई ने बड़े भाई साहब के नरम व्यवहार का क्या फायदा उठाया?

उत्तर :

बड़े भाई के नरम व्यवहार के कारण लेखक की स्वच्छंदता और अधिक बढ़ गई। वह उनकी सहिष्णुता का अनुचित लाभ उठाने लगा। उनके प्रति उसके दिल में आदर भाव भी कम हो गया था। वह बड़े भाई साहब की नजरें बचाकर कनकौए उड़ाता था। अब सारा समय पतंगबाजी की भेंट चढ़ने लगा। उनका समय अब मांझा बाँधना, कन्ने बाँधना, पतंगबाजी की प्रतियोगिता की तैयारी में ही जाने लगा। लेखक को लगने लगा था कि वह पढ़े या न पढ़े पर वह पास हो ही जाएगा। इस प्रकार लेखक के मन से बड़े भाई का डर धीरे–धीरे कम होने लगा।

8. वजीर अली एक जाँबाज सिपाही था? उदाहरण सहित इस कथन की पुष्टि 80-100 शब्दों में कीजिए। 5

उत्तर : निःसंदेह वजीर अली एक जाँबाज सिपाही था। वह अंग्रेजों को खूब छका रहा था। वकील की हत्या कर फरार था। वह अपनी जान की बाजी लगाकर अंग्रेजों के कैंप जो कि आजमगढ़ के जंगलों में थे, में कर्नल से मिलने चला आया। इतने फौजियों के होते हुए भी कर्नल के टेंट में आया। एकांत में कर्नल से मिला। कर्नल से दस कारतूस भी लिए और जाते समय यह भी बताया कि मैं वजीर अली हूँ। उसकी निडरता और साहस को देखकर स्वयं कर्नल चकित हो गया और लेफ्टिनेंट के पूछने पर कि वह कौन था वह सवार, कर्नल ने कहा- एक जाँबाज सिपाही।

अथवा

बड़े भाई साहब के अनुसार जीवन की समझ कैसे आती है? 80-100 शब्दों में समझाइये।

उत्तर : बड़े भाई साहब के अनुसार जीवन की समझ अनुभव से आती है। जीवन में अनुभव पुस्तकीय ज्ञान से भी अधिक महत्वपूर्ण है। पुस्तकें पढ़ने से हर कक्षा में पास हुआ जा सकता है परन्तु उस ज्ञान को अनुभव में उतारे बिना वह ज्ञान अधूरा है। बड़े -बुजुर्गों को जीवन की समझ हमसे ज्यादा है। उन्होंने यह सब अनुभव से प्राप्त किया है। हम विषम परिस्थिति में घबरा जाते हैं, पर हमारे बड़े बुजुर्ग उन परिस्थितियों में भी समस्या का हल निकालना जानते थे। वे पढ़े-लिखे नहीं थे, परन्तु अनुभव से भरपूर थे। अनुभव पढ़ाई-लिखाई से ज्यादा महत्वपूर्ण है।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 30-40 शब्दों में लिखिए। $2 \times 3 = 6$

1. कवि को परमात्मा से क्या-क्या अपेक्षाएँ नहीं है? आत्मत्राण कविता के आधार पर बताइए।

उत्तर : कवि को परमात्मा से यह अपेक्षा नहीं है कि ईश्वर उसके दुख का भार हल्का करे। वह स्वयं ही अपने दुखों का निदान ढूँढना चाहता है। वह अपने पौरूष बल को डगमगाने नहीं देना चाहता। वह नहीं चाहता कि ईश्वर हर मार्ग में हर विपत्ति को सरल बना दें। विपत्ति में उसमें इतनी शक्ति भर दें कि सभी विपत्तियों का सामना कर सके। यदि जीवन संग्राम में धोखा उठाना पड़े तब भी वह हार न मानें।

2. कर चले हम फिदा, कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहते हैं?

उत्तर : इस गीत को सुनकर हमें देशहित के लिए बलिदान और संघर्ष करने की प्रेरणा मिलती है। जब देश पर कोई विदेशी आक्रमणकारी चढ़ आया हो, तब हमें जी-जान लगाकर देश की रक्षा करनी चाहिए। युद्ध में चाहे कितने भी संकट आएँ, चाहे बर्फीली आँधियों का सामना करना पड़े, चाहे साँस रूक जाए, मौत सामने आ जाए तो भी हमें संघर्ष करने और बलिदान देने से पीछे नहीं हटना चाहिए।

3. मीराबाई श्याम की चाकरी क्यों करना चाहती है?

उत्तर : मीराबाई का हृदय कृष्ण का सान्निध्य पाने के लिए अत्यधिक अधीर है। इसलिए वह कृष्ण की चाकरी करना चाहती है।

4. मीठी वाणी बोलने से औरों को सुख और अपने तन को शीतलता कैसे प्राप्त होती है?

उत्तर :

मीठी वाणी जीवन में आत्मिक सुख व शांति प्रदान करती है। इसके प्रयोग से संपूर्ण वातावरण सरस व सहज बन जाता है। यह सुनने वाले के मन को प्रभावित व आनंदित करती है। इसके प्रभाव से मन में स्थित शत्रुता, कटुता व आपसी ईर्ष्या-द्वेष के भाव समाप्त हो जाते हैं। मीठी वाणी बोलने से सुनने वालों को शांति प्राप्त होती है। इसलिए हमें ऐसी वाणी बोलनी चाहिए कि जिसे सुनकर लोग आनंद की अनुभूति करें।

हम मीठी वाणी बोलकर अपने शरीर को भी शीतलता पहुँचाते हैं। कठोर वाणी हमें क्रोधित व उत्तेजित करती है। मीठी वाणी अहंकारशून्य होने के कारण तन को शीतलता प्रदान करती है तथा आनंद की सुखद अनुभूति कराती है। इस प्रकार मीठी वाणी बोलने से न केवल दूसरों को हम सुख प्रदान करते हैं अपितु स्वयं भी शीतलता का अनुभव करते हैं।

10. आपके विचार से क्या मीरा की कृष्ण-भक्ति आज के युग में प्रासंगिक है? 80-100 शब्दों में तर्क सम्मत टिप्पणी कीजिए। 5

उत्तर : मीरा श्रीकृष्ण की अनन्य भक्त थीं। उनके आराध्य श्रीकृष्ण साक्षात् ब्रह्म के स्वरूप थे जिनकी वे सगुण भक्ति करती थीं। यह उनकी भक्ति भावना का ही प्रभाव था कि जनता में उन्हें अपार प्रसिद्धि मिली। उनके गाए पद जन सामान्य में लोकप्रिय हुए। आज भी यदि कोई सच्चे भक्ति-मार्ग का अनुसारण करता है तो जनता उन्हें सिर आँखों पर बिठा लेती है। सच तो यह है कि ईश्वर-भक्ति देश, काल की सीमाओं से परे होती है। प्रभु के सच्चे भक्तों का जन्म हर युग में होता है। प्रत्येक युग में सगुण, भक्ति अपनी पराकाष्ठा में पहुँची दिखाई देती है। इस प्रकार मीरा की श्रीकृष्ण-भक्ति आज के युग में उतनी ही प्रासंगिक है।

अथवा

मनुष्यता कविता में किन परोपकारी पुरूषों का उल्लेख किया गया है? उनके जीवन से हम क्या प्रेरणा ग्रहण कर सकते हैं? 80-100 शब्दों में लिखिये।

उत्तर : मनुष्यता कविता में राज रंतिदेव, महर्षि दधीचि, गांधार देश के राजा उशीनर, दानवीर कर्ण आदि परोपकारी पुरूषों का उल्लेख किया गया है। रंतिदेव स्वयं भूख से व्याकुल थे, फिर भी उन्होंने एक अन्य भूखे व्यक्ति को उसकी क्षुधा शांत करने के लिए भोजन का थाल दान में दे दिया था। महर्षि दधीचि ने देवराज इन्द्र के अनुरोध पर परोपकार की भावना से प्रेरित

होकर अपनी हड्डियों का दान कर दिया था। इसी प्रकार राजा उशीनर ने कबूतर के प्राणों की रक्षा के लिए अपने शरीर का मांस काटकर दे दिया था। दानवीर कर्ण ने अपने शरीर का चर्म प्रसन्नतापूर्वक दान दे दिया था। इन सभी उदार एवं परोपकारी पुरूषों के जीवन से हम लोकहित के लिए त्याग करने की भावना ग्रहण कर सकते हैं। इनका जीवन हमें सिखाता है कि किसी बड़े उद्देश्य की पूर्ति के लिए यदि प्राणों को न्योछावर करना पड़े तो भी हमें संकोच नहीं करना चाहिए। समाज–हित के लिए परोपकार करते हुए हमें मानव जन्म को सफल बनाना चाहिए।

11.

1. हरिहर काका मानसिक रूप से कमजोर क्यों पड़ते जा रहे थे? आपकी समझ में उनके तथा परिवार के लोगों के परस्पर व्यवहार का क्या आदर्श स्वरूप होना चाहिए था? (60–70 शब्दों में समझाइये) 3

   उत्तर : परिवार के सदस्यों, भाइयों तथा उनकी पत्नियों और गाँव के महंत के दुर्व्यवहार के कारण निस्संतान हरिहर काका मानसिक रूप से कमजोर पड़ते जा रहे थे। हरिहर काका के पास साठ बीघा जमीन थी जिसके लालच में एक तरफ तो उनके चार भाई तो दूसरी तरफ गाँव की ठाकुरवाड़ी का महंत कभी तो उनसे सहानुभूति दिखाते तो कभी अमानवीय हरकतों पर उतर आते थे। उनके तथा परिवार के लोगों के परस्पर व्यवहार का आदर्श स्वरूप तो यह होता कि सभी आपस में मिलजुलकर रहते। भाई, उनकी पत्नियाँ व बच्चे पूरे मन तथा निस्वार्थ भाव से अपने परिवार के एक बुजुर्ग की तरह उनका सम्मान करते। उनके हर सुख–दुख का ध्यान रखा जाता।

2. नई श्रेणी में जाने और नई कापियों और पुरानी किताबों से आती विशेष गंध से लेखक का बालमन क्यों उदास हो उठता था? (60–70 शब्दों में समझाइये) 3

   उत्तर : नई श्रेणी में जाने का लड़कों को बहुत चाव होता है क्योंकि नई श्रेणी में नई किताबें तथा नए अध्यापक होते हैं। लेखक का मन उदास हो जाता था। बाल–मनोविज्ञान के अनुसार यदि इसका कारण खोजा जाए तो यही बात सामने आती है कि लेखक गरीब परिवार से थे। वे नई किताबें नहीं खरीद पाते थे इसलिए पुरानी कापियों और पुरानी किताबों से आती खास गंध से उनका मन उदास हो जाता था। साथ ही साथ आगे की मुश्किल पढ़ाई और नए मास्टरों की मारपीट का भय भी रहता था।

खण्ड–घ 26

(लेखन)

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80–100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। 6

1. **वन और हमारा पर्यावरण।**

   ⁕ प्रदूषण की वर्तमान समस्या ⁕ वृक्षों का महत्व ⁕ व्यक्तिगत एवं सरकारी प्रयास

2. **महानगरों में महिलाओं की सुरक्षा।**

   ⁕ महानगरों की समस्या और सुरक्षा की स्थिति ⁕ महिलाओं की असुरक्षा ⁕ कारण, प्रभाव और समाधान।

3. **करत करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान।**

   ⁕ अभ्यास का अर्थ ⁕ अभ्यास के आवश्यक तत्व ⁕ सफल व्यक्ति ⁕ सच्चे कर्मवीर के लक्षण

   उत्तर :

1. वन और हमारा पर्यावरण

वर्तमान समय में सबसे बड़ी समस्या है– पर्यावरण प्रदूषण। विकास के चरण में हमने आज स्वयं ही अपने पर्यावरण के सुरक्षा कवचों को काटकर प्रदूषण के भयंकर खतरों को आमंत्रित कर लिया है। हमने पेड़–पौधों को काटकर प्रकृति के संतुलन को विकृत कर दिया है। फलतः आज शुद्ध वायु के लिए हम तरसते जा रहे हैं। हम भूल गए हैं कि पेड़–पौधे हमें शुद्ध वायु और वनस्पति देते हैं। वे हमें फल–फूल प्रदान करते हैं और पशु–पक्षियों का आश्रय। हम भूल गए कि पेड़–पौधों का महत्व निर्विवाद है। जन–जागृति के अभियानों, चिपको आन्दोलन तथा वन नीतियों द्वारा आज हम जागरूक और सचेत होकर अवश्य सोच रहे हैं परन्तु समस्या की भयावहता को देखते हुए प्रत्येक व्यक्ति को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वह पेड़ लगाए भी और उसकी देखभाल भी करे। जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण लगाना अति आवश्यक है, नहीं तो बढ़ते प्रदूषण के कारण शुद्ध प्राणवायु उपलब्ध नहीं होगी। सुख और स्वास्थ्य के प्रदाता पेड़–पौधों का संरक्षण एवं संवर्धन आज हमारी आवश्यकता भी है और कर्तव्य भी।

2. महानगरों में महिलाओं की सुरक्षा

महानगरों में केवल जनसंख्या ही अधिक नहीं होती, समस्याएँ भी अधिक होती हैं। जैसे रहने की समस्या, वाहनों की समस्या, प्रदूषण की समस्या, लूटपाट, छीना–झपटी, अपहरण की समस्या और आज के समय में महिलाओं की सुरक्षा की समस्या। आए दिन महिलाओं से छेड़छाड़, अभद्र व्यवहार, बलात्कार व हत्याओं के मामले सामने आ रहे हैं। क्यों नहीं हमारी पुलिस इस ओर ठोस कदम उठाती? क्यों अपराधियों को सजा नहीं दी जाती? क्यों एक लम्बी कोर्ट कार्यवाही के बाद सबूतों के अभाव का हवाला देकर उन्हें छोड़ दिया जाता है? क्या महिलाओं की सुरक्षा हम सबका उत्तरदायित्व नहीं है? इसके लिए जागरूक होकर पहल करनी होगी, पुलिस विभाग और कानून व्यवस्था को कड़े नियम अपनाने होंगे तथा महिलाओ को आत्मविश्वास व दृढ़ता से जागरूक होकर पहल करनी होगी, निर्भय होकर अपराधियों का सामना करना होगा।

3. करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान

अभ्यास अर्थात् सफलता के लिए प्रयास करना ऐसी उत्तम प्रक्रिया है जिससे व्यक्ति की प्रतिभा में निखार आता है। अभ्यास करने से कोई भी कार्य कुशलता से सम्पन्न होता है और सफलता की प्राप्ति होती है। मूर्ख व्यक्ति भी निरंतर अभ्यास से ज्ञानवान हो जाता है। इस सम्पूर्ण प्रक्रिया में मनुष्य को इच्छाशक्ति से आत्मबल को बनाए रखने की आवश्यकता होती है। जो व्यक्ति असफलता के भय से साहसपूर्वक परिश्रम नहीं करते, वे कभी आगे नहीं बढ़ पाते। निरंतर अभ्यास से प्रतिभा निखारने वाले व्यक्ति ही असाधारण व्यक्तित्व के स्वामी हो जाते हैं। एकलव्य एवं अर्जुन अभ्यास के बल पर धनुर्विद्या में पारंगत हुए। चींटी और मकड़ी जैसे प्राणी भी अभ्यास के बल पर अपने प्रयास में सफल होते हैं। कर्मवीर व्यक्ति भाग्य के भरोसे नहीं बैठते। वे अपनी राह स्वयं चुनते हैं। निरंतर अभ्यास से अपनी कमियों को दूर करते हुए असंभव को संभव करके जीवन में श्रेष्ठता हासिल करते हैं।

13. किसी दैनिक समाचार-पत्र के संपादक को अपने क्षेत्र में चल रही बिजली की कटौती में सुधार के लिए संबंधित अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट करने के लिए एक पत्र 80-100 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर :

सेवा में,
संपादक,
नवभारत टाइम्स,
बहादुरशाह जफर रोड,
नई दिल्ली-110002

विषय : बिजली की कटौती रोकने के लिए संबंधित विभाग का ध्यान आकृष्ट कराने हेतु।

महोदय,

मैं आपके लोकप्रिय दैनिक समाचार-पत्र के माध्यम से विद्युत विभाग के अधिकारियों का ध्यान अपने क्षेत्र की बिजली कटौती की ओर दिलाना चाहता हूँ।

मैं पहाड़गंज क्षेत्र का निवासी हूँ। दिल्ली का अत्यधिक पुराना क्षेत्र होने के कारण यहाँ मकान बहुत पास-पास तथा सँकरी गलियों में बने हैं, जहाँ सूर्य की रोशनी पर्याप्त मात्रा में नहीं पहुँच पाती। उस पर पिछले बीस दिनों से क्षेत्र में बिजली की अनियमित कटौती की जा रही है। बोर्ड की परीक्षाएँ नजदीक हैं। अतः हम विद्यार्थियों को अत्यंत संकट का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र के बिजली कर्मचारियों ने हमारी समस्या को न समझकर सप्लाई की गड़बड़ी बताकर हमें टाल दिया। इतने दिन से चली आ रही यह समस्या हमारे भविष्य के लिए भयानक बाधा बनती जा रही है।

आशा है आप मेरा पत्र **जनमंच** कॉलम में प्रकाशित कर बिजली अधिकारियों का ध्यान इस समस्या पर आकृष्ट करेंगे तथा बिजली को रोकने में सहयोग कर हमें उपकृत करेंगे।

सधन्यवाद।

राहुल
(पहाड़गंज क्षेत्र का एक विद्यार्थी)
दिनांक : 04 मार्च, 2018

अथवा

बैंकिंग सेवा भर्ती बोर्ड के सचिव को लिपिक के पद के लिए एक पत्र 80-100 शब्दों में लिखिए।

उत्तर :

सेवा में,
सचिव,
बैंकिंग सेवा भर्ती बोर्ड,
नई दिल्ली।

विषय : लिपिक के पद के लिए आवेदन।

महोदय,

दिनांक 20 मार्च, 2018 के रोजगार समाचार में प्रकाशित विज्ञापन क्रमांक 17 को पढ़कर विदित हुआ कि आपके अधीन विभिन्न राष्ट्रीय बैंकों में लिपिकों के कुछ स्थान रिक्त हैं जिनके लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए हैं। मैं उक्त पद के लिए प्रत्याशी हूँ तथा अपना परिचय, योग्यता आदि प्रस्तुत कर रहा हूँ।

मेरा परिचय, शैक्षणिक विवरण तथा अन्य विवरण निम्नलिखित हैं-

नाम	-	राम किशोर भारद्वाज
पिता का नाम	-	श्री राज किशोर भारद्वाज
जन्मतिथि	-	20 मार्च, 1993
पत्र व्यवहार का पताः	-	सी-10, डी.डी.ए. फ्लैट्स, लाजपतनगर, नई दिल्ली।
दूरभाष	-	21003531

शैक्षणिक विवरण:

उत्तीर्ण परीक्षा का नाम	बोर्ड/यूनिवर्सिटी	उत्तीर्ण वर्ष	प्राप्तांकों का प्रतिशत	विषय
माध्यमिक परीक्षा	केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड दिल्ली	2009	70%	हिंदी, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान
उच्च माध्यमिक परीक्षा	केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड दिल्ली	2011	76%	अंग्रेजी, गणित, वाणिज्य, अर्थशास्त्र, बहीखाता एवं लेखा पद्धति

टंकण गति	-	हिंदी- 35 शब्द प्रति मिनट अंग्रेजी- 45 शब्द प्रति मिनट
अनुभव	-	एक वर्ष, विप्रो इंटरेशनल में लिपिक के रूप में कार्यरत।

मुझे विश्वास है कि मेरे उपर्युक्त विवरण के आधार पर आप मुझे साक्षात्कार में उपस्थित होने का अवसर अवश्य प्रदान करेंगे जिससे कि मैं उपर्युक्त पद के लिए अपनी उपयुक्तता सिद्ध कर सकूँ।

धन्यवाद।

भवदीय

....

(हस्ताक्षर आवेदक)

राम किशोर भारद्वाज

दिनांक : 24 मार्च, 2018

संलग्न प्रपत्रों का विवरण–

अधोलिखित प्रपत्रों की छायाप्रतियाँ संलग्न हैं–

1. सेकण्डरी स्कूल की परीक्षा का प्रमाण पत्र।
2. सीनियर सेकण्डरी स्कूल परीक्षा का प्रमाण पत्र।
3. अनुभव प्रमाण पत्र।
4. टंकण गति प्रमाण पत्र (हिन्दी तथा अंग्रेजी)
5. चरित्र प्रमाण पत्र।

14. आपके विद्यालय में नेत्र चिकित्सा शिविर लगाया जा रहा है। प्रधानाचार्य की ओर से छात्रों को इसकी सूचना 40–50 शब्दों में जारी करें। 5

उत्तर :

श्री महावीर शिक्षण संस्थान स्कूल, दिल्ली

सूचना

दिनांक : 28 अक्टूबर, 2018

विषय– नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन।

लायंस क्लब के सहयोग से दिनांक 2 नवम्बर, 2018 को विद्यालय में चिकित्सा शिविर लगाया जाएगा। इसमें वरदान नेत्र चिकित्सालय के चिकित्सक आँखों का परीक्षण करेंगे और आँखों को स्वस्थ रखने हेतु आवश्यक जानकारी देंगे। छात्र-छात्राएँ कमरा नं. 17 में सुबह 8:00 बजे से पर्चा बनवाकर आँखों का निःशुल्क परीक्षण करा सकते हैं।

हस्ताक्षर

कार्तिक शर्मा

प्रधानाचार्य

अथवा

आप एन. के. विद्यालय के प्रधानाचार्य हैं। दिल्ली में लगे ट्रेड फेयर देखने के इच्छुक छात्रों को वहाँ ले जाने की सूचना 40–50 शब्दों में जारी करें।

उत्तर :

एन. के. विद्यालय, मथुरा

सूचना

दिनांक : 16 नवम्बर, 2018

विषय : दिल्ली व्यावसायिक प्रदर्शनी देखने जाने के संदर्भ में।

दिल्ली में आयोजित व्यावसायिक प्रदर्शनी (ट्रेड फेयर) देखने के लिए विद्यालय की ओर से एक ट्यूर 12 नवम्बर को प्रातः 6:00 बजे बस से दिल्ली रवाना होगा। ट्यूर में आने हेतु कक्षा IX एवं X के छात्र अपने कक्षा अध्यापक से संपर्क करें।

हस्ताक्षर

(करण सैनी)

प्रधानाचार्य

15. लगातार बढ़ती महँगाई पर दो मित्रों के बीच होने वाले संवाद को लगभग 50–60 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर :

वैभव : हैलो अमर! क्या-क्या खरीद लिया?

अमर : अरे! वैभव तुम, कुछ नहीं सब्जियाँ खरीद रहा हूँ। यहाँ तो हालत ही खराब है। पिछले सप्ताह के मुकाबले टमाटर, प्याज, मटर, गोभी सबके सब दोगुने महँगे हैं।

वैभव : हाँ, अभी तीन दिन पहले ही तो डीजल, पैट्रोल के दाम बढ़े हैं इसलिए सब कुछ महँगा हो गया है।

अमर : मगर डीजल, पैट्रोल के दाम बढ़ने से सब्जी महँगी होने का क्या वास्ता?

वैभव : वास्ता कैसे नहीं मित्र, सब्जियाँ दूर दराज के गाँवों और दूसरे शहरों से ट्रक ट्रैक्टर आदि से आती हैं। डीजल महँगा होगा तो यातायात महँगा होगा। इससे सभी सामान महँगे होंगे न!

अमर : हाँ तुम ठीक कह रहे हो मित्र।

अथवा

विकास के मॉडल हाईवे, मॉल, मल्टीप्लेक्स विषय पर शिक्षक और छात्र के बीच संवाद 50–60 शब्दों में लिखिए।

उत्तर :

शिक्षक : (छात्र से) आज शहरों में हाईवे, मॉल, मल्टीप्लेक्स आदि विकास के मॉडल हैं। इसका क्या कारण हो सकता है?

छात्र : महोदय, मैं समझता हूँ इनसे देश के विकास को गति मिलती है। जहां एक ओर हाईवे के कारण यातायात और परिवहन आसान हो जाता है, वहीं मॉल और मल्टीप्लेक्स विभिन्न प्रकार की वाणिज्यिक गतिविधियों को बढ़ावा देते हैं।

शिक्षक : क्या इनके निर्माण से रोजगार सृजन में भी मदद मिलती है।

छात्र : जी, इन सब निर्माण कार्यों में पूंजी के साथ-साथ श्रम का भी निवेश होता है। अतः हर तरह के रोजगार का सृजन होता है।

शिक्षक : शाबाश! तुम्हारा दृष्टिकोण बिल्कुल सही है।

16. सरकार की निःशुल्क शिक्षा योजना के लिए 25–50 शब्दों का विज्ञापन तैयार कीजिए। 5

उत्तर :

सरकार की प्रधानमंत्री कंप्यूटर शिक्षा योजना के अंतर्गत निःशुल्क कंप्यूटर कोर्स करें

कोर्स : डी.टी.पी., टैली, डिजाइनिंग, नेट आदि

आज ही अपना नाम पंजीकृत कराएँ और योजना का लाभ उठाएँ

योग्यता : हाईस्कूल पास   अंतिम तिथि : 20 अक्टूबर 2019

संपर्क करें:

श्री विवेकानन्द शिक्षा संस्थान

मेन रोड, चोपडा बाजार, बीकानेर

फ़ोन-09413028511

अथवा

पुस्तक विक्रेता के लिए आकर्षक विज्ञापन 25-50 शब्दों में तैयार कीजिए।

उत्तर :

ज्ञान का दीप जलाने वाली
नया पाठ पढाने वाली
हर कीमत में उपलब्ध
इसके लिए कम हैं शब्द

इण्डिया बुक शॉप

सभी प्रकार की परिक्षाओं की पुस्तकें उपलब्ध

बस स्टैण्ड, मैन बाजार, अलवर

Download unsolved Version of this solved paper from www.cbse.online

WWW.CBSE.ONLINE

This sample paper has been released by website www.cbse.online for the benefits of the students. This paper has been prepared by subject expert with the consultation of many other expert and paper is fully based on the exam pattern for 2019-2020. Please note that website www.cbse.online is not affiliated to Central board of Secondary Education, Delhi in any manner. The aim of website is to provide free study material to the students.

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 2 (2019-20)

हिन्दी - ब (कोड-85)

कक्षा- 10

निर्धारित समय- 3 घंटे **अधिकतम अंक - 80**

सामान्य निर्देशः-

1. इस प्रश्न-पत्र में चार खंड हैं- क, ख, ग और घ।
2. सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।

खण्ड-क (अपठित अंश) 10

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 10

काशी के सेठ गंगादास भगवान शंकर के सच्चे भक्त थे। एक दिन वह गंगा में स्नान कर रहे थे कि तभी एक व्यक्ति नदी में कूदा और डुबकियाँ खाने लगा। चारों तरफ शोर मच गया लेकिन किसी की हिम्मत नहीं हुई कि उसे बचाए। कुछ देर तक सेठ जी उसे डूबते देखते रहे फिर तैजी से तैरते हुए उसके पास पहुँचे और किसी तरह खींचकर उसे किनारे ले आए। सेठ जी ने उसे ध्यान से देखा तो चौंक पड़े। वह उनका मुनीम नंदलाल था। उन्होंने पूछा, आपको किसने गंगा में फेंका? नंदलाल बोला किसी ने नहीं मैं तो आत्महत्या करना चाहता था। सेठजी ने इसका कारण पूछा तो उसने कहा, मैंने आपके पाँच हजार रूपये चुराकर सट्टे में लगाए और हार गया। मैने सोचा कि आप मुझे गबन के आरोप में गिरफ्तार करवाकर जेल भिजवा देंगे। इससे मेरी और मेरे परिवार की बड़ी बदनामी होगी। इसलिए बदनामी के डर से मैंने मर जाना ही ठीक समझा। सेठ जी ने कहा, तुम्हें तो सजा मिलनी ही चाहिए। नंदलाल ने विनती की, ऐसा मत कीजिए सेठ जी। कुछ देर तक सोचने के बाद सेठ जी ने कहा, तुम्हारा अपराध माफ किया जा सकता है लेकिन मेरी एक शर्त है। तुम प्रण करो आज के बाद कभी किसी प्रकार का जुआ नहीं खेलोगे, सट्टा नहीं लगाओगे। नंदलाल ने वचन दिया कि वह अब ऐसे काम नहीं करेगा। सेठ जी ने कहा, जाओ माफ किया। पाँच हजार रूपये मेरे नाम घरेलू खर्च में डाल देना। मुनीम भौंचक रह गया। उसने सोचा था कि अब तो उसकी नौकरी चली जाएगी। उसने पूछा, क्या चोरी करने के बाद भी आप मुझे नौकरी पर रख लेंगे? सेठ जी ने कहा तुमने चोरी तो की है लेकिन स्वभाव से तुम चोर नहीं हो। तुमने एक भूल की है, चोरी नहीं। जो आदमी अपनी एक भूल के लिए मरने तक की बात सोच ले, वह कभी चोर नहीं हो सकता। उसके बाद नंदलाल ने कभी कोई गलत काम नहीं किया।

1. सेठ गंगादास कौन थे? नदी में स्नान करते समय उन्होंने क्या देखा और क्या किया? 2

   उत्तर : काशी के सेठ गंगादास भगवान शंकर के सच्चे भक्त थे। नदी में स्नान करते समय उन्होंने देखा कि एक व्यक्ति नदी में कूदा और डुबकियाँ खाने लगा। कुछ देर सेठ जी उसे डूबते देखते रहे, फिर तेजी से तैरकर उसके पास पहुँचे और उसे खींचकर किनारे ले आए।

2. नंदलाल कौन था? वह आत्महत्या क्यों करना चाहता था? 2

   उत्तर : नंदलाल सेठ गंगादास का मुनीम था। उसने सेठ जी के पाँच हजार रूपये चुराकर सट्टा लगाया था और हार गया। उसने सोचा कि सेठ जी उसे गबन के आरोप में जेल भिजवा देंगे। इस कारण उसकी और उसके परिवार की बहुत बदनामी होगी जिसके भय से वह आत्महत्या करना चाहता था।

3. हमें समाज में किस चीज का डर सबसे ज्यादा होता है? किसके डर से नंदलाल ने मरना उचित समझा? 2

   उत्तर : हमें समाज में बदनामी का डर सबसे ज्यादा होता है। बदनाम हो जाने पर मनुष्य को हीन-भावना से देखा जाता है। नंदलाल ने इसी बदनामी के डर से मरना उचित समझा। वह बदनाम होकर जीना नहीं चाहता था।

4. सेठ जी ने मुनीम नंदलाल को क्यों माफ किया? उनकी नजर में कौन चोर नहीं हो सकता? 2

   उत्तर : सेठ जी ने मुनीम को माफ कर दिया क्योंकि वे उसे सुधार का मौका देना चाहते थे। वे जानते थे कि अब वह सुधर जाएगा। उनके विचार में जो आदमी अपनी एक भूल के लिए मरने तक की बात सोच ले वह कभी चोर नहीं हो सकता।

5. नंदलाल ने सेठ गंगादास को क्या वचन दिया? 1

   उत्तर : नंदलाल ने सेठ गंगादास को वचन दिया कि वह अब चोरी जैसा काम नहीं करेगा।

6. गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। 1

उत्तर : सेठ जी की दयालुता।

खण्ड-ख (व्यावहारिक व्याकरण) 16

2. रेखांकित शब्द, शब्द है या पद ?बताइए। 1

सीता पढ़ रही है।

उत्तर : सीता, पद है।

3. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए।

$1 \times 3 = 3$

1. यदि तुम परिश्रम नहीं करोगे तो तुम्हें सफलता नहीं मिलेगी। (सरल वाक्य में)

उत्तर : परिश्रम के बिना तुम्हें सफलता नहीं मिलेगी।

2. उसको काम न आने के कारण कोई नौकरी नहीं देता। (संयुक्त वाक्य में)

उत्तर : उसको काम नहीं आता इसलिए कोई उसे नौकरी नहीं देता।

3. कार्य समाप्त करके मजदूर अपने घर चले गए। (मिश्र वाक्य में)

उत्तर : जब कार्य समाप्त हुआ तब मजदूर अपने घर चले गए।

4.

1. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए- $1 \times 2 = 2$

आशातीत, भुखमरा

उत्तर : आशातीत-आशा को लाँघकर गया हुआ(कर्म तत्पुरूष)

भुखमरा- भूख के द्वारा मारा (करण तत्पुरूष)

2. निम्नलिखित विग्रहों के समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए। $1 \times 2 = 2$

तुलसी द्वारा कृत, पाँच आबों का समूह

उत्तर : तुलसी द्वारा कृत- तुलसीकृत (करण तत्पुरूष)

पाँच आबों का समूह- पंजाब (द्विगु समास)

5. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए। $1 \times 4 = 4$

1. उसने आने के लिए बोला था।

उत्तर : उसने आने के लिए कहा था।

2. हम तो तुम्हें मना कर दिया है।

उत्तर : हमने तुम्हें मना कर दिया है।

3. राजा और रानी आई हैं।

उत्तर : राजा और रानी आए हैं।

4. गीता ने गीत की चार लड़ियाँ गाईं।

उत्तर : गीता ने गीत की चार कड़ियाँ गाईं।

6. उचित मुहावरों द्वारा रिक्त स्थान को पूरा कीजिए।

$1 \times 4 = 4$

1. आज की दुनिया में बहुतेरे रंगे .... मिल जाएँगे।

उत्तर : सियार (रंगा सियार)।

2. वीर संतानों ने सिर पर .... बाँधकर ही देश की रक्षा की।

उत्तर : कफन (कफन बाँधना)।

3. इतना पढ़ा-लिखा होने पर भी रमन .... रहा है।

उत्तर : खाक छान (खाक छानना)।

4. कल्याण सिंह भाजपा में पुनः शामिल होंगे। यह फैसला बहुत दिन तक ....।

उत्तर : अधर में लटका रहा (अधर में लटकना या झूलना)।

खण्ड-ग 28

(पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक)

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 30-40 शब्दों में दीजिए। $2 \times 3 = 6$

1. बड़े भाई साहब छोटे भाई को क्या सलाह देते थे और क्यों?

उत्तर : बड़े भाई साहब छोटे भाई को यह सलाह देते थे कि पढ़ाई करने के लिए आँखें फोड़नी पड़ती हैं, खून जलाना पड़ता है, तब कहीं जाकर यह विद्या आती है। मन की इच्छाओं को दबाना पड़ता है, अत्यधिक परिश्रम करना पड़ता है। जो घमंड करते हैं, वे नीचे डूबते चले जाते हैं। वे अपने छोटे भाई को बारम्बार परिश्रम करने की सलाह देते थे क्योंकि वे चाहते थे कि उनका छोटा भाई पढ़-लिखकर नेक इन्सान बने।

2. महाकवि शेख अयाज की घटना के द्वारा लेखक क्या संदेश देना चाहता है?

उत्तर : शेख अयाज के पिता बहुत ही दयालु तथा जीव प्रेमी मनुष्य थे। एक चींटे के बेघर हो जाने मात्र से दुखी हो उठे और उस चींटे को उसके घर पहुँचाकर ही शांत हुए। इस घटना के माध्यम से लेखक जीव-प्रेम की भावना जाग्रत करने का संदेश देना चाहता है।

3. गांधी जी में कौनसी क्षमता विद्यमान थी?

उत्तर : गांधी जी में नेतृत्व की अद्भुत क्षमता थी। उन्होंने कभी आदर्शों को व्यवहार में लाने के नाम पर उसे गिराने की कोशिश नहीं की।

4. धर्मतल्ले के मोड़ पर आकर जुलूस क्यों टूट गया?

उत्तर :

सुभाष बाबू के नेतृत्व में जुलूस पूरे जोश के साथ आगे बढ़ रहा था। थोड़ा आगे बढ़ने पर पुलिस ने सुभाष बाबू को पकड़ लिया और गाड़ी में बिठाकर लाल बाजार के लॉकअप में भेज दिया। जुलूस में भाग लेने वाले आंदोलनकारियों पर पुलिस ने लाठियाँ बरसानी शुरू कर दी थीं। बहुत से लोग बुरी तरह घायल हो चुके थे। पुलिस की बर्बरता के कारण जुलूस बिखर गया था। मोड़ पर पचास साठ स्त्रियाँ धरना देकर बैठ गई थीं। पुलिस ने उन्हें पकड़कर लाल बाजार भेज दिया था।

8. गिन्नी का सोना, पाठ के माध्यम से लेखक किस तथ्य को उजागर करता है? 80-100 शब्दों में बताइये? 5

उत्तर : गिन्नी का सोना, पाठ का संदेश यह है कि आदर्श अव्यावहारिक नहीं होना चाहिए। व्यवहार में लाए बिना आदर्श

का कोई मूल्य नहीं होता परन्तु उसे व्यवहार में लाते समय हमें उसकी महिमा, गरिमा और मूल भावना से समझौता नहीं करना चाहिए। हमें आदर्शों को मजबूत तथा चमकदार बनाने के लिए थोड़ी मात्रा में व्यावहारिकता का ताँबा तो मिलाना चाहिए, परन्तु वह रहना चाहिए सोना ही। चर्चा सोने की ही होनी चाहिए, ताँबे की नहीं। इसे हम यों कह सकते हैं कि हमें ताँबे को सोने से मिलाने का प्रयत्न करना चाहिए। अपने व्यवहार को आदर्श बनाने का प्रयास करना चाहिए।

अथवा

आज जो बात थी वह निराली थी, किस बात से पता चल रहा था कि आज का दिन अपने आप में निराला है? 80-100 शब्दों में बताइये।

उत्तर : 26 जनवरी, 1931 का दिन एक महत्वपूर्ण दिन था। इस दिन 26 जनवरी, 1930 को मनाए गए प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की पुनरावृत्ति थी। सब कुछ निराले ढंग से हो रहा था। लोग अत्यधिक उत्साह से इस दिवस को मनाने के लिए उत्सुक थे। जिस रास्ते से मनुष्य जाते थे, उसी रास्ते पर नवीनता मालूम होती थी। सभी ने ऐसी सजावट पहले कभी नहीं देखी थी। चहुँ ओर स्वतंत्रता प्राप्ति की लहर दौड़ रही थी। शहर के बड़े क्षेत्रों से लेकर छोटे क्षेत्रों तक सब जगह झंडे लहरा रहे थे। स्त्री और पुरूष जुलूस निकाल रहे थे। मोनूमेंट के नीचे जहाँ शाम को सभा होने वाली थी, उस जगह तीन बजे से ही भीड़ जमा होनी शुरू हो गई थी। लोग टोलियाँ बनाकर घूम रहे थे। आज जो बात थी वह निराली थी।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 30-40 शब्दों में लिखिए। $2 \times 3 = 6$

1. विरासत में मिली चीजों की बड़ी संभाल क्यों होती है? **तोप** कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : विरासत में मिली चीजों की बड़ी संभाल होती है, क्योंकि वे वस्तुएँ पुरखों से मिली अमूल्य धरोहर होती हैं। उनका ऐ-तिहासिक महत्व होता है और वे वस्तुएँ हमसे भावनात्मक रूप से जुड़ी होती हैं। इसलिए इनकी बड़ी संभाल होती है ताकि भविष्य में इन्हें सुरक्षित रखा जा सके और आगे आने वाली पीढ़ी को सौंपा जा सके। ये वस्तुएँ हमें तत्कालीन परिस्थिति की जानकारी देने के साथ साथ भविष्य के लिए दिशा-निर्देश भी देती हैं।

2. बिहारी कवि ने **सभी की उपस्थिति में भी कैसे बात की जा सकती है,** इसका वर्णन किस प्रकार किया है?

उत्तर : बिहारी ने बताया है कि सभी की उपस्थिति में भी मन की बात आँखों के इशारे से की जा सकती है। नायक ने सब सदस्यों के बीच में नायिका को आँखों से इशारा किया कि चलें, प्रेम करें। नायिका ने इशारे से मना किया। नायक उसकी मना करने की अदा पर रीझ गया। नायिका नायक की रीझ देखकर खीज उठी। इसके बाद दोनों के नेत्र मिले। दोनों की आँखों में प्रेम की स्वीकृति का भाव था। स्वीकृति पाकर नायक प्रसन्न हो उठा। नायिका की आँखों में लज्जा आ गई। इस प्रकार इतनी लम्बी बातचीत आँखों ही आँखों में हो गई।

3. **पर्वत प्रदेश में पावस,** के आधार पर लिखें कि प्रकृति पल-पल अपना रूप किस प्रकार बदल रही है?

उत्तर : पर्वत प्रदेश वर्षा ऋतु का समय है इसलिए बादलों की उमड़ घुमड़ से प्रकृति प्रतिक्षण, पल-पल अपना रूप परिवर्तित कर रही है। कभी बादल घिर आने से अँधेरा हो जाता है, कभी बादलों के हटने से प्रदेश चमकने लगता है। कभी घनघोर वर्षा होने लगती है।

4. **मनुष्यता** कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहता है?

उत्तर :

मानव जीवन एक विशिष्ट जीवन है क्योंकि मनुष्य के मन में प्रेम, त्याग, बलिदान, परोपकार का भाव होता है। अपने से पहले दूसरों की चिंता करते हुए अपनी शक्ति, अपनी बुद्धि और अपनी वैचारिक शक्ति का सदुपयोग करना मानव का कर्तव्य है। प्रस्तुत कविता के माध्यम से कवि मानवीय एकता, सहानुभूति, सद्भाव, उदारता और करुणा का संदेश देना चाहता है। वह चाहता है कि मनुष्य समस्त संसार में अपनत्व की अनुभूति करे। वह दीन-दुखियों, जरूरतमंदों के लिए बड़े से बड़ा त्याग करने के लिए तैयार रहे। वह पौराणिक कथाओं के माध्यम से विभिन्न महापुरुषों जैसे दधीचि, कर्ण, रंतिदेव के अतुलनीय त्याग से प्रेरणा ले। ऐसे सत्कर्म करें जिससे मृत्यु उपरांत भी लोग उसे याद करें। उसका यश रूपी शरीर सदैव जीवित रहे। निःस्वार्थ भाव से जीवन जीना, दूसरों के काम आना व स्वयं ऊँचा उठने के साथ-साथ दूसरों को भी ऊँचा उठाना ही मनुष्यता का वास्तविक अर्थ है।

10. साखियों के माध्यम से स्पष्ट कीजिए की कबीरदास जी समाज को सुधारने का महान कार्य करना चाहते हैं। 80-100 शब्दों में लिखिए। **5**

उत्तर : कबीर की साखियों में समाज सुधार का महान संकल्प दिखाई देता है। सर्वप्रथम वे मधुर वाणी के महत्व पर जोर देते हैं क्योंकि मीठी बोली जहाँ अपने शरीर को शीतलता प्रदान करती हैं, वहीं दूसरों को भी सुख प्रदान करती हैं। इसी तरह वे केवल खाने-सोने में जिंदगी बिताने वालों पर आक्षेप करते हैं। एक अन्य साखी में निंदा करने वाले व्यक्ति को अपने पास रखने का सुझाव देते हैं ताकि हमारा स्वभाव निर्मल बन सके। अंतिम साखी में कबीर कहते हैं कि पहले हमने अपना घर जलाया यानी अपने घर की बुराईयाँ नष्ट कीं, अब वे अपने साथियों की बुराईयाँ दूर करके ज्ञान का प्रकाश फैलाना चाहते हैं। वे जनसमुदाय को जीने का सही मार्ग दिखाकर उनके जीवन को उन्नत बनाना चाहते हैं।

अथवा

कर चले हम फिदा कविता का प्रतिपाद्य (80-100 शब्दों में) अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर : **कर चले हम फिदा,** सन् 1962 में भारत-चीन युद्ध की पृष्ठभूमि में लिखी गई कविता है। इस युद्ध में सीमा पर तैनात भारतीय सैनिकों ने असीम वीरता का परिचय दिया। कविता में उनके अद्‌भुत शौर्य और साहस का वर्णन किया है। यही जोश और जज्बा प्रत्येक भारतीय के मन में होना चाहिए, कविता में इस बात को प्रमुखता से उभारा गया है। देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत इस कविता में भारतवासियों को उनकी प्राचीन गौरवशाली संस्कृति का स्मरण कराया गया है। हिमालय, राम, सीता, लक्ष्मण आदि प्रतीकों के माध्यम से कवि ने देश के सम्मान की रक्षा के लिए हर समय सजग रहने, आवश्यकता पड़ने पर देश के लिए खुशी-खुशी अपनी जान देने की बात कही है। हमारे सैनिक जो कुर्बानियाँ दे गए, उन्हें स्मरण में रखते हुए हमें भी देश के लिए कुछ करने का संकल्प जगाना इस कविता का एक प्रमुख उद्देश्य है।

11.

1. पूरे घर में इफ्फन को अपनी दादी से ही विशेष स्नेह क्यों था? 60-70 शब्दों में लिखिए। 3

उत्तर : इफ्फन को स्नेह तो अपने अब्बू, अपनी अम्मी, अपनी बाजी और छोटी बहन नुजहत से भी था, परन्तु दादी से वह जरा ज्यादा प्यार किया करता था। अम्मी तथा बाजी कभी-कभार डाँट-मार दिया करती थी। अब्बू भी कभी कभार घर को कचहरी समझकर फैसला सुनाने लगते थे। बस एक दादी ही थीं जिन्होंने कभी उसका दिल नहीं दुखाया। वह रात को भी उसे बहराम डाकू, अनार परी, बारह बुर्ज, अमीर हम्जा, गुल बकावली, हातिमताई और पंचफुल्ला रानी की कहानियाँ सुनाया करती थीं। इसलिए इफ्फन की दादी उसे बहुत अच्छी लगती थीं।

2. पीटी मास्टर प्रीतमचंद से बच्चे नफरत करते थे जबकि शर्मा जी या मास्टर नौहरिया से खुश होकर फारसी क्यों पढ़ते थे? 60-70 शब्दों में लिखिए। 3

उत्तर : बच्चों की कोमल प्रवृत्ति उन्हीं अध्यापकों को पसंद करती है जो उन्हें प्यार से पढ़ाएँ व समझाएँ, जो नरमदिल व उदार हों, बच्चों का मार्गदर्शन कर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करें। लेखक द्वारा पी.टी. प्रीतमचंद से फारसी पढ़ने से डरना तथा हेडमास्टर शर्मा जी तथा मास्टर नौहरिया से पढ़कर खुश होना इसी मनःस्थिति को प्रकट करता है। वर्तमान शिक्षा प्रणाली ऐसी ही है जो छात्रों की हितपूर्ति करने में पूर्णतः सक्षम है।

खण्ड-घ (लेखन) 26

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। 6

1. **शिक्षा का उद्देश्य।**

✲ ज्ञान ✲ सर्वांगीण विकास ✲ देश के प्रति प्रेम ✲ कर्तव्य बोध।

2. **वर्षा का एक दिन।**

✲ गर्मी की तपन ✲ बादलों का आगमन ✲ सुहावना मौसम ✲ आनंदित मन।

3. **नन्हें कंधों पर बढ़ता बस्ते का बोझ।**

✲ शिक्षा का स्वरूप ✲ गृह कार्य और कक्षा कार्य ✲ माता पिता का योगदान ✲ समाधान।

उत्तर :

1. शिक्षा का उद्देश्य

शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य ज्ञानार्जन करना है। शिक्षा के नैतिक उद्देश्य चरित्र निर्माण द्वारा छात्र कुशल और देशभक्त नागरिक बनता है। इस प्रकार शारीरिक, मानसिक, चारित्रिक तथा नैतिक दृष्टि से शिक्षा बालक का सर्वांगीण विकास करने में सक्षम होती है। कोई भी शिक्षा मात्र ज्ञान प्रदान करने से ही पूरी नहीं होती। ऐसा होने पर मनुष्य मात्र कम्प्यूटर बनकर रह जाएगा। संस्कृति और संस्कार प्रदान करने वाली एवं वातावरण से समायोजित करके उद्देश्यपूर्ण शिक्षा ही वास्तविक शिक्षा है। सभ्यता के विकास के साथ साथ साक्षरता का भी विकास होता जा रहा है परन्तु आज के समय में हम देख रहे हैं कि समाज-सेवा से एवं देशभक्ति की भावना से युक्त शिक्षा विलुप्त हो रही है। आज सेवा के मूल्यों से विहीन शिक्षा धन-लोलुपता को बढ़ावा दे रही हैं अतः आज सरकार और समाज का यह कर्तव्य है कि वे शिक्षा के प्रमुख उद्देश्यों को ध्यान में रखें।

2. वर्षा का एक दिन

सूखी धरती, प्यासे होंठ, बिलबिलाते पक्षी और सूखे नदी-तालाब यह किसी कविता की पंक्ति नहीं है, बल्कि यथार्थ जीवन की वह सच्चाई है जिसमें हम प्रतिवर्ष जूझ रहे हैं। इस बार की ग्रीष्म ऋतु का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। बादलों को देखने के लिए आँखें तरस रहीं थीं। तब कहीं एक दिन लम्बे इंतजार के पश्चात् इंद्र देवता की कृपा से आज आकाश में बादल उमड़ने-घुमड़ने लगे हैं, काली घनघोर घटाएँ छा गई हैं। सूर्य देवता भी बादलों की सेना को देखकर डरकर दुबक गए हैं। काले बादलों का घुमड़ना शुरू हो गया है। बार बार बिजली कड़क रही है। मोरों की पैको-पैको की आवाज से वातावरण गूँज उठा है और फिर मूसलाधार वर्षा के आगमन से तप्त हृदयों का मन-मयूर नृत्य करने लगा है। स्त्री पुरुष, बच्चे बूढ़े, पशु पक्षी अर्थात् पृथ्वी के सभी प्राणी प्रसन्न हो उठे हैं। पेड़ पौधों को जीवनदान मिल गया है और फसल इठलाती हुई लहराने लगी है। सूखे हुए नदी-तालाबों और कुओं में पानी भरने लगा है। पक्षियों के कलरव वातावरण को अपने संगीत से मधुर बनाए दे रहे हैं। छोटे बच्चे वर्षा के जल में खेलते हैं और कागज की नावें तैरा रहे हैं। मिट्टी की महक हवा में बहने लगी है। आनंद और उल्लास के वातावरण में ऐसा प्रतीत होता है मानो कोई त्योंहार हो।

3. नन्हें कंधों पर बढ़ता बस्ते का बोझ

आज का विद्यार्थी कल का भावी नेता है। यह कहना बहुत आसान है किन्तु विद्यार्थी का प्रारंभिक जीवन किस प्रकार बीतता

है– उस पर अगर अनुसंधान करें तो अधिकांश बच्चों के लिए उनके स्कूली जीवन के शुरूआती दिन विभीषिकामय होते हैं। बच्चा मुश्किल से तीन साल का हो नहीं पाता कि उसे किसी अच्छे स्कूल या तथाकथित इंटरनेशनल या ग्लोबल स्कूल में भेजने की कवायद शुरू हो जाती है। इंटरव्यू के लिए तरह तरह की तैयारियां करवाई जाती हैं। बेचारा बच्चा सहमता–सहमता इन सबको किसी प्रकार झेलता हुआ अगर किसी अच्छे स्कूल में भरती हो भी गया तब भी उसकी मुक्ति नहीं। एक मुश्किल से उबरने के बाद अन्य मुश्किलों का सिलसिला शुरू हो जाता है। मसलन कक्षा–कार्य, गृहकार्य, प्रोजेक्ट वगैरह–वगैरह। भाषा, विज्ञान, गणित से लेकर समाज–शास्त्र, पर्यावरण–शिक्षा, कम्प्यूटर शिक्षा और न जाने किन किन विषयों की पुस्तकों और कॉपियों से उसका बस्ता भरा रहता है। इस बोझ का सीधा रिश्ता हमारी शिक्षा व्यवस्था से है। बेचारे के नन्हें कंधों पर बढ़ता बस्ते का बोझ उसे शिक्षा के प्रति उदासीन और विमुख बनाने की कोशिश करता है। इसी बोझ तले उसका शरीर और मन दबा होता है। माता पिता का सहृदय व्यवहार और सहयोग उसके कुंठित मन में आशा जगा सकते हैं। आज आवश्यकता है शिक्षा व्यवस्था में परिवर्तन की, ताकि बस्ते का बोझ कम हो और उसे व्यावहारिक शिक्षा दी जा सके। अब कम्प्यूटर आधारित शिक्षा–प्रणाली की बातें हो रही हैं। ऐसा होने से शायद लैपटॉप के जरिये बस्ते का बोझ कम हो सके।

13. पीतमपुरा, दिल्ली डाकघर से ट्रांस कॉलोनी, कानपुर को भेजा गया मनीऑर्डर अपने गंतव्य तक नहीं पहुँचा। इसकी शिकायत करते हुए प्रेषक की ओर से डाकपाल को एक पत्र 80–100 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर :

सेवा में,
डाकपाल महोदय,
मुख्य डाकघर,
दिल्ली–110034

विषय : मनीऑर्डर न पहुँचने की शिकायत।

महोदय,

निवेदन है कि मैंने आपके डाकघर से दिनांक 24.04.2018 को अपनी पुत्री के लिए ट्रांस कॉलोनी, कानपुर को 1000/– रुपये का मनीऑर्डर करवाया था। आज एक माह से अधिक हो गया, पर मनीऑर्डर अपने गंतव्य तक नहीं पहुँचा है। इस कारण भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। मनीऑर्डर का विवरण इस प्रकार है–

मनीऑर्डर रसीद संख्या– जी 23977522
पाने वाले का नाम– रमन
पता : 75–बी,
ट्रांस कॉलोनी,
कानपुर।
प्रेषक का नाम एवं पता : कमलेश, पीतमपुरा, दिल्ली।

आपसे विनम्र निवेदन है कि उक्त मनीऑर्डर का पता लगाकर उसे शीघ्र गंतव्य स्थल तक पहुँचाया जाए और मुझे सूचित किया जाए।

सधन्यवाद
भवदीय
कमलेश
दिनांक : 04 मार्च, 2018

अथवा

किसी प्रख्यात समाचारपत्र के संपादक के नाम एक पत्र 80–100 शब्दों में लिखकर रेल आरक्षण व्यवस्था में हुए सुधार की प्रशंसा कीजिए।

उत्तर :

सेवा में,
संपादक महोदय,
नवभारत टाइम्स,
बहादुरशाह जफर रोड,
नई दिल्ली–110002
दिनांक : 25.03.2018

विषय : रेल आरक्षण व्यवस्था में प्रशंसनीय सुधार।

महोदय,

निवेदन है कि मैं आपके समाचारपत्र के माध्यम से रेल आरक्षण व्यवस्था में हुए सुधार के लिए रेल विभाग की प्रशंसा करना चाहता हूँ। आशा है कि आप इसे पाठकों के **प्रशस्ति** नामक स्तंभ में प्रकाशित कर अनुगृहीत करेंगे। पहले हमारे शहर के रेलवे स्टेशन पर आरक्षण कक्ष में आरक्षण संबंधी बहुत अव्यवस्था रहती थी। आरक्षण कक्ष में दो ही कम्प्यूटर थे जिसके कारण आरक्षण करवाने वालों की भीड़ लगी रहती थी। बिजली भी बीच में जाती रहती थी, जिसके चलते कम्प्यूटर काम करना बंद कर देते थे। आरक्षण करने वाले बाबू लोग भी मन से काम नहीं करते थे किन्तु अब ऐसा नहीं है। अब व्यवस्था बहुत अच्छी हो गई है। आरक्षण–कक्ष वातानुकूलित हो गया है। कम्प्यूटर भी दो की जगह छह हो गए हैं। अब बिजली की समस्या भी खत्म हो गई है क्योंकि अब जेनरेटर की वैकल्पिक व्यवस्था हो गई है। आरक्षण करने वाले बाबू भी सक्रिय, युवा व मृदुभाषी हैं। अब आरक्षण का काम इतनी तेजी से होता है कि पंक्ति बनाने की आवश्यकता ही नहीं पड़ती। मैं अपने शहरवासियों की तरफ से इतनी अच्छी व्यवस्था के लिए रेल विभाग की बार–बार प्रशंसा करता हूँ तथा धन्यवाद देता हूँ।

भवदीय
दिनेश
आर्य नगर।

14. बाढ़ पीड़ितों को सहायता देने के लिए प्रधानाचार्य की ओर से सूचना पट पर सूचना 40–50 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर :

डी.एन.सी. पब्लिक स्कूल, भरतपुर, (राजस्थान)

सूचना

पत्रांक : vi/09/18

दिनांक : 10 अगस्त, 2018

विषय : बाढ़ पीड़ितों की सहायतार्थ सहयोग।

पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार में आई बाढ़ से पीड़ितों के पुनर्वास हेतु विद्यालय राहत सामग्री और सहयोग राशि भेज रहा है। इच्छुक शिक्षक, शिक्षणेतर कर्मचारी एवं छात्र दिनांक 14.08.2018 सायं। 4:00 बजे तक उपप्रधानाचार्या डॉ. सीमा सिंह को सहयोग सामग्री एवं धनराशि सौंप कर रसीद प्राप्त कर लें।

हस्ताक्षर

केसर शर्मा

प्रधानाचार्य

अथवा

डॉन बॉस्को स्कूल, गुवाहाटी में इको क्लब के सदस्यों की सभा के आयोजन की जानकारी के लिए क्लब के अध्यक्ष की ओर से सूचना-पत्र 40-50 शब्दों में तैयार कीजिए।

उत्तर :

डॉन बॉस्को स्कूल, गुवाहाटी

सूचना

इको क्लब के सभी सदस्यों को यह सूचित किया जाता है कि नवम्बर 2018 को प्रातः 10:00 बजे विद्यालय सभागार में सभा का आयोजन किया जाएगा। सभा में सभी सदस्यों की उपस्थिति अनिवार्य है।

हस्ताक्षर

रमेश

अध्यक्ष

15. परीक्षा की तैयारी को लेकर विनीत और प्रीति के बीच वार्तालाप 50-60 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर :

प्रीति : हैलो विनीत! कैसे हो?

विनीत : हैलो प्रीति! मैं ठीक हूँ। तुम बताओ, परीक्षा की तैयारी कैसी चल रही है?

प्रीति : मैंने सामान्य ज्ञान, अंग्रेजी और हिंदी की तैयारी तो कर ली है लेकिन गणित, संस्कृत आदि विषयों की तैयारी करनी बाकी है। तुम्हारी तैयारी कैसी है, विनीत?

विनीत : मैंने गणित, अंग्रेजी, सामान्य-ज्ञान और हिंदी की तैयारी कर ली हैं। मेरी संस्कृत की तैयारी अभी नहीं हुई है।

प्रीति : बहुत अच्छा, अब हमें छूटे हुए विषयों की तैयारी भी कर लेनी चाहिए। परीक्षा बहुत निकट है।

अथवा

गीता और नेहा, दो सखियों में विद्यालय की ओर से दो दिन की आगरा यात्रा पर जाने के लिए की जा रही तैयारियों के बारे में बातचीत की कल्पना कीजिए व लगभग 50-60 शब्दों में वार्तालाप लिखिए।

उत्तर :

गीता : नेहा! तैयारी कैसी चल रही है? तुमने कपड़े तैयार कर लिए क्या?

नेहा : हाँ! मेरा सामान और मैं दोनों तैयार हैं। अब तो बस जाने का इंतजार है।

गीता : कितनी रोमांचक होगी न हम सभी की एक साथ यात्रा!

नेहा : हाँ! दुनिया के सात अजूबों में से एक को देखने के लिए मैं वर्षों से इस पल का इंतजार कर रही थी। आज जैसे मेरी इच्छा पूरी हो गई।

गीता : हाँ सचमुच! मेरी भी। अच्छा, अब मैं जल्दी से अपनी तैयारी पूरी करती हूँ, फिर थोड़ी देर में यात्रा के लिए निकलना भी है।

16. लड़कियों की घटती संख्या के बारे में जन जागरूकता लाने के उद्देश्य से एक आकर्षक विज्ञापन 25-50 शब्दों में प्रस्तुत कीजिए।

उत्तर :

आज देश की यही पुकार,
नारी रक्षा की है दरकार।

बिटिया जब तक-
दुनिया तब तक

कन्याभ्रूण-हत्या घोर पाप है!
जघन्य अपराध है!!

अथवा

शैंपू बनाने वाली कंपनी के मालिक ने विज्ञापन बनाने को दिया है। आकर्षक विज्ञापन 25-50 शब्दों में तैयार कीजिए।

उत्तर :

घने और सिल्की
बालों का राज!

रेविन शैंपू

सिर्फ 110 रूपये

दो बोतल के साथ एक फ्री

बाल ऐसे की हर कोई दिवाना हो जाऐ!

Download unsolved Version of this solved paper from www.cbse.online

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 3 (2019-20)

हिन्दी - ब (कोड-85)

कक्षा- 10

निर्धारित समय- 3 घंटे **अधिकतम अंक - 80**

सामान्य निर्देशः-

1. इस प्रश्न-पत्र में चार खंड हैं- क, ख, ग और घ।
2. सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।

खण्ड-क (अपठित अंश) 10

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 10

यह घटना उस समय की है जब गांधी जी दक्षिण अफ्रीका में थे। वहाँ उन्होंने हुकूमत की ज्यादती के खिलाफ आन्दोलन छेड़ रखा था। उनके आन्दोलन में अनेक भारतीय तन-मन-धन से शामिल थे। उन्हें लगातार प्रशासन के दमन का शिकार होना पड़ रहा था। पर वे डटे हुए थे। गांधी जी ने उसी समय सत्याग्रह और अहिंसा को अपना हथियार बना लिया था। दक्षिण अफ्रीका का तानाशाह जनरल स्मट्स उन्हें बार-बार जेल भेजकर लगातार उनका मनोबल तोड़ने की कोशिश में लगा हुआ था। ऐसा करके वह उनकी अहिंसावादी प्रवृत्ति को परखना भी चाहता था पर गांधी जी अनेक अत्याचार सहकर भी अहिंसा के मार्ग पर पूरी ताकत के साथ चल रहे थे। जेल में वह अपने साथ रह रहे कैदियों के साथ अत्यंत स्नेहपूर्ण व्यवहार करते थे। एक कैदी बहुत अच्छे जूते बनाना जानता था। गांधी जी ने जब उसकी इस कला को देखा तो उन्होंने उसका उत्साह बढ़ाया और उसकी कला की प्रशंसा की। कैदी अपनी प्रशंसा सुनकर बेहद खुश हो गया। इसके बाद गांधी जी ने स्वयं भी उससे जूते गाँठने की कला सीखने की इच्छा जाहिर की। कैदी खुशी-खुशी गांधी जी को जूते गाँठने की कला सिखाने लगा। जब गांधी जेल से रिहा होने लगे तो उन्होंने जनरल स्मट्स को एक पैकेट भेंट किया। पैकेट देखकर जनरल ने पूछा, गांधी जी क्या इसमें कोई बम है? जनरल की बात सुनकर गांधी जी विनम्रता से बोले- महोदय, यह मेरी तरफ से आपको मेरी विदाई का उपहार है। जनरल ने पैकेट खोलकर देखा तो वह हैरान रह गया। पैकेट के अंदर बहुत-ही खूबसूरत, हाथ से बने हुए सैंडल का एक जोड़ा था। इस अनोखे उपहार को देखकर एक पल के लिए जनरल द्रवित हो गया। वर्षों बाद गांधी जी के जन्मदिन पर जनरल ने उन्हें एक पत्र लिखा, आपके द्वारा बनाए हुए उन सैंडलों को मैंने गर्मियों में पहना हालाँकि अब मैं महसूस करता हूँ कि मैं उन्हें पहनने का सही हकदार नहीं हूँ। मैं आपकी विनम्रता और अहिंसा की प्रवृत्ति को नमन करता हूँ।

1. गांधी जी ने कहाँ के शासकों की क्रूरता के विरूद्ध आन्दोलन छेड़ा और क्यों? 2

   उत्तर : गांधी जी ने दक्षिण अफ्रीका के शासकों की क्रूरता के विरूद्ध आन्दोलन छेड़ा था क्योंकि वहाँ पर रह रहे भारतीयों के साथ बहुत ही बुरा व्यवहार किया जाता था। उनके साथ तरह-तरह के भेदभाव किए जाते थे।

2. दक्षिण अफ्रीका का तानाशाह जनरल स्मट्स उन्हें बार-बार कहाँ और क्यों भेजना चाहता था? 2

   उत्तर : दक्षिण अफ्रीका का तानाशाह जनरल स्मट्स उन्हें बार-बार जेल भेजता था क्योंकि वह उनका मनोबल तोड़ने की कोशिश में लगा हुआ था। ऐसा करके वह उनकी अहिंसावादी प्रवृत्ति को भी परखना चाहता था।

3. जैल में कैदियों के साथ गांधीजी का व्यवहार कैसा था और एक कैदी के साथ उन्होंने क्या किया? 2

   उत्तर : जेल में कैदियों के साथ उनका व्यवहार अत्यंत स्नेहपूर्ण था। एक कैदी जिसे अच्छा जूता बनाना आता था, गांधी जी ने उसकी इस कला को देखा तो उसका उत्साह बढ़ाया और उसकी कला की प्रशंसा की।

4. गांधी जी के उपहार को देखकर कौन द्रवित हो गया और उसने गांधी जी को क्या लिखा? 2

   उत्तर : गांधी जी के उपहार को देखकर जनरल द्रवित हो गया। उसने गांधी जी को लिखा, आपके द्वारा बनाए हुए उन सैंडल को मैंने गर्मियों में पहना हालाँकि अब मैं महसूस करता हूँ कि मैं उन्हें पहनने का सही हकदार नहीं हूँ। आपकी विनम्रता और अहिंसा की प्रवृत्ति को नमन करता हूँ।

5. गाँधीजी ने कैदी से कौनसी कला सीखने की इच्छा जाहिर

की? 1

उत्तर : जूते गाँठने की कला।

6. गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। 1

उत्तर : गांधी जी की विनम्रता

खण्ड–ख (व्यावहारिक व्याकरण) 16

2. शब्द किसे कहते हैं? 1

उत्तर : वर्णों के मेल से बना स्वतंत्र सार्थक ध्वनि **समूह** शब्द कहलाता है।

3. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए। $1 \times 3 = 3$

1. गौरव ने अक्षय से नेपाल चलने के लिए कहा। (मिश्र वाक्य में)
   उत्तर : गौरव ने अक्षय से कहा कि वह भी नेपाल चले।
2. अध्यापक ने समझाया और सब बच्चे तैयार हो गये। (सरल वाक्य में)
   उत्तर : अध्यापक के समझाने पर सब बच्चे तैयार हो गए।
3. घंटी बजने पर सभी छात्र कक्षा में आए। (संयुक्त वाक्य में)
   उत्तर : घंटी बजी और सभी छात्र कक्षा में आए।

4.

1. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए– $1 \times 2 = 2$
   चंद्रशेखर, भाई–बहन
   उत्तर : चंद्रशेखर– चन्द्र है शिखर पर जिसके (शिव) (बहुब्रीहि समास)
   भाई–बहन–भाई और बहन (द्वंद्व समास)
2. निम्नलिखित विग्रहों के समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए। $1 \times 2 = 2$
   लम्बा है उदर जिसका (गणेश जी), कमल के समान नयन
   उत्तर : लम्बा है उदर जिसका– लम्बोदर (बहुब्रीहि समास)
   कमल के समान नयन– कमलनयन (कर्मधारय समास)

5. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए। $1 \times 4 = 4$

1. मेरे को आज यहीं रहना है।
   उत्तर : मुझे आज यहीं रहना है।
2. मैं मेरे घर जात है।
   उत्तर : मैं अपने घर जाता हूँ।
3. एक सुरीले गीतों की पुस्तक चाहिए।
   उत्तर : सुरीले गीतों की एक पुस्तक चाहिए।
4. गुरू जी से हिंदी पढ़ाई है।
   उत्तर : गुरू जी ने हिंदी पढ़ाई है।

6. उचित मुहावरों द्वारा रिक्त स्थान को पूरा कीजिए। $1 \times 4 = 4$

1. प्रधानाचार्य को देखकर बच्चे चंपत ....।
   उत्तर : हो गए (चंपत होना)।
2. महेश की शैतानी देखकर उसके पिता का खून ....।
   उत्तर : खौलने लगा (खून खौलना)।
3. पुत्री के विदेश से लौटने की खबर सुनकर माँ का चेहरा खिल ....।
   उत्तर : उठा (खिल उठना)।
4. राकेश अपने माँ–बाप के लिए अंधे की .... समान है।
   उत्तर : लकड़ी के (अंधे की लकड़ी)।

खण्ड–ग 28

(पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक)

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 30–40 शब्दों में लिखिए। $2 \times 3 = 6$

1. तताँरा को क्रोध क्यों आया और उसने क्रोध में क्या किया?
   उत्तर : तताँरा और वामीरों को आमने–सामने देखकर वामीर–ो की माँ क्रोधित हो उठी। उसने तताँरा को सबके सामने अपमानित किया। इसी बात पर तताँरा को भी क्रोध आ गया और उसने अपनी तलवार निकाली और उसे धरती में घोंप दिया। फिर उसे पूरी ताकत के साथी खींचते हुए दूर तक ले गया जिसके फलस्वरूप धरती के दो टुकड़े हो गए।
2. लेखक ने झेन परम्परा के अनुसार चाय पीने के बाद स्वयं में क्या परिवर्तन महसूस किया?
   उत्तर : चाय पीने के बाद लेखक ने अनुभव किया कि उसके दिमाग की गति मंद पड़ती जा रही है। थोड़ी देर में बिल्कुल बंद भी हो गई। उसे लगा, मानो वह अनंतकाल में जी रहा है। यहाँ तक कि उसे सन्नाटा भी सुनाई देने लगा। चाय पीते समय लेखक के दिमाग में भूत और भविष्य दोनों उड़ गए। केवल वर्तमान क्षण उसके सामने था और वह अनंत काल जितना विस्तृत था।
3. पुलिस ने सभा होने के स्थान पर सर्वप्रथम क्या कार्य किया था?
   उत्तर : पुलिस ने सबसे पहले भोर होते ही छः बजे उस जगह को घेर लिया था जहाँ मोनुमेंट के नीचे शाम को सभा होने वाली थी।
4. **तीसरी कसम** फिल्म को **सैल्यूलाइड पर लिखी कविता** क्यों कहा गया है?
   उत्तर : सैल्यूलाइड का अर्थ है– फिल्म को कैमरे की रील में उतारकर चित्र प्रस्तुत करना। **तीसरी कसम** फिल्म को सैल्यूलाइड पर लिखी कविता इसलिए कहा गया है क्योंकि यह फिल्म कविता के समान कोमल भावनाओं से पूर्ण एक सार्थक फिल्म है। इस फिल्म की मार्मिकता कविता के समान है। इस फिल्म को देखकर कविता जैसी अनुभूति होती है।

8. समुद्र के गुस्से की क्या वजह थी? उसने अपना गुस्सा कैसे निकाला? 80–100 शब्दों में बताइये। 5

उत्तर : समुद्र के गुस्से की वजह यह थी कि उसकी सहनशक्ति को ललकारा गया था। कई सालों से बड़े–बड़े बिल्डर समुद्र

को पीछे धकेलकर उसकी जमीन हथिया रहे थे। बेचारा समुद्र लगातार सिमटता चला जा रहा था। पहले तो उसने अपनी फैली हुई टांगों को समेटा, फिर उकड़ूँ बैठा, फिर खड़ा हो गया। फिर भी जगह कम पड़ी तो उसे गुस्सा आ गया। समुद्र को जब गुस्सा आया तो उसे रोकना कठिन हो गया। गुस्से में आकर उसने अपनी लहरों पर दौड़ते तीन जहाजों को उठाकर तीन दिशाओं में फेंक दिया। एक वर्ली के समुद्र किनारे पर जा गिरा, दूसरा बांद्रा में कार्टर रोड के सामने औंधे मुँह गिरा और तीसरा गेटवे ऑफ इंडिया पर टूट-फूटकर सैलानियों का नजारा बना।

अथवा

प्रायश्चित करने के लिए लेखक की माँ ने क्या और क्यों किया? 80-100 शब्दों में बताइये।

उत्तर : लेखक के ग्वालियर वाले घर में कबूतर के एक जोड़े ने अपना घोंसला बनाया था। एक बार बिल्ली ने उनके दोनों अंडों में से एक अंडा तोड़ दिया। लेखक की माँ ने देखा तो वह बहुत दुखी हुईं। उन्होंने स्टूल पर चढ़कर अंडे को बचाने की बहुत कोशिश की। इस कोशिश में दूसरा अण्डा भी उनके हाथ से गिरकर टूट गया। कबूतर परेशानी में इधर-उधर फड़फड़ा रहे थे। उनकी आँखों में दुख देखकर लेखक की माँ की आँखों में आँसू आ गए। उसी गुनाह की माफी के लिए उन्होंने उस दिन का रोजा रखा और दिन भर कुछ खाया-पिया नहीं।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 30-40 शब्दों में लिखिए। $2 \times 3 = 6$

1. बिहारी ने किन बाहरी आडम्बरों का खण्डन किया है और क्यों? दोहों के आधार पर लिखिए।

उत्तर : कवि के अनुसार ईश्वर प्राप्ति के लिए किए जाने वाले विभिन्न क्रियाकलाप; यथा माला जपना, ईश्वर का नाम शरीर पर अंकित करना और मस्तक पर तिलक धारण करना, सब व्यर्थ है। इन बाह्य आडम्बरों को करने से कोई भी कार्य सिद्ध नहीं होगा। जब तक हृदय में प्रभु का वास नहीं हो जाता और मन सच्चा नहीं हो जाता। इस प्रकार कवि ने बाह्य आडम्बरों का खण्डन करते हुए सच्ची भक्ति को प्रधानता दी है।

2. मीरा ने अपने पदों में प्रभु के प्रति अपनी भावनाएँ कैसे व्यक्त की हैं?

उत्तर : अपने पदों में मीराबाई ने अपने आराध्य देव कृष्ण के प्रति अनन्य भक्ति-भाव को प्रकट किया है। उनके गिरधर गोपाल अपने भक्तों पर हमेशा दया का भाव रखते हैं। कवयित्री उनके गुणों से इतनी प्रभावित हैं कि उनकी दासी बनकर रहने में ही अपना परम सौभाग्य समझती हैं। श्रीकृष्ण के रूप-माधुर्य का वर्णन करते हुए वे मुग्ध हो उठती हैं। उन्होंने अपने पदों में कृष्ण से मिलने के लिए अधीरता व्यक्त की है।

3. (पोथी पढ़ि-पढ़ि जग मुआ,) इस पंक्ति में कवि ने किस पर व्यंग्य किया है?

उत्तर : (पोथी पढ़ि-पढ़ि जग मुआ,)- इस पंक्ति के माध्यम से कबीरदास जी ने उन लोगों पर व्यंग्य किया है जो शास्त्रों का ज्ञान तो बहुत रखते हैं परन्तु उनका मन पवित्र नहीं है, वे अपने धर्म-ज्ञान के अहंकार में ही फूले हुए हैं।

4. कवि ने कैसी मृत्यु को सुमृत्यु कहा है?

उत्तर : कवि के अनुसार संसार नश्वर है जिस मनुष्य ने इस संसार में जन्म लिया है, उसकी मृत्यु अवश्यंभावी है। इस संसार में उस मनुष्य की मृत्यु सुमृत्यु कही जाती है जिसके मरने के बाद लोग उसके सत्कार्यों के लिए उसे याद करें, उसके लिए आँसू बहाएँ, जो दूसरे लोगों की यादों में बसा रहे, जो परोपकार के कारण सम्मानीय हो, जो दूसरों के लिए प्रे-रणास्रोत हो, ऐसी यशस्वी मृत्यु को ही कवि ने सुमृत्यु कहा है।

10. जीवन में विजय पाने का कवि ने कौन-सा मार्ग सुझाया है? आत्मत्राण कविता के आधार पर 80-100 शब्दों में बताइए। 5

उत्तर : कवि चाहता है कि जीवन में विजय पाने के लिए सबसे पहले दुख पर विजय पाना चाहिए। अपना आत्मविश्वास बनाए रखना चाहिए। इसका प्रयत्न करना चाहिए जिससे मन की शक्ति तथा पुरूषार्थ बना रहे। दुखों को सहन करना तथा उन पर नियंत्रण करने की हिम्मत तथा ताकत बनाए रखनी चाहिए। दुख की घड़ी में भी भयभीत न होकर निर्भय होकर आगे बढ़ें। यदि कोई सहायक न हो तो अपने बल और पौरूष के सहारे विजयी होने का प्रयास करें।

अथवा

तोप कविता का मूलभाव अपने शब्दों (80-100) में लिखिए।

उत्तर : तोप कविता ब्रिटिश शासन द्वारा कम्पनी बाग के मुहाने पर रखी गई तोप के बारे में है। यह तोप 1857 की है और सन् 57 की क्रांति को कुचलने में इसने भी भूमिका निभाई थी। फिलहाल विरासत की चीज मानकर साल में इसे दो बार चमकाया जाता है, इस पर रंग-रोगन किया जाता है। वरना अधिकांश समय या तो बच्चे इस पर बैठकर घुड़सवारी का आनंद उठाते हैं या चिड़ियाँ इस पर बैठकर गपशप करती हैं। किसी समय तोप अत्यंत शक्तिशाली क्यों न रही हो, वर्तमान में इसकी शक्ति क्षणी दिखाई देती है। इस प्रकार कविता में यह संदेश निहित है कि प्रत्येक अत्याचारी का एक दिन अंत होता है और यह बात केवल तोप के साथ ही नहीं बल्कि किसी व्यक्ति, साम्राज्य या शासन पर भी समान रूप से लागू होती है।

11.

1. **हरिहर काका** कहानी के आधार पर 60-70 शब्दों में स्पष्ट कीजिए कि लेखक ने यह क्यों कहा, अज्ञान की स्थिति में ही मनुष्य मृत्यु से डरते हैं। ज्ञान होने के बाद तो आदमी आवश्यकता पड़ने पर मृत्यु को वरण करने के लिए तैयार हो जाता है। 3

उत्तर : कहानी में महंत एवं काका के भाई उनकी जमीन अपने नाम करवाने की कई युक्तियाँ अपनाते हैं। महंत काका का अपरहण करवाता है। काका उनकी बातों से डर जाते हैं क्योंकि

तब–तक उन्हें सच्चाई का पता न था। काका के भाई भी काका को जान से मारने की धमकी देते हैं परन्तु उन पर धमकियों का काई असर नहीं होता। वे मृत्यु का वरण करने के लिए तैयार हो जाते हैं। वास्तव में इस समय तक उन्हें सच्चाई का ज्ञान हो जाता है कि मृत्यु तो एक दिन होनी है। फिर डर किस बात का? वे मृत्यु का वरण करने के लिए भी तैयार हो जाते हैं।

2. इफ्फन को टोपी ने सदा इफ्फन कहा, उसने बुरा नहीं माना? क्या नामों का अंतःकरण से कोई संबंध है? 60–70 शब्दों में अपने विचार लिखिए। 3

उत्तर : नामों का अंतःकरण से संबंध नहीं है। टोपी इफ्फन को यदि इफ्फन न कहकर इफ्फन कहता और उनमें गहरा लगाव न होता तो वह दोस्ती न कहलाती। किसी भी रिश्ते के लिए आवश्यक है मन का जुड़ना। अपने वे होते हैं जिनसे अपनापन मिले। जो अपनापन टोपी को अपने परिवार से नहीं मिला वह इफ्फन और उसकी दादी से मिला और इसी अपनेपन का अहसास इफ्फन को भी उतना ही था।

खण्ड–घ (लेखन) 26

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80–100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। 6

1. **देश प्रेम।**

   * देश के प्रति प्रेमभाव * बलिदान की भावना * भ्रष्टाचार खत्म करने के लिए संघर्ष करना * देश की छवि उज्जवल करने का प्रयास

2. **भाग्य और कर्म।**

   * आलस्य और भाग्यविधाता * कर्मठता एवं स्वावलम्बन * मनुष्य की पहचान कर्म से * उपसंहार।

3. **आज की बचत, कल का सुख।**

   * बचत का अर्थ * कारण * महत्त्व व सुख * भविष्य सुरक्षित

उत्तर :

1. देश प्रेम

देश प्रेम मनुष्य की सर्वोच्च भावना है, जो त्याग से सज्जित होती है। देश और समाज के उत्थान, कल्याण और रक्षा के लिए जो लोग स्वार्थ की संकुचित सीमाओं को तोड़कर आत्म–बलिदान करते हैं, वे आने वाली पीढ़ी का भविष्य उज्जवल करते हैं। गुरू गोविन्द सिंह के बच्चों को जिंदा दीवारों में चुनवा देना, जलियाँवाले बाग में भारतीयों को क्रूरता से भून डालना, सत्याग्रहियों पर लाठी चार्ज करना आदि बहुत–से ऐसे उदाहरण भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास के पन्नों में लिखे–अनलिखे हैं जो देशभक्ति की अमर निशानी हैं। त्याग और बलिदान से मिली आजादी को बनाए रखने के लिए हर नागरिक का कर्तव्य है कि अपनी हानि लाभ की चिंता न करे बल्कि प्राण–प्रण से देश–रक्षा करे, आतंकवादी गतिविधियों को पनपने न दे, सांप्रदायिकता का विष न फैलाए, कालाबाजारी, मिलावट जैसे कोढ़ को दूर करने में सरकार की मदद करे। अपनी शक्ति और सामर्थ्य द्वारा देश की शक्ति को बढ़ाए। जिस प्रकार बूँद–बूँद से घड़ा भरता है, उसी प्रकार नागरिक का छोटे से छोटा सार्थक प्रयास देश को मजबूती प्रदान करेगा। इन कार्यों से दुनिया में देश की छवि सुधरेगी।

2. भाग्य और कर्म

भाग्य और कर्म– ये दो विषय मनुष्य को विचार करने के लिए बाध्य करते हैं कि वस्तुतः मनुष्य की सर्वांगीण उन्नति के मूल में इनमें से किसका योगदान अधिक है। पुरानी कहावत है– **(दैव–दैव आलसी पुकारा,)** यानी आलसी लोग अकसर भाग्य की दुहाई देते हैं। उनका कहना है कि जब भाग्य सहायक हो तो सभी कार्य अनायास हो जाते हैं और सफलता चरण चूमती है। इसके विपरीत यदि भाग्य प्रतिकूल है तो सभी परिश्रम व्यर्थ हो जाते हैं किन्तु इतिहास साक्षी है, न जाने कितने महान और विश्वव्यापी व्यक्तियों ने केवल अपनी दृढ़ संकल्प–शक्ति और कर्मठता के बल पर अपनी आकांक्षाओं पर विजय पाई है। नेपोलियन की डिक्शनरी में असंभव–जैसा कोई शब्द न था। अब्राहम लिंकन–जैसा दरिद्र बालक एक दिन अमेरिका का राष्ट्रपति बना। लाल बहादुर शास्त्री अपने परिश्रम के बल पर भारत के प्रधानमंत्री बने। गीता में भी भगवान कृष्ण ने कहा है– **(कर्म पर तुम्हारा अधिकार है, फल पर नहीं)** अर्थात तुम निरंतर कर्म करो, फल की आकांक्षा न करो क्योंकि भाग्य उसी का साथ देता है जो स्वयं अपनी सहायता करता है।

3. आज की बचत, कल का सुख

मानव एक विवेकशील परन्तु महत्वाकांक्षी प्राणी है। हर समय वह अधिक से अधिक पाने के लिए लालायित रहता है। दिन–रात योजनाएँ बनाता और उन पर क्रियाएँ करता है ताकि उसका भविष्य सुखमय हो। बचत भी देखा जाए तो भविष्य सँवारने का ही एक प्रयास है। आज हर व्यक्ति अपनी कमाई का कुछ न कुछ अंश भविष्य के लिए सुरक्षित रखता है। किसी अनहोनी या दुर्घटना के लिए उसे पैसा सुरक्षित रखना जरूरी है। जीवन बीमा, स्वास्थ्य बीमा आदि भी इसी उद्देश्य के लिए ही करवाए जाते हैं। जो व्यक्ति बचपन से ही इस बचत की आदत को अपना लेता है, उसका भविष्य सुखमय और सुरक्षित हो जाता है क्योंकि आज की बचत कल का सुख होता है।

13. आपके इलाके का डाकिया समय पर डाक नहीं बाँटता, उसकी शिकायत करते हुए पोस्टमास्टर को एक पत्र 80–100 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर :

सेवा में,

क्षेत्रीय पोस्टमास्टर महोदय,

कृष्ण विहार रोड।

नई दिल्ली।
विषय : समय पर डाक न बाँटने की शिकायत।
महोदय,

हमारे क्षेत्र आर.के.पुरम्, सेक्टर–9 में पिछले एक महीने से एक नया डाकिया, जिसका नाम रविशंकर है, नियुक्त हुआ है। जिस दिन से वह आया है, पत्र समय पर नहीं मिल पाते। वह पत्र इधर–उधर डाल जाता है, जिससे कभी पत्र हवा में उड़ जाते हैं, कभी वर्षा के कारण भीग जाते हैं। कभी–कभी तो वह बच्चों के हाथ में ही पत्र पकड़ा जाता है। वह अपनी तरफ से अपनी ड्यूटी पूरी कर चाय की दुकान पर बैठ जाता है और आने –जाने वालों से गप्पे मारकर चला जाता है।

अतः आपसे निवेदन है कि इस डाकिये के विरुद्ध ठोस कार्यवाही करें ताकि लोगों को उनके पत्र मिलने में असुविधा न हो।

धन्यवाद
भवदीय/प्रार्थी
पवन
जवाहर मार्ग
नई दिल्ली।
दिनांक : 08 जुलाई, 2018

अथवा

आपने समाचार पत्र में **समाचारवाचन** के कोर्स के बारे में पढ़ा। आप उस संस्थान के पते पर एक पत्र 80–100 शब्दों में लिखकर कोर्स की अवधि, फीस, समय आदि की जानकारी प्राप्त कीजिए।

उत्तर :

जवाहर नगर,
नई दिल्ली।
दिनांक : 25, अगस्त, 2018

सेवा में,
प्रबंध निदेशक
मीडिया टेक हाउस,
दिल्ली।
महोदय,

आपके संस्थान द्वारा दिनांक 25 मार्च, 2018 के **हिंदुस्तान** समाचार–पत्र में कुछ कोर्सों के संबंध में विज्ञापन प्रकाशित किया गया था। मैं उन कोर्सों में से **समाचारवाचन** के कोर्स के बारे में जानकारी प्राप्त करना चाहता हूँ कि–

1. कोर्स कितनी अवधि का है?
2. कोर्स की कुल फीस कितनी है तथा यह एक मुश्त ली जाएगी अथवा किश्तों में?
3. कोर्स का समय कितने से कितने बजे तक का होगा? आदि।

कृपया कोर्स से संबंधित उक्त जानकारी को मुझे भेजने का कष्ट करें।

धन्यवाद
भवदीय
नमन

14. आप एस.एस.एम. पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य हैं। कक्षाओं में कुछ बच्चे सेलफोन लाते हैं। इस पर प्रतिबंध लगाने हेतु सूचना 40–50 शब्दों में जारी कीजिए। 5

उत्तर :

एस.एस.एम. पब्लिक स्कूल, रोहतक, हरियाणा

सूचना

दिनांक : 16 अप्रैल, 2018
विषय : विद्यालय में सेलफोन लाने पर प्रतिबंध।
ज्ञात हुआ है कि कुछ बच्चे कक्षा में सेलफोन लाते हैं। विद्यालय में सेलफोन लाना प्रतिबंधित है। यदि किसी बच्चे के पास सेलफोन पाया गया तो उसके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी।

हस्ताक्षर
कमल सिंह
प्रधानाचार्य

अथवा

विद्यालय द्वारा चिकित्सा जाँच शिविर का आयोजन किया जा रहा है। स्वास्थ्य संगठन के सचिव होने के नाते कक्षा छठी से बारहवीं तक के सभी विद्यार्थियों को इसकी सूचना 40–50 शब्दों में प्रदान कीजिए।

उत्तर :

विकास पब्लिक स्कूल, नोएडा

सूचना

विद्यालय द्वारा कक्षा छठी से बारहवीं तक के छात्रों के लिए मुफ्त शिविर का आयोजन 20 अप्रैल, 2018 से 30 अप्रैल, 2018 तक किया जा रहा है। अनुभवी डॉक्टर व दंत चिकित्सक उपस्थित रहेंगे। जाँच के विवरण की प्रति अभिभावकों को दी जाएगी।

हस्ताक्षर
सचिव,
स्वास्थ्य संगठन

15. फास्ट फूड खाने के बारे में अनुज और मम्मी के बीच होने वाली बातचीत को लगभग 50–60 शब्दों में संवाद शैली में प्रस्तुत कीजिए। 5

उत्तर :

अनुज : मम्मी, मैं चाउमीन खाऊँगा। जल्दी से मँगा दो ना!
मम्मी : नहीं बेटे, मैं तुम्हें आज चाऊमीन नहीं खाने दूँगी।
अनुज : मगर क्यों मम्मी मुझे अच्छी लगती है। मँगा दो ना!
मम्मी : नहीं बेटे, तुमने परसों पाव-भाजी खाई थी, कल अपच हो गई और तुम्हें उलटियाँ आने लगीं?
अनुज : मगर मम्मी, यह मुझे ही क्यों होता है?
मम्मी : बेटे लगातार चाऊमीन, पिज्जा, बर्गर आदि खाने से हाजमा बिगड़ जाता है।
अनुज : ठीक है मम्मी, मैं आज से घर का बना हुआ खाना ही खाऊँगा, फास्ट-फूड नहीं।

अथवा

दो मित्र घनश्याम दास और राजकुमार बातचीत कर रहे हैं। उनकी बातचीत मादक द्रव्य और युवा पीढ़ी पर आधारित है। लगभग 50-60 शब्दों में उनके बीच संवाद लिखिए।

उत्तर :

घनश्याम दास : अरे मित्र राजकुमार! बहुत दिनों में दिखाई दिए। तुम तो ईद का चाँद हो गए हो।
राजकुमार : क्या बताऊँ, घनश्याम भाई। मैं समाज में फैले मादक पदार्थों के सेवन व इससे होने वाली हानियों के विरूद्ध एक एन.जी.ओ. द्वारा चलाए जा रहे अभियान में अग्रणी भूमिका निभा रहा हूँ।
घनश्याम दास : हाँ मित्र! यह परम आवश्यक है क्योंकि कुछ कुबुद्धि चंद चाँदी के सिक्कों के लिए देश के स्वर्णिम भविष्य को अंधकार रूपी गर्त की ओर धकेल रहे हैं। मुझे भी बताओ, मैं भी तुम्हारे साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम करना चाहता हूँ।
राजकुमार : स्वागत है, मित्र।

16. **नीचे दिये गये स्थान में से किसी विद्यालय की उपलब्धियों संबंधी का एक आकर्षक विज्ञापन 25-50 शब्दों में प्रस्तुत कीजिए।** 5

उत्तर :

शिक्षा का मंदिर, उन्नति का द्वार, जहाँ होते हैं सपने साकार!
कौशिक शिक्षा मन्दिर
* *सी.बी.एस.ई. में 85% बच्चों के 92% से अधिक अंक* * *फूटबॉल में राष्ट्रीय ट्रॉफी विजेता* * *क्विज़ में ज्ञानचंद प्रश्नोत्तरी विजेता* * *सिविल सर्विसेज में प्रतिवर्ष 5-8 बच्चों का चयन*
अपने बच्चों के सपने साकार करवाएँ। कौशिक शिक्षा मन्दिर में दाखिला करवाएँ ।।

अथवा

गर्मियों की छुट्टियों में आपने नृत्य संस्थान खोला है। उससे संबंधित लगभग 25-50 शब्दों में एक विज्ञापन का आलेख तैयार कीजिए।

उत्तर :

काम्या नृत्य संस्थान
हमारे यहाँ सभी प्रकार के नृत्य सिखाए जाते हैं, जैसे- कत्थक, एरोबिक, डिस्को डान्स, हिप-हॉप आदि, अनुभवी कलाकारों द्वारा नृत्य सिखाया जाता है। **शीघ्र से शीघ्र संपर्क करें।**
प्रिया शर्मा *सुभाष कॉलोनी, आगरा* *फोन न. 9563585462*

Download unsolved Version of this solved paper from www.cbse.online

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 4 (2019–20)

हिन्दी – ब (कोड–85)

कक्षा– 10

निर्धारित समय– 3 घंटे **अधिकतम अंक – 80**

सामान्य निर्देशः–

1. इस प्रश्न–पत्र में चार खंड हैं– क, ख, ग और घ।
2. सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15–20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30–40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60–70 शब्दों में लिखिए।

खण्ड–क (अपठित अंश) 10

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 10

बातचीत का भी एक विशेष प्रकार का आनंद होता है। जिनको इस आनंद को भोगने की आदत पड़ जाती है वे इसके लिए अपना खाना–पीना तक छोड़ देते हैं, अपना और नुकसान कर लेते हैं, लेकिन बातचीत से प्राप्त आनंद को नहीं खोना चाहते। जिनके केवल पत्र–व्यवहार है, कभी एक बार भी साक्षात्कार नहीं हुआ, उन्हें अपने प्रेमी से बात करने की अत्यधिक लालसा रहती है। अपने मन के भावों को दूसरों के सम्मुख प्रकट करने की और दूसरों के अभिप्राय को स्वयं ग्रहण करने का एकमात्र साधन शब्द ही है।

बेन जानसन का यह कथन उचित प्रतीत होता है कि, बोलने से ही मनुष्य के रूप का साक्षात्कार होता है, बातचीत की सीमा दो से लेकर वहाँ तक रखी जा सकती है जितनों की जमात, मीटिंग या सभा न समझ ली जाए। एडिसन का मत है कि असल बातचीत सिर्फ दो में हो सकती है। जब तीन हुए तब वह दो की बात कोसों दूर चली जाती है। चार से अधिक की बातचीत केवल राम–रमौवल कहलाती है इसलिए जब दो आदमी परस्पर बैठे बातें कर रहे हों यदि तीसरा वहाँ आ जाए तो वे दोनों निरस्त बैठ जाते हैं या फिर तीसरे को निपट मूर्ख और अज्ञानी समझ बतियाने लगते हैं।

इस बातचीत के अनेक भेद हैं। दो बुड्ढों की बातचीत प्रायः जमाने की शिकायत पर हुआ करती है। नौजवानों की बातचीत का विषय जोश, उत्साह, नई उमंग, नया हौसला आदि होता है। पढ़े–लिखे लोगों की बातचीत का विषय प्रसिद्ध विद्वान, विचारक और उनके विचार होते हैं। खिलाड़ियों की बातचीत का विषय खेल चर्चा तथा अधेड़ आयु की स्त्रियों का मुख्य विषय अपनी बहू–बेटी का गिला–शिकवा या आस–पड़ोस की चर्चा होती है। स्कूल के लड़कों की बातचीत का उद्देश्य अपने गुरुजनों की प्रशंसा या निदां अथवा अपने सहपाठियों के गुण–दोषों आदि का वर्णन करना होता है।

यूरोप के लोग बात करने की कला, **आर्ट ऑफ कन्वरसेशन** में इतने निपुण हैं कि उनकी बात का मुकाबला स्पीच और लेख दोनों नहीं कर पाते। विद्वानों की मंडली में ऐसे चतुराई से प्रसंग छेड़े जाते हैं जिन्हें सुनकर कानों को अद्‌भुत सुख मिलता है। सहृदय गोष्ठी इसी का नाम है। पच्चीस वर्ष से ऊपर वालों की बातचीत सारगर्भित तथा दूरदर्शितापूर्ण होती है और पच्चीस से नीचे वालों की बातचीत में ऐसा कुछ तो नहीं होता लेकिन उसमें एक प्रकार का मनोरंजन तथा ताजगी रहती है कि उनकी बातचीत में मिठास कई गुणा बढ़ जाती है।

1. बातचीत का आनंद भोगने वालों की दशा कैसी होती है? 2

   उत्तर : बातचीत का आनंद भोगने वालों की दशा कुछ ऐसी हो जाती है कि वे बातचीत का आनंद भोगने के लिए खाना–पीना छोड़ देते हैं और इस तरह अपना ही नुकसान कर लेते हैं। वे इसके बावजूद बातचीत के आनंद को खोना नहीं चाहते। उनको बातचीत के आनंद को खोजने की आदत–सी पड़ जाती है।

2. बातचीत के प्रति एडिसन का क्या मत है? 2

   उत्तर : बातचीत के प्रति एडिसन का मत है कि असल बातचीत सिर्फ दो के बीच हो सकती है। तीन होने पर दो की बात कोसों दूर चली जाती है। इससे अधिक की बातचीत केवल राम–रमौवल है। जब दो आदमी परस्पर बैठे बातें कर रहे हों और तीसरा वहाँ आ जाए तो वे दोनों निरस्त बैठ जाते हैं या फिर तीसरे को निपट मूर्ख समझकर बतियाने लगते हैं।

3. स्कूल के लड़कों की बातचीत का क्या उद्देश्य होता है? 2

   उत्तर : स्कूल के लड़कों की बातचीत का उद्देश्य अपने गुरूजनों की प्रशंसा या निंदा अथवा अपने सहपाठियों के गुण–दोषों का वर्णन होता है।

4. पच्चीस वर्ष से ऊपर वालों की बातचीत कैसी होती है? 2

उत्तर : पच्चीस वर्ष से ऊपर वालों की बातचीत सारगर्भित तथा दूरदर्शितापूर्ण होती है।

5. नौजवानों की बातचीत का विषय क्या होता है? 1

उत्तर : नौजवानों की बातचीत का विषय जोश, उत्साह, नई उमंग, नया हौसला होता है।

6. गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए? 1

उत्तर : बातचीत।

खण्ड–ख (व्यावहारिक व्याकरण) 16

2. पद किसे कहते हैं? **1**

उत्तर : वाक्य में प्रयुक्त शब्द पद कहलाते हैं।

3. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए। $1 \times 3 = 3$

1. हमारे घर से बाहर निकलते ही बारिश होने लगी। (मिश्र वाक्य में)

उत्तर : जैसे ही हम घर से बाहर निकले, बारिश होने लगी।

2. रवि बाल कटवाकर संतुष्ट नहीं था। (संयुक्त वाक्य में)

उत्तर : रवि ने बाल कटवाये परन्तु वह संतुष्ट नहीं था।

3. जो व्यक्ति मेहनती है, उसके लिए सबकुछ संभव है। (सरल वाक्य में)

उत्तर : मेहनती व्यक्ति के लिए सब कुछ संभव है।

4.

1. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए– $1 \times 2 = 2$

नीलकमल, पंचानन।

उत्तर : नीलकमल – नीला है जो कमल (कर्मधारय समास)

पंचानन– पांच है आनन जिसके अर्थात् शिव (बहुब्रीहि समास)

2. निम्नलिखित विग्रहों के समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए। $1 \times 2 = 2$

नीला है कंठ जिसका (शिव), वज्र के समान देह

उत्तर : नीला है कंठ जिसका – नीलकंठ (बहुब्रीहि समास)

वज्र के समान देह– वज्रदेह (कर्मधारय समास)

5. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए। $1 \times 4 = 4$

1. हमने रास्ते में एक हाथी देखे।

उत्तर : हमने रास्ते में एक हाथी देखा।

2. आप ठीक बोलते हैं।

उत्तर : आप ठीक कहते हैं।

3. उसका घर में चोरी हो गया।

उत्तर : उसके घर में चोरी हो गई।

4. वह पागल आदमी हो गया।

उत्तर : वह आदमी पागल हो गया।

6. निम्नलिखित वाक्यों में निहित भाव के अनुसार उपयुक्त मुहावरे लिखिए। $1 \times 4 = 4$

1. आज हमने नया कार्य आरंभ कर दिया हैं।

उत्तर : श्री गणेश करना

2. आजकल विद्यार्थियों को दिन–रात काम में जुटे रहना पड़ता है।

उत्तर : कोल्हू का बैल होना

3. शरारती बच्चों ने पड़ोसियों को बहुत परेशान कर रखा है।

उत्तर : नाक में दम करना।

4. बच्चों की करतूतों से माँ–बाप की आँखें नीची हो गईं।

उत्तर : आँखें नीची होना।

खण्ड–ग 28

(पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक)

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 30–40 शब्दों में लिखिए। $2 \times 3 = 6$

1. पाठ के आधार पर बताइए कि सोलोमन केवल मानव–जाति के ही राजा नहीं थे, बल्कि सभी छोटे–बड़े पशु–पक्षियों के भी हाकिम थे।

उत्तर : एक बार सोलोमन अपने लश्कर के साथ एक रास्ते से गुजर रहे थे। रास्ते में कुछ चींटियों ने घोड़ों के टापों की आवाज सुनी तो डरकर एक–दूसरे से कहा कि सभी को अपने प्राणों की रक्षा करने के लिए अपने बिलों में चले जाना चाहिए, नहीं तो वे आती हुई फौज के पैरों तले रौंदी जाएँगी। सोलोमन ने उनकी बात सुन ली और उन्हें पहले जाने दिया। चींटियों ने उसके लिए खुदा से दुआ की।

2. जापानी मनोरूग्ण क्यों हैं? मानसिक तनाव दूर करने के लिए वे क्या उपाय करते हैं?

उत्तर : अमेरिका से प्रतिस्पर्धा के कारण अधिकांश जापानी मनोरोगी बन गए हैं। उनमें क्षमता से कई गुना ज्यादा काम कम से कम समय में पूरा करने की होड़ लगी हुई है। इसी कारण वे अकेलेपन, तनाव, कुंठा, बड़बड़ाने की आदत आदि मानसिक विक्षिप्तता की अवस्थाओं में पहुँच रहे हैं। इस तनाव व भागदौड़ को कम करने के लिए उन्होंने दिमाग की रफ्तार को धीरे धीरे कम करने के लिए चाय पीने की विधि **टी सेरेमनी** का प्रयोग करना सीखा।

3. लेखक अपने बनाए टाइम टेबल पर अमल क्यों नहीं कर पाता था? **बड़े भाई साहब** पाठ के आधार पर बताइए।

उत्तर : लेखक को जब बड़े भाई की डाँट पड़ती तो ग्लानि की मनोदशा में वह झटपट एक टाइम टेबल बना लेता था परन्तु वह उस पर अमल नहीं कर पाता था क्योंकि उसमें खेल–कूद का समय बिल्कुल नहीं था।

4. वामीरो से मिलने के बाद तताँरा के जीवन में क्या परिवर्तन आया?

उत्तर : उसके मन में हर समय वामीरो की तस्वीर घूमती रहती और जुबान पर केवल वामीरो का नाम रहता। वामीरो के बिना उसके लिए रात और दिन काटना कठिन हो गया। उसे एक-एक पल पहाड़ से भी अधिक भारी प्रतीत होने लगा। वह शाम होने से पहले ही लपाती की उस समुद्री चट्टान पर जा बैठता, जहाँ वह वामीरो के आने की प्रतीक्षा किया करता था।

8. वजीर अली एक जाँबाज सिपाही था? 80-100 शब्दों में उदाहरण सहित इस कथन की पुष्टि कीजिए। 5

उत्तर : निःसंदेह वजीर अली एक जाँबाज सिपाही था। वह अंग्रेजों को खूब छका रहा था। वकील की हत्या कर फरार था। वह अपनी जान की बाजी लगाकर अंग्रेजों के कैंप (आजमगढ़ के जंगल) में कर्नल से मिलने आया। इतने फौजियों के होते हुए भी कर्नल के टेंट में आया। एकांत में कर्नल से मिला। कर्नल से दस कारतूस भी लिए और जाते समय यह भी बताया कि मैं वजीर अली हूँ। उसकी निडरता और साहस को देखकर स्वयं कर्नल चकित हो गया और लेफ्टिनेंट के पूछने पर कि कौन था वह सवार, कर्नल ने कहा- एक जाँबाज सिपाही।

अथवा

वामीरो की प्रतीक्षा में बैठे तताँरा की प्रेम व्याकुलता 80-100 शब्दों में स्पष्ट करें।

उत्तर : तताँरा ने जब से वामीरो का गाना सुना था वह अपनी सुध-बुध खो बैठा और वामीरों के सामने आ गया। उससे उसका परिचय पूछा तथा रोज समुद्र तट पर आने का आग्रह किया। धीरे धीरे उसकी अधीरता बढ़ने लगी। उसे दिन-रात चैन नहीं था। वह वामीरों से मिलने का यत्न सोचता रहता। यही कारण है कि वामीरों से मिलने के लिए लपाती गाँव पहुँच गया। उसने वामीरों को पाने के लिए दुनियाभर से संघर्ष किया। इसलिए उसका मन गाँव के पशु-पर्व में भी नहीं लगा।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 30-40 शब्दों में लिखिए। $2 \times 3 = 6$

1. बिहारी कवि ने **जगत तपोवन सो कियो,** ऐसा क्यों कहा है? स्पष्ट कीजिए।

   उत्तर : **जगत तपोवन सो कियो** के माध्यम से कवि यह संदेश देना चाहता है कि विपत्ति या परेशानी की घड़ी में लोगों को आपसी बैर-भाव भुलाकर मिलजुलकर रहना चाहिए। तभी वे किसी भी संकट का सामना कर सकेंगे। उसी प्रकार जैसे जंगल के पशु गर्मी की मार झेलने के लिए शत्रुता भूलकर छाया वाले स्थान पर एक साथ बैठ जाते हैं। कवि ने कहा है कि वन के पशु आपसी बैर-भाव भुलाकर एक साथ पेड़ों की छाया में इस प्रकार बैठे हैं मानो संसार तपोवन बन गया हो।

2. **कर चले हम फिदा** कविता का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए।

   उत्तर : देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत इस कविता में कवि देश की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान देने वाले सैनिकों के हृदय के भाव व्यक्त करता है जिन्हें अपने किए पर नाज है। साथ ही वह देशवासियों को बलिदान की इस परंपरा को कायम रखने को प्रेरित करता है।

3. **पर्वत प्रदेश में पावस** के आधार पर लिखें कि प्रकृति पल पल अपना रूप किस प्रकार बदल रही है?

   उत्तर : पर्वत प्रदेश वर्षा ऋतु का समय है इसलिए बादलों की उमड़-घुमड़ से प्रकृति प्रतिक्षण, पल-पल अपना रूप परिवर्तित कर रही है। कभी बादल घिर आने से अँधेरा हो जाता है, कभी बादलों के हटने से प्रदेश चमकने लगता है। कभी घनघोर वर्षा होने लगती है।

4. कबीर के अनुसार ईश्वर की प्राप्ति किस प्रकार की जा सकती है?

   उत्तर : कबीर के अनुसार ईश्वर की प्राप्ति मन को एकाग्रचित्त करके आध्यात्मिक चिंतन द्वारा होती है। मन की विषय-वास-नाओं को त्याग कर ही हम भक्ति के मार्ग पर बढ़ सकते हैं। ईश्वर का निवास हमारे मन में है। मनुष्य उसे मंदिर-मस्जिद, गुरुद्वारों में ढूँढ़ता फिरता है। जिस प्रकार मृग की नाभि में कस्तुरी नामक सुगंधित पदार्थ होता है लेकिन वह अज्ञान के कारण उसे दूर जंगलों में ढूँढ़ता फिरता रहता है। अतः हमें मन को एकाग्रचित्त करके ईश्वर को पाने का प्रयास करना चाहिए।

10. जीवन में विजय पाने का कवि ने कौनसा मार्ग सुझाया है? 80-100 शब्दों में आत्मत्राण कविता के आधार पर बताइए। 5

उत्तर : कवि चाहता है कि जीवन में विजय पाने के लिए सबसे पहले दुख पर विजय पाना चाहिए। अपना आत्मविश्वास बनाए रखना चाहिए। इसका प्रयत्न करना चाहिए जिससे मन की शक्ति तथा पुरूषार्थ बना रहे। दुखों को सहन करना तथा उन पर नियंत्रण करने की हिम्मत तथा ताकत बनाए रखनी चाहिए। दुख की घड़ी में भी भयभीत न होकर निर्भय होकर आगे बढ़ें। यदि कोई सहायक न हो तो अपने बल और पौरूष के सहारे विजयी होने का प्रयास करें। ईश्वरीय शक्ति पर भरोसा करना चाहिए और उनसे प्रार्थना करनी चाहिए कि वे दुख की घड़ी में हमारे आत्मविश्वास को गिरने न दे।

अथवा

कबीर की साखियों की भाषा शैली पर 80-100 शब्दों में प्रकाश डालिए।

उत्तर : कबीरदास जी ने अपनी साखियों में किसी विशिष्ट भाषा का प्रयोग न करते हुए बोल-चाल की भाषा का प्रयोग किया है जिसे सधुक्कड़ी भाषा कहते हैं। वास्तव में कबीरदास का उद्देश्य अपने कवित्व के माध्यम से पांडित्य का प्रदर्शन करना नहीं रहा है। इसलिए उनकी साखियों में ऐसे शब्द आए हैं जिनसे जनसमुदाय परिचित है। उदाहरणार्थ वे मरा की जगह मुआ, प्रिय की जगह पीव, जीना की जगह जिवै जैसे शब्दों का प्रयोग करते हैं। वे संस्कृत के दुरूह तत्सम शब्दों के प्रचलित अपभ्रंश का प्रयोग करते हुए जनसामान्य तक अपनी बात पहुँचाते हैं। स्वयं साखी शब्द तत्सम शब्द **साक्षी** का बिगड़ा

हुआ रूप है। इस प्रकार कबीर की भाषा शैली सहज, सरल, प्रतीकात्मक एवं भावाभिव्यक्ति में सक्षम है।

11.

1. लेखक अपने छात्र जीवन में स्कूल से छुट्टियों में मिले काम को पूरा करने के लिए क्या क्या योजनाएँ बनाया करता था? 60–70 शब्दों में बताइये। 3

   उत्तर : लेखक के स्कूल के मास्टरों द्वारा छुट्टियों में करने के लिए काफी काम दिया जाता था। हिसाब से कम से कम दो सौ सवाल दिए जाते थे। इस कार्य को पूरा करने के लिए लेखक विभिन्न योजनाएँ बनाया करते थे। लेखक मन में हिसाब लगाते कि यदि दस सवाल रोज निकाले जाएँ तो बीस दिन में ही पूरे हो जाएँगे। जब वे ऐसा सोचना शुरू करते तब तक छुट्टियों का एक महीना शेष रह जाता। एक–एक दिन गिनते दस दिन खेल–कूद में और बीत जाते। तब स्कूल की पिटाई का डर बढ़ने लगता। पर जब लेखक सोचते कि दस की क्या बात सवाल तो पन्द्रह भी आसानी से रोज निकाले जा सकते हैं। जब ऐसा हिसाब लगाने लगते तो छुट्टियां कम होते होते जैसे भागने लगतीं। दिन छोटे लगने लगते। स्कूल का भय बढ़ने लगता। काम अधूरा रह जाता।

2. टोपी, इफ्फन की दादी से अपनी दादी क्यों बदलना चाहता था? 60–70 शब्दों में बताइये। 3

   उत्तर : टोपी ने इफ्फन से दादी बदलने की बात इसलिए कही क्योंकि उसे इफ्फन की दादी बहुत अच्छी लगती थीं। टोपी जब भी इफ्फन के घर जाता था तो वह उसकी दादी के पास बैठने की कोशिश करता था। टोपी को अपनी दादी अच्छी नहीं लगती थी क्योंकि उसकी स्वयं की दादी बहुत अनुशासनप्रिय थी। वह टोपी को कहानियाँ भी नहीं सुनाया करती थीं। टोपी को उनकी भाषा भी समझ में नहीं आती थी। इसलिए उसने दादी बदलने की बात कही।

खण्ड–घ (लेखन) 26

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80–100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। 6

1. **स्वावलंबन।**

   ❊ स्वावलंबन का अर्थ ❊ आत्मविश्वास की सीढ़ी ❊ स्वावलम्बी समाज राष्ट्र का हितैषी

2. **जैसी संगति बैठिए तैसोई फल दीन।**

   ❊ सत्संगति का प्रभाव ❊ कुसंगति से हानि ❊ चरित्र का परिचायक ❊ प्रभावशाली व्यक्तित्व

3. **बेरोजगारी : समस्या एवं समाधान।**

   ❊ बेरोजगारी से उत्पन्न समस्याएँ ❊ बेरोजगारी के कारण ❊ समाधान हेतु सुझाव

   उत्तर :

1. स्वावलंबन

स्वावलंबन का अर्थ है– अपने पैरों पर खड़ा होना अर्थात् आत्मनिर्भर होना। इसका हमारे जीवन में महत्वपूर्ण स्थान है। इसके द्वारा ही हमारी आर्थिक, मानसिक और शारीरिक उन्नति हो सकती है। स्वावलंबन की भावना हमें छोटे–छोटे पशुओं और पक्षियों से मिलती है। वे जन्म लेने के उपरांत ही आत्मनिर्भर होने की कोशिश करने लगते हैं। बनैले पशु तो बेचारे थोड़े दिनों बाद ही अपने आहार के लिए फिरने लगते हैं। वे पालतू पशुओं के समान किसी पर अवलम्बित नहीं रहते हैं। स्वावलंबन द्वारा ही मानव–हृदय में आत्मविश्वास की भावना उत्पन्न होती है। इससे हमारा उत्साह बढ़ जाता है और अपने कर्तव्य–पथ पर दृढ़ता के साथ चले जाते हैं। स्वावलम्बी मनुष्य ही देश और समाज का कल्याण कर सकता है। इसी ने विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में राजनीतिज्ञों, वैज्ञानिकों, समाज सुधारकों और विद्वानों को जन्म दिया है। इसी के द्वारा विश्व प्रगतिशील बन सका है और उसमें बंधुत्व की भावना फैल सकी है। आज विदेशी राष्ट्र इसी के द्वारा उन्नति के शिखर पर पहुँच चुके हैं। इसकी गौरवपूर्ण अमर–कथाओं से विश्व के इतिहास के पन्ने चमक रहे हैं। अतः कह सकते हैं कि स्वावलंबी के सभी मनोरथ पूर्ण होते हैं। वह सुयश का भागी बनता है। इसलिए हमें स्वावलंबी बनना चाहिए।

2. जैसी संगति बैठिए तैसोई फल दीन

संगति का जीवन में बड़ा महत्व है। मनुष्य जैसी संगति करता है उससे वह अवश्य प्रभावित होता है। स्वाति की एक बूँद भिन्न–भिन्न संगति पाकर उसके अनुरूप परिवर्तित हो जाती है। केले का संपर्क प्राप्त कर वह कपूर, सीपी की संगति प्राप्त कर वह मोती तथा साँप के मुँह में पड़कर वह विष बन जाती है। बुद्धिमानों की संगति करने पर मनुष्य बुद्धिमान हो जाता है। मनुष्य यदि ऐसे व्यक्ति के साथ रहता है जो लँगड़ाता है तो वह स्वयं भी लँगड़ाना सीख जाएगा। एक जर्मन लोकोक्ति है कि जब फाख्ता का कौओं से संयोग होता है तो उसके पर श्वेत रह जाते हैं, किंतु हृदय काला हो जाता है। काजल की कोठरी में जाकर मनुष्य उससे अछूता नहीं रह सकता। मनुष्य की संगति से उसके चरित्र का परिचय मिलता है। कुसंगति जहाँ मनुष्य को तपन की ओर ले जाती है, सत्संगति बुद्धि की जड़ता नष्ट करती है, वाणी को सत्य से सींचती है, मान बढ़ाती है, पाप मिटाती है तथा चित्त को प्रसन्नता प्रदान करती है। इससे हमारा व्यक्तित्व प्रभावशाली बनता है।

3. बेरोजगारी : समस्या एवं समाधान

सक्षम व्यक्तियों को जब अर्थोपार्जन के लिए कार्य नहीं मिलता, तब बेरोजगारी की समस्या समाज के लिए एक गंभीर बीमारी का रूप ले लेती है। बेरोजगारी प्रत्यक्ष हो अथवा अप्रत्यक्ष, वह समाज में कई समस्याओं को जन्म देती है। भारत में आबादी का तीव्रता से बढ़ना और उस अनुपात में रोजगार का उपलब्ध न हो पाना प्राकृतिक संसाधनों का सीमित होना, सरकारी नीतियों में त्रुटियाँ

होना, कुटीर उद्योगों एवं कृषि कर्म के प्रति अरूचि होना आदि कई कारणों से बेरोजगारी की दर भी बढ़ी है। परम्परागत कृषि कर्म अथवा घरेलू उद्योगों को छोड़कर युवक शहरों की ओर नौकरी के लिए पलायन तो कर रहे हैं, पर नौकरी न मिलने पर गलत कार्य में लग जाते हैं। फलतः भ्रष्टाचार जैसी समस्या से समाज का रूप विकृत होने लगता है। चोरी, लूटमार, छीना झपटी आदि अनैतिक कार्यों में लिप्त होने से उद्योग धंधों में अराजकता बढ़ जाती है। इस विकराल समस्या के समाधान के लिए जनसंख्या नियंत्रण, छोटे-छोटे उद्योग-धंधों का विकास, परम्परागत उद्योग-धंधों का संरक्षण, ग्रामों में सुख-सुविधाओं का विकास, व्यावहारिक शिक्षा को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। रोजगार के सरकारी अवसर प्रदान करके बढ़ती बेरोजगारी को रोका जा सकता है।

13.आपके विद्यालय के प्रधानाचार्य से खेलों का और अधिक सामान मँगाने के लिए निवेदन करते हुए एक पत्र 80-100 शब्दों में लिखिए। आप अपने आपको खेल-परिषद की सेक्रेटरी के रूप में प्रस्तुत कीजिए। 5

उत्तर :

सेवा में,
प्रधानाचार्य
कॅरियर पॉइन्ट विद्यालय
नई दिल्ली।
दिनांक : 08 जुलाई, 2017
विषय : खेलों का सामान मँगाने हेतु आवेदन पत्र।
महोदय,

सविनय निवेदन है कि मैं विद्यालय की खेल परिषद की सेक्रेटरी, कक्षा दसवीं की छात्रा हूँ। मैं आपका ध्यान खेलों के सामान की आपूर्ति की ओर दिलाना चाहती हूँ। विद्यालय में खेलों के सामान की अभी तक अपेक्षित आपूर्ति नहीं हो पाई है जिससे हम लोग इच्छित खेल नहीं खेल पाते हैं। ज्ञातव्य है कि पिछले वर्ष भी समय पर सामान न मिल पाने के कारण हम समुचित अभ्यास नहीं कर पाते थे, जिससे हमारे विद्यालय की टीम पदक नहीं जीत सकी।

अतः आपसे निवेदन है कि इस वर्ष जल्द से जल्द सामान मँगवा दें ताकि हम अधिक से अधिक अभ्यास कर सकें।

खेल सामग्री की सूची-
1. टेनिस बॉल - 05 पीस
2. टेनिस रैकेट - 04 पीस
3. हॉकी स्टिक - 12 पीस
4. हॉकी की गेंद एवं नेट - (उसी अनुसार)

सधन्यवाद
आपकी आज्ञाकारिणी शिष्या,
सीमा शर्मा
विद्यालय खेल परिषद की सेक्रेटरी
कक्षा- दसवीं।

अथवा

अपने क्षेत्र में सार्वजनिक पुस्तकालय एवं वाचनालय खोलने की प्रार्थना करते हुए शिक्षा विभाग के सचिव को एक पत्र 80-100 शब्दों में लिखिए।

उत्तर :

परीक्षा भवन,
नई दिल्ली।
दिनांक : 25, अगस्त, 2018

सेवा में,
सचिव महोदय,
शिक्षा विभाग,
दिल्ली।
विषय : अपने क्षेत्र में सार्वजनिक पुस्तकालय एवं वाचनालय खुलवाने के लिए अनुरोध।
महोदय,

इस पत्र के माध्यम से मैं आपका ध्यान पूर्वी दिल्ली के **वसुंधरा एन्क्लेव** क्षेत्र की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ, जहाँ कई अच्छे विद्यालय हैं और उनके अपने पुस्तकालय हैं। किन्तु हमारे इस क्षेत्र में दुर्भाग्य से एक भी सार्वजनिक पुस्तकालय एवं वाचनालय नहीं है। विद्यालय की छुट्टी हो जाने के बाद शाम को अगर हमें कोई संदर्भ ग्रंथ देखने की आवश्यकता होती है तो सर्वथा निराश होना पड़ता है।

अतः शिक्षा के क्षेत्र में अधिकाधिक रूचि जागृत करने के लिए एवं उसमें उन्नति प्राप्त करने के लिए हमारे यहाँ एक सार्वजनिक पुस्तकालय एवं वाचनालय का होना अत्यंत आवश्यक है।

आपसे निवेदन है कि हमारी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए आप हमारे क्षेत्र **वसुंधरा एन्क्लेव** में एक सार्वजनिक पुस्तकालय एवं वाचनालय खुलवाने का प्रबंध करें।

धन्यवाद
भवदीय
सुरेश

14.आपके विद्यालय में एक विद्यार्थी को एक पर्स मिला है जिसमें रुपये, चाबी आदि हैं। इसकी सूचना देने के लिए अनुशासन अधिकारी की ओर से सूचना-पट पर लिखने के लिए 40-50 शब्दों में सूचना का प्रारूप लिखिए। 5

उत्तर :

ए.जी.बी. विद्यालय, रतनपुर

सूचना

दिनांक : 24 नवम्बर, 2018

विषय : पर्स मिला है।

विद्यालय परिसर में एक पर्स मिला है। इसमें कुछ रुपये एवं अन्य सामान है, जिसका भी हो आवश्यक प्रमाण देकर अनुशासन अधिकारी कार्यालय से प्राप्त कर लें।

हस्ताक्षर
महेश सैनी
अनुशासन अधिकारी

अथवा

प्रधानाचार्य हैप्पी पब्लिक स्कूल, दरियागंज की ओर से गरीब व अनाथ बच्चों के दाखिले की सूचना 40-50 शब्दों में पर्याप्त जानकारी (उम्र, सुविधाएँ आदि) सहित दीजिए।

उत्तर :

हैप्पी पब्लिक स्कूल, दरियागंज

सूचना

हैप्पी पब्लिक स्कूल में गरीब व अनाथ बच्चों के लिए जिनकी उम्र 8 से 12 वर्ष है, दाखिले खुले हैं। सभी प्रकार की सुविधाओं; जैसे पढ़ना, खाना, रहना, चिकित्सा आदि के व्यय का वहन संस्था द्वारा किया जाएगा। विस्तृत जानकारी के लिए हस्ताक्षरकर्ता से सपंर्क कीजिए।

हस्ताक्षर
प्रधानाचार्य

15. नारी सुरक्षा और वर्तमान युग विषय पर नारी सुरक्षा समिति के दो कार्यकर्ताओं के बीच संवाद लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर :

प्रथम कार्यकर्ता : वर्तमान युग में नारी सुरक्षा को लेकर बातें तो बड़ी-बड़ी की जाती हैं परन्तु जमीनी हकीकत कुछ और ही है। समाज और सरकार दोनों इस ओर से लापरवाह हैं।

द्वितीय कार्यकर्ता : तुम ठीक कह रही हो, महिलाओं के विरूद्ध होने वाले अपराधों का बढ़ता हुआ ग्राफ नारी सुरक्षा को लेकर होने वाले दावों की पोल खोल रहा है।

प्रथम कार्यकर्ता : वर्तमान युग में जहाँ एक तरफ नारियों को पुरूषों के समकक्ष माना जाता है और उनकी आर्थिक स्वतंत्रता को लेकर बढ़ चढ़कर बातें कही जाती हैं, वहीं कार्यस्थल पर उनके साथ होने वाले भेदभाव भी जारी हैं।

द्वितीय कार्यकर्ता : वर्तमान युग में इस विडम्बना को समाप्त करना हम सबका फर्ज है।

अथवा

माँ और बेटी में बातचीत हो रही है। बातचीत का आधार रटंत विद्या को न अपनाकर समझने पर बल देना है। इनके बीच लगभग 50-60 शब्दों में संवाद लिखिए।

उत्तर :

माँ : अरे नन्ही! क्या कर रही हो।

नन्ही : माँ! कल हिंदी की कक्षा परीक्षा है। उसे ही रट रही हूँ।

माँ : परन्तु बेटी रटकर तैयारी करने से क्या लाभ? विषय को अच्छी तरह पढ़ो और समझो, फिर उसके बाद अभ्यास करो।

नन्ही : माँ! इसमें तो अधिक समय लग जाएगा।

माँ : और रटकर की गई तैयारी में तुम कुछ भी भूल गई तो फिर क्या करोगी? ये मेहनत भी बेकार जाएगी न?

नन्ही : हाँ माँ! मेरी सखी रेखा के साथ भी ऐसा ही हुआ था। वह विज्ञान के पाठ के पीछे दिए सभी प्रश्न रटकर गई परन्तु अध्यापिका जी ने पाठ के बीच से ही प्रश्न पूछे। एक भी जवाब न दे पाई बेचारी।

माँ : इसीलिए कहती हूँ बेटी रटंत विद्या पर बल न देकर विषय को गहराई से समझो।

नन्ही : आप ठीक कहती हैं माँ! मैं आपकी आज्ञा का पालन करूँगी।

16. किसी हर्बल क्रीम के बारे में एक आकर्षक विज्ञापन 25-50 शब्दों में प्रस्तुत कीजिए। 5

उत्तर :

क्या आप त्वचा के दाग-धब्बों और कील, मुँहासों से परेशान हो चुके हैं? तो इस्तेमाल कीजिए-

ब्यूटी हर्बल क्रीम

दाग-धब्बे मिटाए,
त्वचा दमक-दमक जाए।

असर पहले हफ्ते के अंदर

सभी प्रमुख मेडिकल स्टोर्स तथा कॉस्मेटिक्स की दुकानों पर उपलब्ध

अथवा

अपने विद्यालय की संस्था **पहरेदार** की ओर से जल का दुरुपयोग रोकने का आग्रह करते हुए लगभग 25-50 शब्दों में एक विज्ञापन का आलेख तैयार कीजिए।

उत्तर :

पहरेदार संस्था आगरा

विद्यालय में पहरेदार संस्था की ओर से शीतल पेय की उचित व्यवस्था की गई है। सभी विद्यार्थियों से आग्रह किया जाता है कि पानी की बर्बादी न करें। न ही कोई छात्र-छात्रा मुँह-हाथ धोए। ऐसा करने से अन्य छात्रों को पानी मिलने में परेशानी होगी तथा जल का दुरुपयोग होने में अपना सहयोग प्रदान करें।

Download unsolved Version of this solved paper from www.cbse.online

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 5 (2019-20)

हिन्दी - ब (कोड-85)

कक्षा- 10

निर्धारित समय- 3 घंटे **अधिकतम अंक - 80**

सामान्य निर्देशः-

1. इस प्रश्न-पत्र में चार खंड हैं- क, ख, ग और घ।
2. सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।

खण्ड-क (अपठित अंश) 10

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 10

प्राचीन काल में शनि को अमंगलकारी ग्रह समझ लिया गया था। पौराणिक आख्यानों के आधार पर शनि, सूर्य के पुत्र हैं। भैंसा इनका प्रिय वाहन है और इनको तेल अत्यंत प्रिय है। सत्य यह है कि शनि सौरमंडल का सबसे सुंदर ग्रह है। पुराने समय में लोग इसकी सुंदरता को देखने में असमर्थ थे। सुनी-सुनाई बातों के आधार पर लोगों में इस ग्रह के बारे में भ्राँतियाँ फैलती चली गईं। आधुनिक खोजों ने सिद्ध किया है कि दूरबीन से शनि ग्रह को देखा जाए तो पुराने ख्याल बदल जाएँगे।

ग्रहों के क्रमानुसार सौरमंडल में शनि का स्थान छठे नम्बर पर है। यह ब्रहस्पति और यूरेनस के मध्य सूर्य की परिक्रमा करता है। यह ग्रह अत्यंत मंद गति से सूर्य के चारों ओर करीब तीस वर्ष में एक चक्कर पूरा करता है। शनि का दिन हमारे दिन से छोटा होता है। शनि अत्यंत ठंडा ग्रह है। शनि के वायुमण्डल का तापमान शून्य से 150 सेन्टिग्रेड नीचे रहता है। अतः यहाँ जीवन संभव नहीं है।

पुराने समय में सौरमण्डल में केवल एक चंद्रमा की जानकारी थी। वैज्ञानिक खोजों के आधार पर अनेक चंद्रमाओं की खोज कर ली गई है। खोजों के बाद अब शनि उपग्रहों की संख्या सत्रह हो गई है। पूरे सौरमण्डल में साठ उपग्रहों की खोज की गई है। शनि का सबसे बड़ा चंद्रमा टाइटन है। यह उपग्रह हमारे चंद्रमा से काफी बड़ा है। टाइटन की अद्भुत विशेषता इसका वायुमण्डल है। इसके वायुमण्डल में मीथेन गैस पर्याप्त मात्रा में है। इस पर मीथेन, पानी की तरह मानी जा सकती है। शनि को दूरबीन से देखा जाए तो इसके चारों ओर वलय या घेरे दिखाई देते हैं। इन वलयों या छल्लों से इसकी सुंदरता काफी बढ़ जाती है। इन वलयों की खोज गैलीलियों ने की थी। नई खोजों के आधार पर सौरमण्डल के कई ग्रहों के वलयों की खोज हो चुकी है। शनि जितने सुंदर और स्पष्ट वलय किसी ग्रह के नहीं हैं।

1. प्राचीनकाल में शनि को कैसा ग्रह समझा जाता था? इनको क्या प्रिय है? 2

   उत्तर : प्राचीनकाल में शनि को अमंगलकारी ग्रह समझा जाता था जिसके दुष्प्रभाव से बचाव कठिन था। पौराणिक आख्यानों में शनि को सूर्य का पुत्र माना गया है। इनको वाहन के रूप में भैंसा और तेल अत्यंत प्रिय है।

2. पुराने समय में शनि के बारे में क्या भ्रांतियाँ थीं? आधुनिक खोजों में किस सत्य का पता चला है? 2

   उत्तर : पुराने समय में लोग शनि को देख नहीं पाते थे, इसलिए उनके मन में यह भ्रांति थी कि शनि अमंगलकारी और अशुभ है जबकि सच तो यह है कि शनि सौरमण्डल का सबसे सुंदर ग्रह है। पुराने समय में लोग इसकी सुंदरता को देख नहीं पाते थे लेकिन वर्तमान में इसे दूरबीन से देखा जा सकता है।

3. ग्रहों के क्रमानुसार शनि का कौनसा स्थान है? इसकी गति और इसके वायुमण्डल के तापमान के बारे में बताइए। 2

   उत्तर : ग्रहों के क्रमानुसार सौरमण्डल में शनि का छठा स्थान है। यह बृहस्पति और यूरेनस के मध्य सूर्य के चारों ओर घूमता है। यह सूर्य के चारों ओर बहुत मंद गति से घूमता है और इसे सूर्य की एक परिक्रमा करने में लगभग तीस वर्ष का समय लगता है। शनि के वायुमण्डल का तापमान शून्य से 150 से-न्टिग्रेड नीचे रहता है इसलिए यह बहुत ठंडा ग्रह है।

4. शनि के कितने उपग्रह (चंद्रमा) हैं? इसका सबसे बड़ा उपग्रह कौनसा है तथा इसकी क्या विशेषता है? 2

   उत्तर : अब तक शनि के सत्रह उपग्रहों का पता चला है जिनमें से सबसे बड़ा उपग्रह टाइटन है। यह हमारे चंद्रमा से बहुत बड़ा है। टाइटन की अद्भुत विशेषता इसका वायुमण्डल है जिसमें

मीथेन गैस की भरमार है। दूसरे शब्दों में यहाँ मीथेन गैस पानी की तरह है।

5. अत्यंत तथा सुंदरता शब्दों में प्रयुक्त उपसर्ग एवं प्रत्यय बताइए। 1

उत्तर : अत्यंत शब्द में अति उपसर्ग तथा सुंदरता शब्द में ता प्रत्यय लगा हुआ है।

6. गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। 1

उत्तर : शनि ग्रह।

खण्ड–ख (व्यावहारिक व्याकरण) 16

2. रेखांकित शब्द, शब्द है या पद, पहचान कीजिए। 1

राम, श्याम और गीता

उत्तर : श्याम शब्द है।

3. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए। $1 \times 3 = 3$

1. हर जगह मोदी जी का भव्य स्वागत हुआ। (मिश्र वाक्य में)

उत्तर : जहाँ भी मोदी जी गए, वहाँ पर उनका भव्य स्वागत हुआ।

2. वह पीड़ा से कराहता है। (संयुक्त वाक्य में)

उत्तर : चूँकि उसे पीड़ा है इसलिए वह कराहता है।

3. मुझे ज्वर था इसलिए मैं स्कूल नहीं जा सका। (सरल वाक्य में)

उत्तर : ज्वर होने के कारण मैं स्कूल नहीं जा सका।

4.

1. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए– $1 \times 2 = 2$

नीलांबर, राजपुत्र।

उत्तर : नीलांबर– नीला है जो अंबर (कर्मधारय समास)

राजपुत्र– राजा का पुत्र (संबंध तत्पुरूष समास)

2. निम्नलिखित विग्रहों के समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए। $1 \times 2 = 2$

भ्राता का स्नेह, राह के लिए खर्च।

उत्तर : भ्राता का स्नेह – भ्रातृस्नेह (संबंध तत्पुरूष समास)

राह के लिए खर्च– राहखर्च (सम्प्रदान तत्पुरूष समास)

5. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए।$1 \times 4 = 4$

1. मेरे को घर जाना है।

उत्तर : मुझे घर जाना है।

2. तुमने यह क्या करा?

उत्तर : तुमने यह क्या किया?

3. शहीदों का देश सदा आभारी रहेगा।

उत्तर : देश शहीदों का सदा आभारी रहेगा।

4. अध्यापिका से संस्कृत पढ़ाई है।

उत्तर : अध्यापिका ने संस्कृत पढ़ाई है।

6. निम्नलिखित मुहावरों को अपने वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए। $1 \times 4 = 4$

1. आकाश–पाताल एक करना

उत्तर : मोहन ने कक्षा में प्रथम आने के लिए आकाश पाताल एक कर दिया।

2. अंधे की लाठी

उत्तर : रहीम अपने माता–पिता के लिए अंधे की लाठी है।

3. ईद का चाँद होना

उत्तर : जब से प्रीति की नौकरी लगी है, वह ईद का चाँद हो गई है।

4. आस्तीन का साँप

उत्तर : राज ने निर्भय की बहुत सहायता की लेकिन वह तो आस्तीन का साँप निकला।

खण्ड–ग 28

(पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक)

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 30–40 शब्दों में लिखिए। $2 \times 3 = 6$

1. लेखक की माँ ने पूरे दिन का रोजा क्यों रखा?

उत्तर : लेखक की माँ ने स्टूल पर चढ़कर अंडे को बचाने की कोशिश की, पर इसी कोशिश में वह हाथ से गिरकर टूट गया। कबूतर व्यथित हो गए। इस दृश्य को देखकर माँ रोने लगी। इसके प्रायश्चित के लिए माँ ने खुदा से अपने गुनाह को माफ करने के लिए रोजा रखा। उसने कुछ नहीं खाया–पीया, बस रोती रही।

2. वृजलाल गोयनका किस प्रकार पकड़े गए? डायरी का एक पन्ना पाठ के आधार पर बताइए।

उत्तर : जुलूस के लाल बाजार आने पर वृजलाल गोयनका को एक अंग्रेज घुड़सवार ने लाठी मारी, फिर पकड़कर दूर ले गए और उन्हें छोड़ दिया। वे स्त्रियों के जुलूस में शामिल हो गए। फिर वे दो सौ आदमियों का जुलूस बनवाकर लाल बाजार गए। वहाँ उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

3. घुड़सवार ने कर्नल से कारतूस कैसे हासिल किए?

उत्तर : वह घुड़सवार स्वयं वजीर अली था। उसे पता था कि कर्नल कालिंज उसे पकड़ने के लिए अपनी फौज के साथ जंगल में डेरा डाले हुए थे। वजीर अली ने निडर होकर पूरे आत्मविश्वास से एकांत कमरे में कर्नल से बात की और कहा कि वजीर अली को पकड़ने के लिए उसे कारतूस चाहिए। कर्नल से कारतूस लेकर वह वहाँ से चला गया।

4. दूसरी बार पास होने पर छोटे भाई के व्यवहार में क्या परिवर्तन आया?

उत्तर : दूसरी बार पास होने पर छोटे भाई के व्यवहार में स्वच्छंदता का समावेश हो गया था। उसे इस बात का अभिमान हो गया था कि वह पढ़े या न पढ़े पास हो ही जाएगा। तकदीर उसका साथ दे रही थी और इसलिए वह बड़े भाई साहब की

सहनशीलता का अनुचित लाभ उठाने लग गया था। उसने सोचा कि अब उनका मुझे डाँटने का कोई अधिकार नहीं। बड़े भाई के प्रति उसका पहले जैसा आदर भाव भी नहीं रहा जो उसके रंग-ढंग, हाव-भाव से स्पष्ट दिखाई दे रहा था।

8. बड़े भाई साहब पाठ में लेखक ने समूची शिक्षा के किन तौर-तरीकों पर व्यंग्य किया है? क्या आप उनके विचार से सहमत हैं? 80-100 शब्दों में बताइए 5।

उत्तर : **बड़े भाई साहब** पाठ में लेखक ने समूची शिक्षा प्रणाली के निम्नलिखित तौर-तरीकों पर व्यंग्य किया है-

1. इस प्रणाली में अंग्रेजी को अधिक महत्व दिया जाता है। सभी विषय अंग्रेजी में पढ़ाए जाते हैं।
2. यह प्रणाली सख्त विधि को बढ़ावा देती है। छात्रों को पाठ्य सामग्री को कंठस्थ रखना पड़ता है।
3. इस शिक्षा प्रणाली में विषयों की अधिकता होने के कारण छात्रों को खेलकूद का समय नहीं मिलता।
4. इस शिक्षा प्रणाली में विस्तार पर बल दिया जाता है। विषय को संक्षिप्त करने की अपेक्षा विस्तार किया जाता है।
5. यह शिक्षा प्रणाली व्यावहारिक नहीं है क्योंकि इसमें लिखने पर ज्यादा ध्यान दिया जाता है।

हम लेखक के इन विचारों से पूर्णतया सहमत हैं। इस शिक्षा प्रणाली में बालकों की अपनी स्वच्छंदता नष्ट हो गई है क्योंकि सब कुछ पुस्तकीय ज्ञान पर आधारित है।

अथवा

गिन्नी का सोना पाठ में क्या संदेश दिया गया है? 80-100 शब्दों में बताइए।

उत्तर : इस पाठ के माध्यम से लेखक उन लोगों से परिचित कराता है जो इस संसार में आदर्श और व्यवहार को लेकर चलते हैं। जीवन में आदर्शवादिता की रक्षा तो बहुत जरूरी है लेकिन आदर्श अव्यावहारिक नहीं होना चाहिए। व्यवहार में लाए बिना आदर्श का कोई मूल्य नहीं होता। इसलिए व्यावहारिकता की भी उपेक्षा नहीं की जानी चाहिए। आदर्शों या जीवन मूल्यों को प्रमुखता देनी चाहिए। आदर्श को व्यवहार में लाते समय हमें उसकी मूल भावना और गरिमा से समझौता नहीं करना चाहिए। व्यावहारिकता को आदर्शों पर हावी नहीं होने देना चाहिए सोने की तरह आदर्शों को मजबूत तथा चमकदार बनाने के लिए व्यावहारिकता रूपी ताँबा थोड़ी मात्रा में तो मिलाना ही पड़ेगा।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 30-40 शब्दों में लिखिए। $2 \times 3 = 6$

1. कर चले हम फिदा, कविता में धरती को दुल्हन क्यों कहा गया है?

उत्तर : इस कविता में धरती को दुल्हन इसलिए कहा गया है क्योंकि सैनिकों ने अपने खून से इसकी माँग भरी थी। भारतीय सैनिक इस दुल्हन की रक्षा के लिए जी जान से लड़े थे। चीन इस दुल्हन पर अपना हक जमाना चाहता था परन्तु भारतीय सैनिकों ने स्वयं का बलिदान देकर इसकी रक्षा की। उन्होंने अपना खून देकर धरती रूपी दुल्हन की माँग भर दी और इस तरह अपने कर्तव्य को भली-भाँति पूरा किया।

2. सच्चे मन में राम बसते हैं, बिहारी के दोहे के संदर्भानुसार स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : बिहारी कहते हैं- जप करने, माला फेरने से, सारे शरीर में चंदन का छाप लगाने से अथवा माथे पर तिलक लगाने से एक भी काम नहीं निकलता, ये सब बाहरी दिखावे हैं। ये सब व्यर्थ हैं क्योंकि ऐसा कच्चे मन वाले लोग करते हैं। राम को तो पक्के मन वाले सच्चे लोग अच्छे लगते हैं।

3. **आत्मत्राण** कविता के आधार पर बताइए कि हमारा परमात्मा के प्रति कैसा भाव होना चाहिए?

उत्तर : हमारी परमात्मा के प्रति आस्था निष्कपट, अटल और अटूट होनी चाहिए। न तो हम दुख में उसके प्रति अनास्था या संदेह आने दें और न ही सुख में उसे भूल जाएँ। परमात्मा से शक्ति व आत्मबल की केवल चाह हो न कि विपदा से बचाने के लिए प्रार्थना करें।

4. उदार व्यक्ति की पहचान कैसे हो सकती है?

उत्तर : उदार व्यक्ति की पहचान यह है कि वह इस असीम संसार में आत्मीयता का भाव भरता है। सभी प्राणियों के साथ अपनेपन का व्यवहार करता है, नित्य परोपकार के कार्य करता है, जिसके हृदय में दूसरों के प्रति सहानुभूति और करुणा का भाव होता है। उदार व्यक्ति दूसरों की सहायता के लिए अपने तन, मन और धन को किसी भी क्षण त्याग सकता है जो दूसरों की प्राणरक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर करने को तत्पर रहता है। वह जाति, देश, रंग-रूप आदि का भेद किए बिना सभी को अपना मानता है। वह स्वयं हानि उठाकर भी दूसरों का हित करता है। प्रेम, भाईचारा और उदारता ही उसकी पहचान है।

10. मीरा की भक्ति-भावना पर 80-100 शब्दों में प्रकाश डालिए। 5

उत्तर : कृष्ण भक्त कवयित्री मीरा कृष्ण को अपना प्रियतम और पति मानती हैं। पाठ में दिए गए पदो में मीरा कृष्ण की दीवानी दिखाई पड़ती है। वे कृष्ण से अपनी रक्षा करने तथा अपनी पीड़ा दूर करने की गुहार लगाती हैं। कृष्ण ही उनके उद्धारक हैं। वे कृष्ण की चाकरी करना चाहती हैं। इसी बहाने उन्हें उनकी निकटता प्राप्त होगी। पीतांबर, बैजंतीमाला, मोर पंखों वाला मुकुट पहने श्रीकृष्ण का रूप उन्हें पसंद है। वे उनके लिए कुसुंबी साड़ी पहनने को तैयार हैं। इस प्रकार मीरा ने अपने पदों में श्रीकृष्ण की सगुण भक्ति की है और उन्हें अपना सर्वस्व माना है। मीरा कृष्ण की अनन्य भक्त हैं और उनकी भक्ति-भावना में किसी प्रकार का निजी स्वार्थ नहीं है। बस कृष्ण की भक्ति करना, उनके गीत रचना और उसमें अपने मन में उद्‌गार व्यक्त करना उनका जीवन-ध्येय है।

अथवा

दोहों के आधार पर कवि बिहारी की शैली की विशेषताएँ 80–100 शब्दों में लिखिए।

उत्तर : बिहारी मुख्य रूप से श्रृंगारपरक दोहों के लिए जाने जाते हैं परन्तु पाठ में संकलित दोहों में श्रृंगार के अलावा लोक–व्यवहार, नीति–ज्ञान आदि की झलक देखने को मिलती है। बिहारी कम–से–कम शब्दों में अधिक–से–अधिक अर्थ भरने की कला में निपुण माने गए हैं। अतः यहाँ भी उनके दोहा छंदों में यह विशेषता दृष्टिगोचर होती है। पाठ में जितने भी दोहे लिए गए हैं उनमें ब्रजभाषा का प्रयोग किया गया है। इनकी भाषा भावाभिव्यक्ति में पूर्णतया सक्षम है। इनके दोहों में अलंकारों की बहुतायत भी दिखाई देती है।

11.

1. टोपी जहीन (बुद्धिमान) होने के बावजूद कक्षा में दो बार फेल हो गया। जीवन में प्रतिकूल परिस्थितियों से हार मान लेना कहाँ तक उचित है? अपने विचार 60–70 शब्दों में लिखिए। 3

   उत्तर : जहीन बुद्धिमान होने के बावजूद भी टोपी नौवीं कक्षा में फेल हो गया। उसकी पारिवारिक परिस्थितियाँ उसकी पढ़ाई में बाधा उत्पन्न करती थीं। जब भी वह पढ़ने बैठता तो बड़े भाई या माँ को कोई काम याद आ जाता। छोटा भाई उसकी कॉपियाँ खराब कर दिया करता था। दूसरे साल उसे टाइफाइड हो गया। डॉक्टर भृगु नारायण चुनाव के लिए खड़े हो गए और घर में चुनावी माहौल छा गया परन्तु फिर उसने दृढ़ निश्चय किया कि वह किसी भी तरह परीक्षा जरूर देगा और उसने कर दिखाया। परिस्थितियाँ सदैव हमारे अनुकूल नहीं होती परन्तु उनका सामना करके कर्तव्य पथ पर बढ़कर ही हम लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं।

2. अनपढ़ होते हुए भी हरिहर काका दुनिया की बेहतर समझ कैसे रखते हैं? कहानी के आधार पर 60–70 शब्दों में स्पष्ट कीजिए। 3

   उत्तर : अनपढ़ होते हुए भी हरिहर काका को दुनिया की बेहतर समझ है क्योंकि उन्होंने अपने भाइयों एवं महंत के व्यवहार के साथ–साथ घर की बहुओं के बदले हुए व्यवहार को भी झेला है। वे भली–भांति जानते हैं कि इन सबके बदले हुए व्यवहार के पीछे उनकी जमीन है। उन्हें हरिहर काका से नहीं बल्कि उनकी जमीन से प्यार है। वे जानते हैं कि अपने जीते–जी यदि वे जमीन अपने भाइयों के नाम लिख देंगे तो उनके भाइयों का व्यवहार उनके प्रति बदल जाएगा। उन्हें यह बात अपने भाइयों तथा महंत दोनों के ही व्यवहार से समझ में आ गई थी।

खण्ड–घ (लेखन) 26

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80–100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। 6

1. **परहित सरिस धर्म नहिं भाई।**

   * मनुष्यता की कसौटी * जीवन की सार्थकता * परोपकार से आनंद की अनुभूति

2. **साहस।**

   * साहस का गुण सर्वोपरि * साहसी का सम्मान * साहस की आवश्यकता * प्रभाव।

3. **लड़का–लड़की एक समान।**

   * समाज में दोनों का स्थान * समानताएँ * लड़कों को महत्व क्यों? * सृष्टि का अहम भाग।

1. परहित सरिस धर्म नहिं भाई

परोपकार मानव जीवन का धर्म है। परोपकार की भावना के बिना मनुष्य और पशु में किंचित अंतर नहीं है। परोपकार करने से आत्मा को जिस सच्चे आनंद की प्राप्ति होती है, उसको शब्दों में नहीं बाँधा जा सकता। स्वयं भूखे–प्यासे रहकर किसी की भूख– प्यास को मिटाने से असीम आत्मिक आनंद की प्राप्ति होती है। परोपकार में ही जीवन की सार्थकता है। अपने जीवन को सफल बनाने के लिए हमें अपनी समस्त शक्तियों का प्रयोग परोपकार के लिए करना चाहिए। हमें अपनी धन–संपदा का प्रयोग दूसरों का हित–संपादन करने के लिए अपनी शक्ति का प्रयोग अत्याचार तथा अन्याय के निवारण के लिए तथा अपनी बुद्धि का प्रयोग संसार के अंधकार को दूर करने के लिए करना चाहिए। यदि जीवन में आप पुण्यशील बनकर पुण्य प्राप्त करने के इच्छुक हैं तो परोपकार कीजिए और यदि पापों का संचय करना चाहते हैं तो दूसरे प्राणियों को पीड़ा दीजिए। अतः हमें परोपकार की पवित्र भावना से प्रेरित होकर जहाँ तक संभव हो सके, दूसरों के कष्टों का निवारण करना चाहिए क्योंकि जीवन में आनंद की प्राप्ति का यह एक सहज मार्ग है।

2. साहस

मनुष्य के सभी गुणों में साहस सर्वोत्तम है क्योंकि यह सभी गुणों की कहानी है। मानव –इतिहास में जो कुछ पठनीय है, वह मनुष्य के साहस और वीरता की कहानी है। संकट में साहस से काम लेना आधी सफलता प्राप्त कर लेना है। जो मनुष्य कभी साहस नहीं छोड़ता वह कभी पराजित नहीं होता। मिल्टन का कथन है– युद्ध में पराजित हो गए तो क्या चिंता है, सब कुछ तो पराजित नहीं हुआ। अपराजित निश्चय और साहस कभी पराजय स्वीकार नहीं करता। नेपोलियन ने चुनौती देते हुए कहा था– कोई एल्पस नहीं है। वह अपनी सेना पहाड़ों के पार इटली ले गया और विजय प्राप्त की। उचित क्या है? यह जान लेना, लेकिन उस पर अमल न करना साहस के अभाव का द्योतक है। साहस के अभाव में विद्या उस मोम के पुतले के समान है जो देखने में तो सुंदर लगता है परन्तु किसी वस्तु का स्पर्श होते ही पिघल जाता है। बिना निराश हुए पराजय को सह लेना पृथ्वी पर साहस की सबसे बड़ी परीक्षा है। साहस की जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आवश्यकता है। साहसी व्यक्ति को यदि कभी पराजित होना भी पड़ता है तो उसकी पराजय क्षणिक होती है। अंत में विजय भी उसी के हाथ लगती है।

3. लड़का–लड़की एक समान

मानव सभ्यता के विकास में लड़का–लड़की का समान योगदान है। दोनों एक–दूसरे के पूरक हैं। दोनों में शारीरिक रूप से बेशक भिन्नता है। लड़का शक्तिशाली है तो लड़की कोमल होते हुए भी धैर्य और सहनशीलता की मूर्ति। प्राचीन काल में दोनों को समान अधिकार प्राप्त थे, परन्तु मुगलकाल में लड़की को गौण स्थान दिया जाने लगा। राजा राम मोहन राय, स्वामी दयानंद जैसे महापुरूषों ने नारी को एक बार फिर बराबर का अधिकार दिलाने की आवाज उठाई परन्तु स्थिति में अब तक भी पूरी तरह सुधार नहीं आया। लड़की के जन्म पर अनेक परिवारों में आज भी घर में उदासी छा जाती है। लड़के को वंश बढ़ाने वाला और कुलभूषण माना जाता है। हम सबको मिलकर समाज को बदलना होगा, लोगों में जागरूकता लानी होगी और यह समझना होगा कि लड़का–लड़की में कोई अंतर नहीं है, दोनों समान ही हैं।

13. आपका पानी का मीटर खराब पड़ा है और इस कारण सही भुगतान नहीं हो पा रहा है। कार्यपालक अभियंता को इस संबंध में एक पत्र 80–100 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर :

सेवा में,
कार्यपालक अभियंता,
दिल्ली जल बोर्ड,
बदरपुर, दिल्ली।
विषय : पानी का मीटर बंद होने के संदर्भ में।
महोदय,

मैं लक्ष्मी नगर का निवासी हूँ। मेरा मकान नं. जेड 185 है और मैं गली नं. 12 में रहता हूँ। विगत चार मास से मकान पर लगा पानी का मीटर बंद पड़ा है। इस संबंध में मीटर रीडर से कई बार शिकायत की परन्तु अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हुई है। अब मैं लिखित शिकायत कर रहा हूँ। मीटर खराब होने के कारण पानी के अनुमानित बिल का भुगतान मैं नियमित समय पर कर रहा हूँ परन्तु इससे खपत का सही आंकलन नहीं हो पा रहा हैं अतः आपसे अनुरोध है कि या तो इस मीटर को ठीक करवाएँ अथवा इसे बदलवाने की व्यवस्था करायें।

आशा है कि आप इस समस्या का निदान तत्काल कराने की कृपा करेंगे। मैं इस पत्र के साथ पिछले तीन मास के पानी के भुगतान किए गए बिलों की फोटो प्रति संलग्न कर रहा हूँ।
सधन्यवाद।
भवदीय
अरुण पारिक
प्रताप नगर,
दिल्ली।
दिनांक : 18 अगस्त, 2018

अथवा

अपनी श्रेष्ठ उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए प्रधानाचार्य को अपने विद्यालय में ग्यारहवीं कक्षा में विज्ञान वर्ग में प्रवेश देने के लिए आवेदन–पत्र 80–100 शब्दों में लिखिए।

उत्तर :

सेवा में,
प्रधानाचार्य,
जानकी देवी आदर्श विद्यालय,
दिल्ली।
विषय : ग्यारहवीं कक्षा में विज्ञान–वर्ग में प्रवेश के लिए आवेदन।
महोदय,

सविनय निवेदन है कि मैंने वर्ष 2018–19 में आपके विद्यालय से दसवीं बोर्ड की परीक्षा उत्तीर्ण की है। इस परीक्षा में मुझे 90 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए हैं। विज्ञान और गणित के विषयों में मुझे 93 प्रतिशत अंक प्राप्त हुए हैं। दसवीं कक्षा के अध्यापक मेरे वैज्ञानिक दृष्टिकोण की सराहना करते रहे हैं। विज्ञान के विषयों से मेरा गहरा लगाव है। विद्यालय की ओर से आयोजित विज्ञान संगोष्ठी में मैं हमेशा भाग लेता हूँ। इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए मैं समझता हूँ कि ग्यारहवीं कक्षा में मेरे लिए विज्ञान–वर्ग में प्रवेश लेना ही उचित होगा।

अतः श्रीमान से अनुरोध है कि मुझे अपने विद्यालय में ग्यारहवीं कक्षा में विज्ञान–वर्ग में प्रवेश की अनुमति देकर कृतार्थ करें।
आपका आज्ञाकारी शिष्य
राहुल जैन

14. आप विद्यालय की पत्रिका समिति की अध्यक्षा हैं। पत्रिका छपने का समय निकट है। छात्रों से विद्यालय की पत्रिका के लिए लेख–कविताएँ आदि आमंत्रित करने हेतु सूचना 40–50 शब्दों में जारी करें। 5

उत्तर :

पी.आर. हायर सेकेण्डरी विद्यालय, राजघाट, उत्तर प्रदेश

सूचना

दिनांक : 16 जनवरी, 2018
विषय : विद्यालय की पत्रिका में छपने हेतु लेख आदि का आमंत्रण।
विद्यालय की पत्रिका का प्रकाशन शीघ्र होने जा रहा है। इच्छुक विद्यार्थी अपने स्वरचित लेख, निबंध, कहानी, कविताएँ आदि 30 जनवरी, 2018 तक सुमन कौशिक मैडम के पास जमा करा दें।

हस्ताक्षर
सुशीला शर्मा
अध्यक्षा
पत्रिका समिति

अथवा

क्वीन मेरीज स्कूल की साहित्य संगठन की अध्यक्षा होने के नाते छात्राओं को कविता प्रतियोगिता के आयोजन की सूचना 40-50 शब्दों में दीजिए।

उत्तर :

क्वीन मेरीज स्कूल, दिल्ली

सूचना

विद्यालय के साहित्य संगठन द्वारा विद्यालय सभागार में 30 अप्रैल, 2018 को कविता प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। कक्षा आठवीं से दसवीं तक के इच्छुक विद्यार्थी नामांकन हेतु हस्ताक्षरकर्ता से 15 अप्रैल तक संपर्क करें।

हस्ताक्षर
प्रीति मलिक
अध्यक्षा

15. प्रतिदिन बढ़ते कंकरीट के जंगल विषय पर बिल्डर और छात्र के बीच होने वाले संवाद को 50-60 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर :

बिल्डर : (छात्र से) तुम स्कूल के छात्र लगते हो, चारों ओर हैरत से क्या देख रहे हो?

छात्र : महोदय, मैं प्रतिदिन बढ़ते कंकरीट के जंगलों को देख रहा हूँ।

बिल्डर : शहर के लोगों के सुखद निवास के लिए इनका होना बहुत जरूरी है।

छात्र : लोगों के लिए इनसे भी ज्यादा जरूरी है पेड़-पौधे, हरियाली और स्वच्छ वायु। कंकरीट के जंगलों के कारण ये सब नष्ट होते जा रहे हैं।

बिल्डर : तुम्हारे विचारों को सुनकर मुझे गर्व हो रहा है कि आजकल के विद्यार्थी अपने पर्यावरण के प्रति सचमुच बहुत जागरूक हैं।

अथवा

रेलयात्रा के दौरान दो यात्रियों की बातचीत को लगभग 50 -60 शब्दों में संवाद के रूप में लिखिए।

उत्तर :

नीरजा : नमस्कार! मैं नीरजा हूँ। आपका क्या नाम है और आप कहाँ जा रहे हैं?

अखिल : मेरा नाम अखिल है। मैं दिल्ली जा रहा हूँ और आप?

नीरजा : मैं भी दिल्ली जा रही हूँ।

अखिल : मुम्बई का रेलवे स्टेशन क्या हमेशा व्यस्त रहता है।

नीरजा : हाँ! आप तो जानते ही हैं कि मुम्बई महानगर भारत की वाणिज्य नगरी भी है।

अखिल : हाँ जी, लगता है यहाँ लोग रात को भी नहीं सोते।

नीरजा : लगता है आपने मुम्बई की लोकल की भीड़ नहीं देखी?

अखिल : जी, आप ठीक कहती हैं। इस बार मौका नहीं मिल पाया।

नीरजा : कोई बात नहीं। लगता है, हमारी ट्रेन चल पड़ी है।

16. आपके शहर में साड़ियों की सेल लगी है। इसके लिए 25-50 शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए। 5

उत्तर :

सेल! सेल! सेल!

प्रिया साड़ी

जल्दी आए अवसर हाथ से न गवाएँ

शिफॉन, जॉरजेट, सूटी, पटोला, क्रेप, सिल्क इत्यादि सभी साड़ियों पर 40-50% तक आकर्षक छूट

प्रिया साड़ी अब पहने हर नारी।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें:
इफको प्लाजा, मैट्रो स्टेशन रोड, नई दिल्ली
फोन न. 8595969855

अथवा

नाखूनों की सुंदरता बढ़ाने के लिए नेलपॉलिश का विज्ञापन 25-50 शब्दों में तैयार कीजिए।

उत्तर :

नाखूनों की शान बढ़ाती
सुंदरता में चार चाँद लगाती
सबके मन को है लुभाती

आकर्षक रंगों में उपलब्ध

शाईना

नेलपॉलिश

कीमत सिर्फ 50 रुपये

सस्ती, सुंदर और टिकाऊ

Download unsolved Version of this solved paper from www.cbse.online

प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 7 (2019-20)

हिन्दी - ब (कोड-85)

कक्षा- 10

निर्धारित समय- 3 घंटे **अधिकतम अंक - 80**

सामान्य निर्देशः-

1. इस प्रश्न-पत्र में चार खंड हैं- क, ख, ग और घ।
2. सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।
4. एक अंक के प्रश्नों का उत्तर लगभग 15-20 शब्दों में लिखिए।
5. दो अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 30-40 शब्दों में लिखिए।
6. तीन अंकों के प्रश्नों का उत्तर लगभग 60-70 शब्दों में लिखिए।

खण्ड-क (अपठित अंश) 10

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 10

मनुष्य यदि पशुओं से श्रेष्ठ है तो उसका प्रमुख कारण है उसकी **बुद्धि**। बुद्धि के बल पर ही मनुष्य ने पशुओं पर विजय प्राप्त कर ली है जो शारीरिक शक्ति में उससे कहीं अधिक शक्तिशाली हैं। उसने समस्त ब्रह्माण्ड पर भी विजय प्राप्त कर ली है परन्तु प्रश्न उठता है कि मनुष्य संसार का सर्वश्रेष्ठ प्राणी बना कैसे? मनुष्य को ज्ञान का भण्डार कहाँ से प्राप्त होता है? यह ज्ञान उसे दो तरह से प्राप्त होता है, एक गुरु से तथा दूसरा पुस्तकों सें गुरु हमारा मार्गदर्शन करता है परन्तु जो ज्ञान वह हमें प्रदान करता है वह भी पुस्तकों से प्राप्त किया हुआ होता है। अतः हम कह सकते हैं कि पुस्तकें गुरुओं की भी गुरु होती है।

पुस्तकें हमारी ऐसी मित्र हैं जो हर पल हमारा साथ देती है। इनसे हमारा स्वस्थ मनोरंजन होता है। इन्हें पढ़कर कभी हम खिलखिलाते हैं और कभी भावों में डूब जाते हैं। ये हमें कभी अकेला नहीं छोड़तीं। महात्मा गांधी का कहना था कि अच्छी पुस्तकों के पास होने से हमें अपने भले मित्रों के साथ न रहने की कमी कभी नहीं खटकती।

वास्तव में पुस्तकें हमारे लिए वरदान हैं। ज्ञान प्राप्ति के लिए और बुद्धि के विकास के लिए विभिन्न ज्ञानवर्धक पुस्तकों का अध्ययन बहुत ही आवश्यक है। यदि जीवन में उन्नति के पथ पर अग्रसर होने और अपनी अभिलाषा को पूर्ण करने की इच्छा है तो इस कार्य में पुस्तकें ही एक सच्चे मित्र की तरह सहायता कर सकेंगी। अच्छी पुस्तकें मनुष्य के सोच-विचार को ही बदल देती हैं। विद्यार्थी बड़े-बड़े महान लोगों की आत्मकथाएँ पढ़कर प्रोत्साहित होते हैं और जान लेते हैं कि जीवन में उन्होंने किस प्रकार संघर्ष किया। अपने मार्ग की बाधाओं पर उन्होंने किस प्रकार विजय प्राप्त की। निडर होकर पथ पर चलने और अपने लक्ष्य को प्राप्त करने का संदेश पुस्तकें ही देती हैं।

1. मनुष्य के लिए बुद्धि का क्या महत्व है? 2

   उत्तर : मनुष्य की बुद्धि ने उसे पशुओं से श्रेष्ठ बनाने में बड़ी भूमिका निभाई है। यह बुद्धि का ही चमत्कार है कि उसने उन पशुओं पर विजय प्राप्त कर ली है जो शारीरिक बल में उससे कहीं बढ़े-चढ़े हैं। बुद्धि के बल पर मनुष्य ने समस्त ब्रह्माण्ड पर विजय प्राप्त कर ली है।

2. पुस्तकें गुरुओं की भी गुरु होती हैं? कैसे? 2

   उत्तर : मनुष्य को ज्ञान का भंडार गुरु से अथवा पुस्तकों से प्राप्त होता है। इसके साथ-साथ यह भी सच है कि गुरु हमें जो ज्ञान प्रदान करते हैं, वह भी पुस्तकों से प्राप्त किया हुआ होता है। अतः हम यह कह सकते हैं कि पुस्तकें गुरुओं की भी गुरु होती हैं।

3. पुस्तकें हमारा साथ किस तरह से देती हैं? पुस्तकों के बारे में महात्मा गांधी का क्या कहना था? 2

   उत्तर : पुस्तकें हर पल हमारा साथ देती हैं। ये हमें कभी अकेला नहीं छोड़तीं। महात्मा गांधी का कहना था कि अच्छी पुस्तकों का साथ होने से हमें अपने भले मित्रों के साथ न रहने की कमी कभी नहीं खटकती।

4. महान लोगों की आत्मकथाएँ पढ़ने से विद्यार्थी को क्या लाभ होता है? 2

   उत्तर : विद्यार्थी महान लोगों की आत्मकथाएँ पढ़कर प्रोत्साहित होते हैं और जान लेते हैं कि जीवन में उन्होंने किस प्रकार संघर्ष किया। उन्होंने अपने जीवन के मार्ग में आने वाली किन-किन बाधाओं पर विजय प्राप्त की। विद्यार्थियों को इन सारी बातों की जानकारी मिलती है तथा इनसे प्रेरणा ग्रहण करते हुए वे निडर होकर अपने पथ पर चलते हैं और अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में अग्रसर होते हैं।

5. पुस्तकों का अध्ययन क्यों आवश्यक है? 1

उत्तर : ज्ञान प्राप्ति के लिए और बुद्धि के विकास के लिए विभिन्न ज्ञानवर्धक पुस्तकों का अध्ययन बहुत आवश्यक है।

6. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए। 1

उत्तर : पुस्तक : सच्चा मित्र।

खण्ड–ख (व्यावहारिक व्याकरण) 16

2. अच्छा खिलाड़ी अनुशासनप्रिय होता है। वाक्य में रेखांकित को शब्द कहेंगे या पद? बताइए। 1

उत्तर : पद

3. निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए $1 \times 3 = 3$

1. शिक्षक के आते ही वहाँ सन्नाटा छा गया। (मिश्र वाक्य में)

उत्तर : जब शिक्षक आए, तब वहाँ सन्नाटा छा गया।

2. घनघोर वर्षा के कारण वहाँ के रास्ते बंद हो गए। (संयुक्त वाक्य में)

उत्तर : घनघोर वर्षा हुई इसलिए वहाँ के सभी रास्ते बंद हो गए।

3. मैंने एक बहुत बीमार व्यक्ति को देखा। (मिश्र वाक्य में)

उत्तर : मैंने एक व्यक्ति को देखा जो कि बीमार था।

4.

1. निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए– $1 \times 2 = 2$

शोधकार्य, पीतांबर

उत्तर : शोधकार्य – शोध का कार्य (तत्पुरुष समास)
पीतांबर– पीत है अंबर जिसका अर्थात विष्णु (कर्मधारय समास)

2. निम्नलिखित विग्रहों के समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए। $1 \times 2 = 2$

लोक में प्रिय, महान है जो देव (शिव)

उत्तर : लोक में प्रिय– लोकप्रिय (तत्पुरुष समास)
महान है जो देव (शिव)– महादेव (बहुब्रीहि समास)

5. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए। $1 \times 4 = 4$

1. एक सोने का घर ले आओ।

उत्तर : सोने का एक घर ले आओ।

2. कृपया आज का अवकाश देने की कृपा करें।

उत्तर : आज का अवकाश देने की कृपा करें।

3. मुझे हजार रुपया चाहिए।

उत्तर : मुझे हजार रुपये चाहिए।

4. क्या वह देख लिया है?

उत्तर : क्या उसने देख लिया है?

6. निम्नलिखित मुहावरों का वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि उनका अर्थ स्पष्ट हो जाए। $1 \times 4 = 4$

1. काँटे बिछाना

उत्तर : दूसरों के लिए काँटे बिछाना दुर्जनों का स्वभाव होता है।

2. लोहा मानना।

उत्तर : प्रोफेसर साहब का भाषण सुनने के बाद सभी उनकी विद्वता का लोहा मान गए।

3. उल्लू सीधा करना

उत्तर : राघव को धोखे में रखकर रीता अपना उल्लू सीधा कर रही है।

4. आस्तीन का साँप

उत्तर : राज ने निर्भय की बहुत सहायता की लेकिन वह तो आस्तीन का साँप निकला।

खण्ड–ग 28

(पाठ्य पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक)

7. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 30–40 शब्दों में लिखिए। $2 \times 3 = 6$

1. बड़े भाई साहब उपदेश की कला में माहिर थे, पर छोटा भाई मेहनत से घबराता था। उसे क्या अच्छा लगता था?

उत्तर : बड़े भाई छोटे भाई को अक्सर उपदेश देते रहते थे। वे उसे अनुशासन का पालन करने, परिश्रम करने और खेल–कूद से दूर रहने की सलाह देते रहते थे परन्तु छोटे भाई की रुचि कंकरियाँ उछालने, कागज की तितलियाँ उड़ाने, चारदीवारी पर चढ़कर नीचे कूदने, फाटक पर सवार होने, आगे–पीछे चलाते हुए मोटरकार का आनंद उठाने जैसे कार्यों में थी।

2. **पशुपर्व** में प्रतियोगिता के बाद तताँरा कार्यक्रमों में क्यों भाग नहीं ले सका?

उत्तर : पशुपर्व के दिन प्रतियोगिता के बाद नृत्य–संगीत और भोजन का कार्यक्रम था। धीरे धीरे विभिन्न कार्यक्रम शुरू हुए। तताँरा का मन इन कार्यक्रमों में नहीं लग रहा था। वह अपनी प्रेमिका वामीरो को ढूँढ़ने के लिए व्याकुल हो रहा था। वामीरो के बिना उसे सारे आयोजन बेकार लग रहे थे। इसलिए कार्यक्रम में भाग लेने के बजाय वह वामीरो को ढूँढ़ने में लग गया।

3. **अब कहाँ दूसरे के दुख से दुखी होने वाले**, पाठ के आधार पर लिखिए कि लेखक पाठ के माध्यम से क्या संदेश देना चाहता है?

उत्तर : इस पाठ के माध्यम से लेखक हमे संदेश देना चाहता है कि हमें अपने मन में सभी जीवों के प्रति प्रेम–भाव और दया होनी चाहिए। जीव–जंतुओं के प्रति निर्दयतापूर्ण व्यवहार नहीं करना चाहिए।

4. अफगानिस्तान के बादशाह को हिंदुस्तान पर हमला करने की दावत किस–किसने दी और क्यों?

उत्तर : अफगानिस्तान के बादशाह को हिंदुस्तान पर हमला करने की दावत सबसे पहले टीपू सुल्तान ने दी थी। फिर वजीर अली ने उन्हें हिंदुस्तान पर हमला करने की दावत दी थी। उसके बाद बंगाल के नवाब के रिश्ते के भाई शमसुद्दौला ने उन्हें ऐसा करने को कहा था। ये तीनों अफगानिस्तान के

बादशाह की मदद से अंग्रेजों को कमजोर कर भारत से बाहर करना चाहते थे। अपने देश की आजादी के सपने उनकी आँखों में तैर रहे थे और वे उसी को पूरा करना चाहते थे।

8. वजीर अली एक जाँबाज सिपाही था, कैसे? 80–100 शब्दों में स्पष्ट कीजिए। 5

उत्तर : वजीर अली एक जाँबाज सिपाही था। वह अपनी जान पर खेलकर भारत को स्वतंत्र कराना चाहता था। उसने अवध पर केवल पाँच महीने ही शासन किया। किन्तु अपने शासन के दौरान उसने अंग्रेजी प्रभाव को वहाँ पनपने नहीं दिया। वह अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करने में यकीन रखता था। वह अंग्रेजी शासन को अन्याय का प्रतीक समझता था। उसने कई बार अंग्रेजों के खिलाफ विद्रोह भी किए थे। वह निडर होकर अंग्रेजों के कैंप में घुस गया था। उसे अपनी जान की भी परवाह नहीं थी। उसके जाँबाज सिपाही होने का परिचय उस घटना से मिलता है जब वह अंग्रेजों के कैंप में घुसकर कारतूस लेने में सफल हो जाता है तथा कर्नल उसे देखता रह जाता है।

अथवा

आपके विचार में कौनसे ऐसे मूल्य हैं जो शाश्वत हैं? वर्तमान समय में इन मूल्यों की प्रासंगिकता 80–100 शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : शाश्वत मूल्य वे होते हैं, जो पौराणिक समय से चले आ रहे हों, वर्तमान में भी जो महत्वपूर्ण हों तथा भविष्य में भी जो उपयोगी हों। ये प्रत्येक काल में समान रहते हैं। युग, स्थान तथा काल का इन पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। सत्य, अहिंसा, परोपकार, त्याग, एकता, भाईचारे की भावना, देश–प्रेम आदि शाश्वत मूल्य है।

वर्तमान समय में भी इन मूल्यों की प्रासंगिकता बनी हुई है। सत्य और अहिंसा के बिना राष्ट्र का कल्याण नहीं हो सकता। शांतिपूर्ण जीवन–यापन के लिए परोपकार, त्याग, एकता, भाईचारा तथा देश–प्रेम की भावना का होना अत्यंत आवश्यक है। ये शाश्वत मूल्य युगों–युगों तक कायम रहेंगे।

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन के उत्तर 30–40 शब्दों में लिखिए। $2 \times 3 = 6$

1. तोप का अतीत कैसा था और वर्तमान कैसा है? कविता के आधार पर लिखिए।

उत्तर : अंग्रेज शासकों ने तोप का उपयोग भारतीय क्रांतिकारियों को दबाने के लिए किया था। इस तोप ने अनेक शूरवीरों की हत्या की थी। उन पर गोले बरसाए थे। एक दिन ऐसा आया जब भारतीय जाँबाजों ने इस तोप को निस्तेज कर दिया। यह तोप का अतीत है। अब यह निरर्थक होकर देखने की चीज बन गई है। इसकी भयावहता समाप्त हो चुकी है। इस पर बैठकर बच्चे खेलते हैं। चिड़ियाँ, गौरेंये बैठकर बातें करती हैं। अब किसी का डर नहीं रह गया है। यह तोप का वर्तमान स्वरूप है।

2. इस कविता से आपको क्या प्रेरणा मिलती है?

उत्तर : इस कविता से हमें यह प्रेरणा मिलती है कि विपत्ति या दुख के समय न घबराकर धैर्य और निर्भीकता के साथ उसका सामना करें। दुख–कष्ट या विपत्ति के समय ईश्वर से कष्ट सहन करने की शक्ति की कामना करनी चाहिए।

3. कविता में साथियों संबोधन का प्रयोग किसके लिए किया है?

उत्तर : कवि ने **साथियों** शब्द का प्रयोग सैनिकों के साथियों एवं देशवासियों के लिए किया है। सैनिक स्वयं को मातृभूमि पर न्योछावर करते हुए मृत्यु को गले लगा रहे हैं। वे अपने साथियों पर देश की रक्षा का भार सौंप रहे हैं। अब देश की रक्षा का दायित्व सैनिकों और देश के सभी नागरिकों का है।

4. दूसरे पद में मीराबाई श्याम की चाकरी क्यों करना चाहती है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : मीरा श्रीकृष्ण को सर्वस्व समर्पित कर चुकी हैं इसलिए वे केवल कृष्ण के लिए ही कार्य करना चाहती हैं। श्रीकृष्ण की समीपता व दर्शन हेतु उनकी दासी बनना चाहती हैं। वे चाहती हैं दासी बनकर श्रीकृष्ण के लिए बाग लगाएँ, उन्हें वहाँ विहार करते हुए देखकर दर्शन सुख प्राप्त करें। वृंदावन की कुंज गलियों में उनकी लीलाओं का गुणगान करना चाहती हैं। इस प्रकार दासी के रूप में दर्शन, नाम स्मरण और भाव–भक्ति रूपी जागीर प्राप्त कर अपना जीवन सफल बनाना चाहती हैं।

10. पशु–प्रवृत्ति से क्या अभिप्राय है? मनुष्य को यह प्रवृत्ति क्यों नहीं अपनानी चाहिए? 80–100 शब्दों में बताइये? 5

उत्तर : पशु–प्रवृत्ति से अभिप्राय है केवल अपने बारे में सोचना क्योंकि पशु का आचरण है कि वह केवल अपने पेट भरने से मतलब रखता है। इसी तरह जो मनुष्य केवल अपने लिए जीता है, उसकी प्रवृत्ति वास्तव में पशु–प्रवृत्ति ही है। यह तो पशुओं के स्वभाव जैसा है, जो केवल स्वयं का भरण–पोषण करते हैं।

मनुष्य को यह प्रवृत्ति नहीं अपनानी चाहिए। उसे दूसरे के हित का भी ध्यान रखना चाहिए। यदि मनुष्य पशु–प्रवृत्ति को अपना लेगा तो उसमें और पशु में क्या अंतर रह जाएगा। फिर वह अपने को पशुओं से श्रेष्ठ कैसे कह सकेगा। वास्तव में मनुष्य वही है जो दूसरे मनुष्यों के लिए मरता है, उनके लिए कष्ट सहन करता है।

अथवा

बिहारी द्वारा रचित दोहों को पढ़कर मनुष्य को क्या–क्या सीख लेनी चाहिए? 80–100 शब्दों में लिखिए।

उत्तर : बिहारी के दोहे हमें अनेक प्रकार की शिक्षा देते हैं। अपने एक दोहे में वे कहते हैं कि आपत्ति काल में हमें आपसी वैरभाव को भुला देना चाहिए। एक अन्य दोहे में कवि कहते हैं कि ईश्वर प्राप्ति के लिए हमें माला जपना, ईश्वर का नाम शरीर पर अंकित करना, मस्तक पर तिलक धारण करना आदि धार्मिक बाह्य आडंबरों का परित्याग कर देना चाहिए क्योंकि इनसे कार्य सिद्धि नहीं हो सकती। इनके स्थान पर हमें सच्चे मन से ईश्वर–भक्ति करनी चाहिए। इसी माध्यम से प्रभु को

प्रसन्न किया जा सकता है। इस प्रकार बिहारी लाल हृदय की उच्चता को श्रेष्ठ बताते हैं।

11.

1. **हरिहर काका** पाठ के आधार पर 60-70 शब्दों में स्पष्ट कीजिए कि धार्मिक काम-काज के लिए गठित ठाकुरबारी जैसी संस्थाएँ भी कुटिल चालें चलकर समाज का अहित करती हैं। 3

   उत्तर : ठाकुरबारी के साथ गाँव के लोगों की आस्थाएँ जुड़ी हुई थीं। अपने प्रत्येक शुभकार्य का आरंभ वे ठाकुरबारी से ही करते थे। ठाकुरबारी का गठन धार्मिक काम-काज के लिए ही हुआ था। परन्तु इसी पवित्र संस्था के महंत ने कुटिल चालें चलीं। हरिहर काका की जमीन हथिया लेने के लिए पहले तो ठाकुरबारी के महंत ने उनकी खूब आवभगत की, लेकिन उनकी जमीन नहीं हथिया सके तो उन्होंने हरिहर काका को जबरन उठवा लिया। ऐसे कलुषित प्रवृत्ति के लोग समाज का बहुत अहित करते हैं। ठाकुरबारी जैसी संस्थाओं द्वारा केवल समाजोपयोगी कार्य ही किए जाएँ।

2. दादी अपने बेटे की शादी में गाने-बजाने की इच्छा पूरी क्यों नहीं कर पाईं? 60-70 शब्दों में बताइये। 3

   उत्तर : दादी अपने बेटे की शादी में गाने-बजाने की इच्छा पूरी नहीं कर पाईं क्योंकि दादी का विवाह मौलवी से हुआ था। उनके यहाँ इस प्रकार जश्न मनाने का रिवाज न था। अतः उन्हें अपनी इच्छा दबाकर जीवन जीना पड़ा।

खण्ड-घ (लेखन) 26

12. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80-100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। 6

1. **लोकतंत्र और चुनाव।**

   * लोकतंत्र में लोक का महत्व * जनता की आवाज : चुने हुए प्रतिनिधि * प्रतिनिधि चुनने से लोकतंत्र की रक्षा * सही प्रतिनिधि कैसे चुनें

2. **बुरा जो देखन मैं चला।**

   * निंदा करना एक आम दुर्गुण * सामान्य जीवन से उदाहरण * दोष सुधार कैसे?

3. **कम्प्यूटर।**

   * उपयोगी वैज्ञानिक आविष्कार * विविध क्षेत्रों में कम्प्यूटर * लाभ-हानि।

उत्तर :

1. लोकतंत्र और चुनाव।

लोकतंत्र से तात्पर्य लोक यानी जनता और तंत्र यानी शासन से है जिसका अर्थ है जनता का शासन। लोकतंत्र में लोक का बहुत महत्व हैं क्योंकि लोकतंत्र सरकार का एक ऐसा रूप है जिसमें प्रजा शासन करती है। या तो सीधे वैयक्तिक भागीदारी के माध्यम से अथवा परोक्ष रूप से निर्वाचित प्रतिनिधियों के माध्यम से। जिस क्रियाविधि के माध्यम से लोग सरकार में परोक्ष रूप से भाग लेते हैं, वह है अपने मनोरथ के कार्यान्वयन हेतु प्रतिनिधि चुनना, जिसे हम चुनाव कहते हैं। सत्ता में आए प्रतिनिधि जनता की आवाज होते हैं। वे आम जनता का प्रतिनिधित्व करते हैं। लोकतंत्र जनता का शासन होता है, इसलिए लोकतंत्र की रक्षा करना भी जनता का ही कर्तव्य होता है जिसके लिए ही जनता अपने प्रतिनिधि चुनकर लोकतंत्र का निर्माण एवं रक्षा करती है। लोग अपने प्रतिनिधि एक विधानमण्डल या सभा हेतु चुनते हैं और ये प्रतिनिधि उनकी ओर से निर्णय लेने के लिए प्राधिकृत होते हैं। वास्तविक संप्रभुता लोगों के ही पास रहती है जो अपने प्रतिनिधियों को उत्तरदायी ठहरा सकते हैं और जब अगला चुनाव चक्र आता है तो उन्हें पुनः चुनने से मना कर सकते हैं। इसलिए जनता को सही प्रतिनिधि का चुनाव करना चाहिए। सही प्रतिनिधि चुनते समय जनता को निष्पक्ष होकर प्रतिनिधि को लोकतंत्र की कसौटी पर तौलना चाहिए।

2. बुरा जो देखन मैं चला

मानव का यह स्वभाव है कि वह दूसरों में बुराइयाँ ढूँढ़ता रहता है। दूसरों की निंदा करने में, उनमें कमियाँ ढूँढ़ने में उसे अपूर्व आनंद की अनुभूति होती है। कुछ न कुछ कमियाँ या दोष प्रत्येक व्यक्ति में होते हैं, इसके बावजूद मनुष्य दूसरों की निंदा करने में तत्पर रहता है। उदाहरण के लिए रिश्वतखोरी, बेईमानी अथवा भ्रष्टाचार में लिप्त लोग दूसरों की निंदा करने में किसी भी तरह से संकोच का अनुभव नहीं करते। परन्तु वे ही लोग अपनी बुरी प्रवृत्तियों के प्रति आँखें मूँदे रहते हैं। इस दोष के सुधार के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने अंदर झाँककर देखना होगा। **आत्मदीपों भव** अर्थात् अपना सुधार स्वयं करते हुए उसे अपनी बुराइयों को दूर करना होगा और परनिंदा से बचना होगा। इसके साथ ही उसे दूसरों की अच्छी प्रवृत्तियों को, गुणों को उभारने का प्रयास करना होगा, तभी अच्छे समाज का गठन हो सकेगा।

3. कम्प्यूटर

विज्ञान के अत्याधुनिक उपकरणों में कम्प्यूटर का विशेष स्थान है। कम्प्यूटर एक प्रकार का मानव-मस्तिष्क है जो कठिन से कठिन गणनाएँ, गुणा, भाग, जोड़, घटाना आदि पलक झपकते ही करने में समर्थ है। आज के युग को यदि कम्प्यूटर युग कहा जाए तो अतिशयोक्ति न होगी क्योंकि जीवन के प्रायः हर क्षेत्र में कम्प्यूटर का सफलतापूर्वक प्रयोग किया जा रहा है। बैंकों, रेलवे स्टेशनों, हवाई अड्डों के अलावा वैज्ञानिकों, चिकित्सकों, इंजीनियरों द्वारा भी कम्प्यूटर का प्रयोग किया जाता है। वायुयान, जलयान आदि के संचालन, युद्धों के संचालन तथा रक्षा सामग्री के उत्पादन में भी कम्प्यूटरों की सहायता ली जाती है। आजकल तो कम्प्यूटर पर इंटरनेट सुविधाएँ उपलब्ध होने से विश्व की कोई भी सूचना या समाचार कुछ ही क्षणों में उपलब्ध हो जाता है। अनेक विषयों की पढ़ाई में भी कम्प्यूटर सहायक हो रहा है। भारत में कम्प्यूटर ने सूचना क्रांति ला

दी है। पुस्तकों की छपाई में भी कम्प्यूटर क्रांतिकारी साबित हुआ है। इस प्रकार कम्प्यूटर अलादीन का चिराग बन गया है। वर्तमान में कम्प्यूटर साक्षर को ही साक्षर कहा जाने लगा है। इसी से स्पष्ट है कि देश के विकास में कम्प्यूटर की उपयोगिता कितनी अधिक है।

13. बस में यात्रा करते समय आपका मोबाइल फोन गुम हो गया। अपने क्षेत्र के पुलिस अधिकारी को इसकी सूचना देते हुए एक पत्र 80-100 शब्दों में लिखिए। 5

उत्तर :

सेवा में,
मुख्य पुलिस अधिकारी,
रजत विहार,
नई दिल्ली।
दिनांक : 3 मार्च, 2018
विषय : मोबाइल फोन गुम होने की सूचना देने हेतु।
महोदय,

मैं साकेत विहार में रहता हूँ। मेरा ऑफिस इंद्रप्रस्थ में है। मुझे प्रतिदिन 729 नम्बर की बस से ऑफिस आना-जाना होता है। कल सुबह 9:00 बजे जब मैं बस में सवार हुआ तो मेरा मोबाइल मेरे हाथ में ही था परन्तु बहुत भीड़ होने के कारण वह मेरे हाथ से छूट गया और जल्दी में होने के कारण मेरा इस बात पर ध्यान भी नहीं गया। बाद में ऑफिस पहुँचने पर मुझे पता लगा कि मेरा मोबाइल बस में ही छूट गया है। मैं तभी वापस आ गया और मैंने मोबाइल का पता करने की बहुत कोशिश की परन्तु कुछ पता नहीं लग पाया। फोन करके देखने पर बंद आ रहा है। मेरा मोबाइल नम्बर 9878334792 है। मेरा मोबाइल सैमसंग कम्पनी का है जो मॉडल 1225 है। मैं मोबाइल गुम होने के कारण बहुत परेशान हूँ, क्योंकि मेरे सभी परिचितों के नम्बर भी उसी में हैं।

अतः आप मेरा मोबाइल खोजने की कार्यवाही करके मेरा सहयोग करें। मैं सदैव आपका आभारी रहूँगा।

सधन्यवाद।
भवदीय,
राजेश
1254, गली नं. 9,
साकेत विहार, उत्तर प्रदेश।

अथवा

नगर की सफाई-दुर्व्यवस्था की ओर ध्यान आकृष्ट करते हुए स्वास्थ्य मंत्री को एक पत्र 80-100 शब्दों में लिखिए।

उत्तर :

सेवा में,
स्वास्थ्य मंत्री,
दिल्ली सरकार,
नई दिल्ली-110001

विषय : सफाई-दुर्व्यवस्था के संबंध में।
महोदय,

नगर में कहीं भी स्वच्छता दृष्टिगोचर नहीं होती। खासकर हमारे ईस्ट लोनी रोड इलाके में पिछले पन्द्रह दिनों से सफाई कर्मचारी काम पर नहीं आ रहे हैं। मोहल्ले में चारों ओर कूड़ा-कचरा इकट्ठा हो गया है। नालियों की सफाई न होने से नालियों का पानी गलियों में इधर-उधर बह रहा है। गंदगी के कारण मक्खियों-मच्छरों की भरमार है। साथ ही आवारा पशु जैसे कुत्ते और साँड़ कचरे को इधर-उधर बिखरा देते हैं। राह चलना मुश्किल हो गया है। साथ ही दुर्गन्ध के कारण यहाँ एक पल भी रहने की इच्छा नहीं होती।

अतः मैं इस ओर आपका ध्यान आकर्षित करना चाहता हूँ, ताकि आप हमारी इस समस्या पर गंभीरता से विचार-विमर्श करें एवं सफाई कर्मचारियों को तुरंत अपना काम करने के लिए निर्देश दें। आपसे मेरा विनम्र अनुरोध है कि आप सफाई कर्मचारियों को हमारे इलाके की सभी नालियों की समुचित सफाई करने और कूड़े का ढेर हटाने का तुरंत आदेश देकर संक्रामक रोगों को फैलने से बचाएँ।

धन्यवाद।
भवदीय,
कमल
पता- विकास नगर।
दिनांक : 16 सितम्बर, 2019

14. आप सी.एस.ए. हायर सैकेंड्री स्कूल के प्रधानाचार्य हैं। विद्यालय में लेखन प्रतियोगिता होने जा रही है। छात्रों हेतु सूचना 40-50 शब्दों में जारी कीजिए। 5

उत्तर :

सी.एस.ए. हायर सैकेंड्री स्कूल, कालकाजी, दिल्ली

सूचना

दिनांक : 08 जनवरी, 2017
विषय : लेखन प्रतियोगिता हेतु रचनाओं का आमंत्रण।
आगामी माह में विद्यालय में लेखन प्रतियोगिता का आयोजन होने जा रहा है। विद्यार्थी अपनी रचनाएँ दिनांक 5 नवम्बर, 2019 तक हिंदी अध्यापिका डॉ. रेखा गर्ग को उपलब्ध करा दें। रचनाएँ फुलस्केप साइज के कागज पर एक ओर साफ शब्दों में लिखी या टाइप की हुई होनी चाहिए।

हस्ताक्षर
डॉ. वेदप्रकाश शर्मा
प्रधानाचार्य

अथवा

कल्पना कीजिए कि आप सार्वजनिक पुस्तकालय के अध्यक्ष हैं। पुस्तकालय का समय बढ़ाया गया है तथा रविवार को

अवकाश रखने का निर्णय लिया गया है। इसकी सूचना 40-50 शब्दों में जारी कीजिए।

उत्तर :

शास्त्री सार्वजनिक पुस्तकालय, नई दिल्ली

सूचना

आप सभी को सूचित किया जाता है कि दिनांक 24 नवम्बर, 2019 से पुस्तकालय रविवार को बंद रहेगा। पुस्तकालय का समय प्रतिदिन एक घंटा बढ़ाकर प्रातः 9:00 बजे से सायं 6:00 बजे तक कर दिया गया है।

हस्ताक्षर
आर.एस. भाकर
पुस्तकालय अध्यक्ष

15. प्रिया अपनी कक्षा में सर्वाधिक अंक पाती रही है। इस बार उसके अंक बहुत कम हैं। इस संबंध में शिक्षिका और प्रिया की बातचीत को लगभग 50-60 शब्दों में संवाद शैली में लिखिए। 5

उत्तर :

शिक्षिका : अर्चना! तुम तो सर्वाधिक अंक पाने वाली छात्रा हो, इस बार इतने कम अंक पाने का क्या कारण है?

प्रिया : पता नहीं मेम, मैंने तैयारी तो अच्छी की थी। प्रश्न भी पढ़े हुए आए लेकिन लिखते समय मैं उत्तर भूल गई।

शिक्षिका : भई ऐसा तो तब होता है जब हममें आत्मविश्वास की कमी हो, या हड़बड़ी में एक प्रश्न हल करते समय हम दूसरे प्रश्नों के उत्तर के बारे में सोच रहे हों।

प्रिया : हाँ मेम, कुछ ऐसा ही हुआ इस बार।

शिक्षिका : कोई बात नहीं, वार्षिक परीक्षा में एक-एक प्रश्न को आराम से तैयार करना और यह सुनिश्चित हो जाने पर कि उत्तर ठीक है उसकी ओर से ध्यान हटाकर ही दूसरा प्रश्न तैयार करना। ठीक ऐसे ही उत्तर लिखते समय उसी उत्तर पर केन्द्रित होना चाहिए। इसका अभ्यास करो, सब ठीक हो जाएगा।

प्रिया : जी मेम, मैं ठीक ऐसे ही तैयारी करूँगी।

अथवा

क्रिकेट मैच के परिणाम के बारे में दो दर्शकों के मध्य बातचीत लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए।

उत्तर :

पहला दर्शक : अब कुल बारह गैंदें बची हैं और भारत को जीतने के लिए बीस रन चाहिए। क्या लगता है आपको, ऊँट किस करवट बैठेगा?

दूसरा दर्शक : जब तक क्रीज पर हरभजन है, कुछ भी मुश्किल नहीं हैं।

पहला दर्शक : जहीर को भी कम मत समझो, एक-दो छक्के वह भी मार सकता है।

दूसरा दर्शक : कुछ भी हो सकता है, पर दक्षिण अफ्रीका की ओर से गेंदबाजी बहुत अच्छी हो रही है।

पहला दर्शक : ओवर शुरू होने वाला है, आइए देखें, हमारे धुरंधर क्या गुल खिलाते हैं।

16. सरकार की निःशुल्क कम्प्यूटर शिक्षा योजना के लिए 25-50 शब्दों का विज्ञापन तैयार कीजिए। 5

उत्तर :

सरकार की निःशुल्क कंप्यूटर शिक्षा योजना के अंतर्गत कंप्यूटर कोर्स करें

कोर्स : डी.टी.पी., टैली, डिजाइनिंग, नेट आदि

आज ही अपना नाम पंजीकृत कराएँ और योजना का लाभ उठाएँ

योग्यता : हाईस्कूल पास   अंतिम तिथि : 10 अक्टूबर 2019

संपर्क करें:
स्वामी दयानन्द शिक्षा संस्थान
मेन रोड, चोपडा बाजार, अजमेर
फ़ोन-09413028511

अथवा

सैल फोन विक्रेता हेतु 25-50 शब्दों में विज्ञापन दीजिए।

उत्तर :

जेडमी फोन

डयूल सिम
स्क्रीन-5 इंच
रैम-2 जीबी
कैमरा 5 एम पी
बैटरी 5000 एम एच

मात्र 5990 रूपये

सबसे कम दाम में सबसे अधिक फीचर्स वाला फोन

ऑफर सिमित समय के लिए आज ही अपने नजदीकी मोबाइल डीलर से सम्पर्क करे।

Download unsolved Version of this solved paper from www.cbse.online